जज के खिलाफ टिप्पणीः माफी मांगें वादी-वकील -7

विदेशी पूंजी ने बदली बाजार की चाल, सेंसेक्स 746 अंक उछला - 10

अमेरिका से अलग रहा पर ऑस्ट्रेलिया फलस्तीन को देगा राष्ट्र की मान्यता-11

आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैंः हरमनप्रीत-12

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.40

सूर्यास्त 06.56

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया 11:52 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 12 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 263, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

विधानसभा के मानसून सत्र का पहला दिन

विपक्ष का हंगामा, योगी बोले- सपा का लोकतंत्र नदी के दो छोर जैसा

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद के आरोपों पर सीएम का तीखा हमला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन की कार्यवाही विपक्ष के हंगामे के कारण मात्र डेढ़ घंटे के भीतर ही सिमट कर रह गई। इससे पहले सोमवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय ने व्यवस्था का सवाल उठाते हुए बीते दिनों अपने साथ गोरखपुर में हुए कथित दुर्व्यवहार का प्रकरण पीठ के संज्ञान में डाला और लोकतंत्र की दुहाई दी। बोले, संवैधानिक पद पर होने के बावजूद मुझे वहां जेसीबी लगाकर रोका गया और दुर्व्यवहार किया।

इसके जवाब में नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो टूक कहा कि सपा और लोकतंत्र नदी के दो छोर की तरह हैं। योगी आदित्यनाथ ने यह कहते हुए पलटवार किया कि व्यापारियों ने आपका विरोध इसलिए किया कि आप वहां बिन बुलाए मेहमान की तरह टपक गए। यह नहीं होना चाहिए। आपका तो व्यापारियों ने सम्मान किया, अगर कोई और होता तो उसको कायदे से सही ढंग से जवाब भी देते। इसके बाद आक्रोशित सपा के सदस्यों ने मामले की जांच की मांग करते हुए वेल में आकर आसन के निकट हंगामा और नारेबाजी शुरू कर दी। दरअसल, सपा सदस्य, नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय के 25 जून के गोरखपुर दौरे के दौरान कथित दुर्व्यवहार को लेकर खफा थे और वे इस मामले में जांच कमेटी बनाने की मांग कर रहे थे। विपक्षी सदस्यों ने, नेता विरोधी दल का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारे लगाए।

हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सुबह 11 बजकर 37 मिनट पर पहले 15 मिनट के लिए सदन स्थगित किया और फिर इसकी अवधि बढ़ाकर 12 बजकर 20 मिनट तक कर दी। सपा सदस्यों के इस हंगामे के बीच प्रश्नकाल समाप्त हो गया और बाद में पहले दिन की कार्यवाही ही स्थगित कर देनी पड़ी।

लखनऊ में विधानसभा सत्र के दौरान सदन में बोलते मुख्यमंत्री योगी। ● अमृत विचार

- विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच मात्र डेढ़ घंटे में निपटी विधानसभा सत्र की पहले दिन की कार्यवाही
- नेता विरोधी दल के कथित अपमान पर सपा सदस्यों का प्रदर्शन, 42 मिनट स्थगित रहा सदन

विकसित भारत के लिए विजन देगा सदन : मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को विधानसभा के मानसून सत्र की शुरूआत से पहले कहा कि सदन में पक्ष-विपक्ष मिलकर विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश का विजन तैयार करेंगे। सरकार अगले 25 वर्षों की कार्ययोजना को सदन के पटल पर रखेगी। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि असंसदीय भाषा के लिए विपक्ष कुख्यात हैं, ऐसा करने वालों को जनता जवाब देगी। सरकार विपक्ष के जनहित से जुड़े सवालों और शून्यकाल में महत्वपूर्ण मुद्दों पर जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। योगी ने सदन में जाने से पहले सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार विकसित यूपी का विजन लेकर आगे बढ़ रही है। इस विजन को नीति आयोग और विशेषज्ञों के सहयोग से तैयार किया गया है।

सदन को बेवजह न चलने देना दुर्भाग्यपूर्ण: सुरेश खन्ना

लखनऊ। राज्य विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को सदन में विपक्ष के व्यवहार के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित होने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विपक्ष का रवैया गैर-जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण है। खन्ना ने कहा कि यह निंदनीय है कि विपक्ष ने शोक प्रस्ताव के दौरान भी सदन की परंपरा का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा नेता प्रतिपक्ष के सवालों का जवाब देने के बावजूद, विपक्ष ने अपना अवरोध जारी रखा।

सपा विकास विरोधी, नकारात्मक राजनीति करती है

लखनऊ। योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को एक वरिष्ठ और सम्मानित नेता बताते हुए कहा कि कुछ लोग आपके कंधे पर बंदूक रखकर गोली चला रहे हैं, आपको मोहरा बना रहे हैं। योगी ने सपा पर विकास विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा हर जगह नकारात्मक राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार विकास कराना चाहती है, लेकिन सपा को यह बुरा लगता है।

लोस में बिना चर्चा के 3 मिनट में ही नया आयकर विधेयक पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

- कराधान के साथ दो खेल विधेयक को भी मंजूरी
- नया आयकर विधेयक निश्चित समय के अंदर रिटर्न दाखिल नहीं कर पाने पर भी टीडीएस रिफंड का दावा करने की अनुमति करेगा प्रदान

लोकसभा ने सोमवार को आयकर संबंधी उस नए विधेयक को बिना किसी चर्चा के तीन मिनट में ही पारित कर दिया, जो आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा। यह नया विधेयक लोगों को निश्चित समय के अंदर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं कर पाने पर भी 'टीडीएस रिफंड' का दावा करने की अनुमति प्रदान करेगा।

बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों की नारेबाजी के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर (संख्यांक 2) विधेयक, 2025 लोकसभा में पारित करने के लिए पेश किया, जिसे सदन ने ध्वनिमत से अनुमोदित कर दिया। वहीं, कराधान के साथ दो खेल विधेयक को भी मंजूरी दी गई। सीतारमण ने फरवरी में पेश किये गए आयकर विधेयक, 2025 को 8 अगस्त को वापस ले लिया था। उन्होंने सदन में सोमवार को विधेयक का अद्यतन संस्करण पेश किया, जिसमें प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशों को शामिल किया गया है। नया विधेयक मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा, जिसमें बीते कुछ साल में कई संशोधन किये गए थे। नया विधेयक वर्तमान अधिनियम के मूल कर प्रावधानों को बरकरार रखता है और मुख्य रूप से भाषा को सरल बनाने और अनावश्यक प्रावधानों को हटाने का प्रावधान करता है। वहीं, कराधान विधि (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य एकीकृत पेंशन योजना के अंशधारकों को कर छूट प्रदान करना है। वोट चोरी के मुद्दे पर विपक्ष के सदस्यों की नारेबाजी के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह विधेयक सदन में पारित करने के लिए पेश किया, जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। वहीं राज्यसभा में चार विधेयक पारित किए गए।

राष्ट्रीय खेल शासन व डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक पास

नई दिल्ली। लोकसभा ने राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 तथा राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित कर दिया। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि इन विधेयकों के कानून का रूप लेने के बाद खेल के मैदान से गौरव हासिल करने का देश का सपना साकार होगा। ये विधेयक देश में एक पारदर्शी, जवाबदेह और विश्व स्तरीय खेल वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आने वाले दिनों में, जब भारत ओलंपिक के लिए दावेदारी पेश करेगा, तो यह जरूरी है कि हमारा खेल वातावरण जवाबदेह हो।

ब्रीफ न्यूज

गाजियाबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष गर्ग क निधन

प्रयागराज। गाजियाबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष गर्ग (53) का सोमवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे स्थानीय यशोदा अस्पताल में हर्निया के ऑपरेशन के लिए भर्ती थे। सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ के दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वाशरूम में हार्ट अटैक आ गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। जज आशीष गर्ग मूल रूप से मुरादनगर (मुजफ्फरनगर) के निवासी थे। वर्ष 2011 में हायर ज्यूडिशियल सर्विस (एचजेएस) से जुड़े आशीष ने अपने करियर की शुरुआत मथुरा में की थी।

अंदर देखें ... अंतस

मुनीर ने परमाणु हमले की दी धमकी, भारत बोला- ये पाकिस्तान की पुरानी आदत

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेश मंत्रालय ने बयान को गैर जिम्मेदाराना बताया, कहा- धमकियों के सामने नहीं झुकेगा भारत

पाकिस्तानी फौज के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की अमेरिकी धरती से भारत को दी गई परमाणु हमले की धमकी पर नई दिल्ली ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए सोमवार को कहा कि परमाणु हथियारों की धमकी देना पड़ोसी मुल्क की आदत है।

भारत ने कहा कि मुनीर की टिप्पणी ने सेना और आतंकवादी समूहों के बीच सांठगांठ वाले पाकिस्तान में परमाणु कमान और नियंत्रण की विश्वसनीयता को लेकर व्याप्त संदेह को और पुष्ट किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा।

मंत्रालय ने अमेरिका को एक स्पष्ट संदेश में कहा कि यह खेदजनक है कि ये टिप्पणियां किसी तीसरे मित्र देश की धरती से दी गई हैं। फ्लोरिडा के टाम्पा में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने कथित तौर पर परमाणु हमले की धमकी देते हुए कहा था कि भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हो सकता है। एक सूत्र ने कहा, अमेरिकी स्वागत से गदगद होकर, अगला कदम संभवतः पाकिस्तान में एक मौन या खुला तख्तापलट हो सकता है।

अमेरिका में भारत विरोधी राग, कश्मीर को गले की नस बताया

न्यूयॉर्क। मुनीर ने एकबार फिर भारत विरोधी राग अलापते हुए कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया है। कहा कि पाकिस्तान अपने पानी के अधिकारों की हर कीमत पर रक्षा करेगा। पहलगाम हमले से कुछ हफ्ते पहले मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को नहीं भूलेगा और हमारे गले की नस बताया था। भारत ने उनके इस बयान को खारिज कर दिया था।

शिक्षा विभाग की ऑनलाइन बैठक में चला अश्लील वीडियो

महराजगंज। महराजगंज में शिक्षा विभाग की एक ऑनलाइन बैठक में अचानक चले अश्लील वीडियो के संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज किया। यह घटना 7 अगस्त को 'जूम' के माध्यम से आयोजित एक ई-चौपाल सत्र के दौरान हुई।

- सीधा संवाद के लिए आयोजित किया गया था यह सत्र केस दर्ज

बैठक में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा व बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, प्रधानाध्यापक, सरकारी शिक्षक और आम लोग शामिल थे। यह सत्र स्कूल संबंधी मुद्दों पर जनता और जिलाधिकारी के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के लिए आयोजित किया गया था। बैठक के दौरान, 'जेसन जूनियर' नाम के आईडी से जुड़े एक प्रतिभागी ने अपनी स्क्रीन साझा की और अश्लील वीडियो चलाया।

अवैध धर्मांतरण के आरोप में 13 लोग गिरफ्तार

बुलंदशहर/मिर्जापुर। पुलिस ने अवैध धर्मांतरण के आरोप में बुलंदशहर जिले से 9 और मिर्जापुर से 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। बुलंदशहर के अपर पुलिस अधीक्षक शंकर प्रसाद ने बताया कि सिकन्दराबाद थानाक्षेत्र के वीरखेड़ा गांव में धर्म परिवर्तन कराए जाने की सूचना पर पुलिस ने रविवार को नौ लोगों को गिरफ्तार किया था।

- बुलंदशहर जिले से 9 और मिर्जापुर से 4 लोगों को किया गिरफ्तार

आरोपियों ने बताया कि वह आसपास के जिलों में ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार करते थे और लोगों को प्रलोभन देकर उनका धर्म परिवर्तन कराते थे। आरोपियों से नकदी, बाइबिल, पैम्फलेट, धर्म परिवर्तन प्रमाणपत्र के अलावा नौ मोबाइल फोन बरामद किए गये हैं। उधर, मिर्जापुर में चार आरोपियों को पकडा गया। पुलिस ने एक मकान से चार लोगों चन्दन राम, उसकी पत्नी ऋतु, जगदीश राम और रामलोचन राम को गिरफ्तार किया।

फतेहपुर में मकबरे को लेकर बवाल

कानपुर (उप्र), एजेंसी

10 नामजद समेत 150 पर मामला दर्ज

मजार पर हंगामा करने वालों को रोकते पुलिसकर्मी। ● एजेंसी

- मंदिर बताकर हिंदू संगठनों ने फहराया झंडा, कहा- ढांचे के अंदर त्रिशूल व कमल जैसे प्रतीक हिंदू मंदिर के प्रतीक

फतेहपुर जिले में स्थित एक मकबरे पर सोमवार को हिंदू दक्षिणपंथी संगठनों के सदस्यों ने घुसकर हंगामा किया और धार्मिक नारेबाजी की। हंगामा करने वालों का दावा था कि कई सदी पुराना नवाब अबू समद का मकबरा जहां स्थित है, वहां पहले कभी मंदिर हुआ करता था। पुलिस ने इस मामले में बजरंग दल और भाजपा के कई नेताओं समेत 10 नामजद लोगों समेत 150 से ज्यादा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

घटना का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पुलिस और सुरक्षा बलों की मौजूदगी में मकबरे के अंदर घुसकर नारेबाजी, हंगामा, तोड़फोड़ करते और भगवा झंडा फहराते नजर आ रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने जिला प्रशासन को चेतावनी दी थी कि वह हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं के साथ 11 अगस्त को उस जगह पर पूजा-अर्चना करेंगे। उन्होंने दावा किया था कि सदियों पुराना यह ढांचा एक मंदिर है जिसमें एक शिवलिंग है। फतेहपुर के पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने कहा कि वह घटना की जांच कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, इस बात की जांच की जा रही है कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भीड़ मकबरे में कैसे घुस गई और कानून को अपने हाथ में कैसे ले लिया। इलाके में तनाव के चलते कोतवाली, राधानगर, मालवान और हुसैनगंज सहित कई थानों की पुलिस तैनात कर दी गयी है। पाल ने धमकी दी थी कि अगर प्रशासन ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो वे विरोध प्रदर्शन शुरू कर देंगे। उन्होंने दावा किया था कि यह जगह ठाकुर जी का मंदिर था, जिसे आक्रांताओं ने मकबरे में बदल दिया था। उन्होंने दावा किया था कि ढांचे के अंदर त्रिशूल और कमल जैसे प्रतीक हिंदू मंदिर के प्रतीक हैं और वे किसी मकबरे में कभी नहीं पाए जाते। जिलाधिकारी रवींद्र सिंह भी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। इस बीच, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, फतेहपुर में घटी घटना, तेजी से खत्म होती भाजपा की निशानी है।

नामजद लोगों की पहचान धर्मेंद्र सिंह (बजरंग दल), अभिषेक शुक्ला (भाजपा नेता), अजय सिंह (जिपं सदस्य), देवनाथ धाकड़ (भाजपा नेता), विनय तिवारी (नपा सभासद), पुष्पराज पटेल, रितिक पाल और प्रसून तिवारी (भाजपा) और पप्पू चौहान (सपा नेता) के रूप में की गई है।

सरकार ने घटना को गंभीरता से लिया है

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर राजनीतिक रोटियां सेंकने से बचने की अपील की है। पाठक ने कहा कि सरकार ने फतेहपुर की घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों को तथ्यों से अवगत कराकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है।

जिलाधिकारी को हिंदू व मुस्लिम पक्ष ने दिया ज्ञापन

स्थानीय हिंदू धार्मिक नेताओं और सामुदायिक समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था मठ-मंदिर संरक्षण संघर्ष समिति ने जिलाधिकारी सिंह को एक ज्ञापन सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल ने भी एक पत्र भेजकर प्रशासन से मकबरे के ऐतिहासिक स्वरूप से छेड़छाड़ न करने का आग्रह किया है। कहा कि यह इमारत 500 साल पुरानी है और इसे बादशाह अकबर के पौत्र ने बनवाया था।

वोट चोरी के खिलाफ विपक्षी दलों ने संसद से निकाला मार्च

नई दिल्ली, एजेंसी

बैरीकेड फांदकर आगे जाते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

- सांसदों ने दिखाई एकजुटता, बैरिकेड कूदकर सपा प्रमुख अखिलेश ने दिया धरना

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में एसआईआर और कथित वोट चोरी के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर से मार्च निकाला। हालांकि पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया तथा बाद में हिरासत में ले लिया। विपक्षी दलों के सांसदों ने एकजुटता दिखाने के साथ ही कहा, देश साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहता है, चुनाव आयोग चुराव आयोग नहीं हो सकता।

भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस व उसके सहयोग दल देश में अराजकता पैदा करना चाहते हैं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संविधान विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों के नेता बन गए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। विरोध प्रदर्शन में राकांपा (शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने भी हिस्सा लिया। हिरासत में लिए गए नेताओं को संसद मार्ग थाने ले जाया गया, जहां पुलिस ने बाद में उन्हें छोड़ दिया। राहुल गांधी ने कहा, सच्चाई देश के सामने है। पुलिस द्वारा रोके जाने पर सांसद सड़क पर ही बैठ गए। सपा अध्यक्ष अखिलेश रोके जाने के बाद बैरीकेड फांदकर दूसरी तरफ चले गए। उन्होंने कहा, हम वोट बचाने के लिए बैरिकेड फांद रहे हैं।

चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कार्रवाई का विरोध करने वालों से सख्ती से निपटें, पशु प्रेमियों को फटकारा

शेल्टर में रखे जाएं आवारा कुत्ते, बाधा डालने वालों पर हो कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

पशु एवं श्वान प्रेमियों को फटकार लगाते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उनसे पूछा कि क्या वे रेबीज के शिकार हुए बच्चों को वापस ला पाएंगे। इसके साथ ही न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर की गलियों से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कुत्तों द्वारा लोगों को काटे जाने की घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया था और इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पशु प्रेमियों के किसी भी हस्तक्षेप आवेदन पर विचार करने से इनकार कर दिया और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थिति को अत्यंत गंभीर बताया।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आवारा कुत्तों द्वारा लोगों को काटने की समस्या के खिलाफ कुछ किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा, हम अपने बच्चों की बलि सिर्फ इसलिए नहीं दे सकते क्योंकि कुछ लोग मानते हैं कि वे पशु प्रेमी हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम शहर के बाहरी इलाकों सहित सभी इलाकों से आवारा पशुओं को उठाना और उन्हें दूरदराज के स्थानों पर स्थानांतरित करना है। दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों को आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनकी बधियाकरण करने, उनका टीकाकरण करने तथा उन्हें श्वान आश्रय स्थलों में रखने का आदेश दिया गया। जब एक पशु कल्याण कार्यकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि दिल्ली में पशु जन्म नियंत्रण केंद्र पहले से ही स्थापित हैं और उन्हें केवल क्रियाशील बनाने की आवश्यकता है, तो न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा कि कुछ भी काम नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, यह कार्रवाई करने का समय है। ये सभी पशु कार्यकर्ता, ये सभी तथाकथित पशु प्रेमी, क्या वे उन सभी बच्चों को वापस ला पाएंगे जो रेबीज के शिकार हो गए हैं? क्या वे उन बच्चों को जीवन वापस दे सकते हैं?

एक भी आवारा कुत्ता घूमता हुआ नहीं दिखना चाहिए

पीठ ने कहा, शहर के किसी भी इलाके या बाहरी इलाके में एक भी आवारा कुत्ता घूमता हुआ नहीं दिखना चाहिए। कहा, याद रखें हम यह अपने हित के लिए नहीं कर रहे हैं, हम यह व्यापक जनता के लिए कर रहे हैं। सभी संवेदनशील स्थानों सहित सड़कों से आवारा पशुओं को तत्काल हटाने पर जोर देते हुए पीठ ने कहा कि इससे बच्चों को यह महसूस होगा कि वे साइकिल चलाते समय, खेलते समय सुरक्षित हैं तथा बुजुर्ग भी सैर पर जाने के दौरान सुरक्षित महसूस करेंगे। शीर्ष अदालत ने कई निर्देश जारी किए और आवारा कुत्तों को हटाने के काम में किसी भी तरह की बाधा उत्पन्न होने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। कोर्ट ने 28 जुलाई को दिल्ली में कुत्ते के काटने से रेबीज फैलने की घटना की मीडिया में आई खबर पर स्वतः संज्ञान लिया था।

अमृत विचार

बरेली , मंगलवार, 12 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

मतदाता सूची का संदेह को दूर करे आयोग

लखनऊ, अमृत विचार : मायावती ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग मतदाता सूची को लेकर उपजे संदेह को तत्काल दूर करे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मानसून सत्र को उपयोगी बनाना जरूरी है। उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' के जरिये कहा कि विधानसभा का मानसून सत्र संक्षिप्त होने के बावजूद केवल औपचारिकता पूर्ति वाला नहीं हो, बल्कि इसको सही से प्रदेश व जनहित में उपयोगी बनाना ज़रूरी है।

गड़बड़ी करने में शामिल डीएम निलंबित हों

लखनऊ, अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव सम्बन्धित मामलों और मसलों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट नहीं फास्टेस्ट कोर्ट की आवश्यकता है। क्योंकि मैने चुनाव आयोग को 18 हजार वोट कटने पर शपथ पत्र दिया था। चुनाव आयोग दिए गए शपथ पत्रों का जवाब दे। चुनाव आयोग बताए कि क्या कार्रवाई हुई। गड़बड़ी में शामिल तमाम जिला अधिकारियों को निलम्बित किया जाए।

बुद्धिज़्म एक्सपो में बौद्ध सर्किट की पहचान बढ़ी

लखनऊ, अमृत विचार : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि दक्षिण कोरिया में 07 से 10 अगस्त 2025 तक आयोजित बुसान इंटरनेशनल बुद्धिज़्म एक्सपो 2025 में उप्र. पर्यटन ने अपने समृद्ध बौद्ध विरासत की झलक प्रस्तुत की। यूपी पर्यटन के पवेलियन ने आगंतुकों को भगवान बुद्ध से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों और बौद्ध सर्किट की विशेषताओं से अवगत कराया, जिससे प्रदेश की आध्यात्मिक पर्यटन की पहचान और गहरी हुई।

34,994 कुष्ठ दिव्यांगजनों को मिला लाभ

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में पिछले तीन वर्षों में कुष्ठ रोग से प्रभावित 34,994 दिव्यांगजनों को लाभ दिया गया है, जबकि वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 12,692 को सहायता दी गई है। दिव्यांग सशक्तीकरण और कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के उत्थान के लिए कुष्ठावस्था पेंशन योजना व दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के तहत लाखों जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। कुष्ठावस्था पेंशन योजना के तहत प्रतिमाह तीन हजार रुपये दिए जा रहे हैं। तीन वर्षों में 34,994 कुष्ठरोगियों को इस योजना का लाभ मिला, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 12,692 लाभार्थियों को आधार-आधारित प्रणाली से भुगतान किया गया। दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के तहत 30,86,102 दिव्यांगजनों को पिछले तीन वर्षों में प्रतिमाह 1,000 रुपये की पेंशन दी गई।

बाल वाटिकाओं से बच्चों के सपने को नई उड़ान देगी योगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वाधीनता दिवस पर शुरु होंगी 3000 से अधिक बालवाटिकाएं
- जनप्रतिनिधि, अधिकारी, अभिभावक बच्चों का करेंगे उत्साहवर्धन

अमृत विचार: स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करने जा रहा है। 3000 से अधिक नव-संचालित बाल वाटिकाएं एक साथ पूरी तरह शुरु हो जाएंगी। स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और अभिभावक शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करेंगे।

सभी सह-स्थित आंगनवाड़ी केन्द्रों को बालवाटिका में रूपांतरित करने का निर्णय लिया है। साथ ही, कम नामांकन वाले विद्यालयों को भी निकटवर्ती विद्यालयों के साथ जोड़ कर रंगाई-पुताई, सौंदर्यीकरण, बाल-अनुकूल कक्षाओं, प्रिंट-रिच वातावरण और शिक्षण सामग्री की व्यवस्था कर इन विद्यालयों में बालवाटिका संचालन शुरू हो रही है। 15 अगस्त को कार्यक्रमों में बालवाटिका के महत्व, प्रारंभिक शिक्षा के लाभ और सरकार की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला जाएगा। योगी सरकार का यह कदम शिक्षा की मजबूत नींव रखेगा ही, आने वाली पीढ़ी को रचनात्मक, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी मील का पत्थर साबित होगा।

15 को क्रियाशील हो जाएंगी बाल वाटिका : संदीप

- बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रारंभिक शिक्षा को सबसे उच्च प्राथमिकता दे रही है। बालवाटिका के माध्यम से हम बच्चों के सर्वांगीण विकास और पोषण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, ताकि वे भविष्य के सशक्त, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। 15 अगस्त को प्रदेश की 3000 से अधिक बाल वाटिकाओं को पूरी तरह क्रियाशील कर, हम बच्चों को शिक्षा का मजबूत आधार देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं।

बच्चों को ''स्कूल रेडी'' और पोषण पर पूरा ध्यान- कंचन वर्मा

- महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्रीमती कंचन वर्मा का कहना है कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए गतिविधि-आधारित किट (वंडर बॉक्स), लर्निंग कॉर्नर, आउटडोर खेल सामग्री, बाल-हितैषी फर्नीचर एवं स्टेशनरी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही शिक्षक, शिक्षामित्र एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, ताकि 3 से 6 वर्ष के बच्चों को ''स्कूल रेडी'' बनाया जा सके और उनके पोषण पर पूरा ध्यान रखा जा सके।

राहुल गांधी के आरोपों की जांच के लिए अमिताभ ठाकुर ने दिया शपथ पत्र

लखनऊ, अमृत विचार, मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों के समर्थन में आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व आईजी अमिताभ ठाकुर ने शपथ पत्र देकर प्रकरण की जांच कराने की मांग की। उन्होंने सोमवार को मुख्य निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी को शपथ पत्र सौंपा। शिकायत में कहा गया है कि राहुल गांधी ने बहुत विस्तार से 'वोट चोरी' के संबंध में तथ्य प्रस्तुत किया है।

विद्यालय विलय के विरोध में सपा का बर्हिगमन

विधान परिषदः निजी और सरकारी स्कूलों में प्रवेश की आयु को एक समान करने की मांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधान परिषद में नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने बेसिक शिक्षा के गिरते स्तर और परिषदीय विद्यालयों के विलय का मुद्दा उठाया। इसके अलावा निजी व सरकारी स्कूलों में प्रवेश की आयु को समान करने की मांग उठाई। सरकार की तरफ से बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के जवाब से असंतुष्ट सपा सदस्यों ने सदन का वॉकआउट कर दिया।

विधान परिषद में मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को नियम 105 के तहत विपक्ष द्वारा उठाए गए सवाल पर जवाब देते हुए बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले कुछ स्कूलों तक जाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। प्रदेश में साढे. तीन करोड़ बच्चे शिक्षा से वंचित थे। विपक्ष चाहे तो तथ्य दिखा सकते हैं।

हालांकि साल 2017 से पहले परिषदीय विद्यालयों की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। हमारी सरकार ने दिव्यांगों के लिए व्यवस्था की हमने विद्यालयों का विद्युतीकरण कराया। 706 विद्यालयों में सोलर ऊर्जा की भी व्यवस्था है, बच्चों के हाथ धोने के लिए 12255 विद्यालयों में हैंड वॉशिंग यूनिट की स्थापना कराई है। 53154 विद्यालयों में शौचालय की भी व्यवस्था की है। मर्जर के सवाल पर बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसी भी बच्चे के शिक्षा के अधिकार से वंचित नहीं रखना चाहती है। शिक्षा के स्तर में सुधार एवं गुणवत्ता लाने के लिए विद्यालयों का विलय किया जा रहा है। जहां कहीं भी बच्चे को स्कूल पहुंचने में कठिनाई हो रही है ऐसे विद्यालयों को मर्ज न करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

स्कूल विलय के खिलाफ प्रदर्शन करते सपा विधायक।

आप चलाइए मधुशाला, हम चलाएंगे पाठशाला

- सपा विधायकों ने सोमवार को विधानसभा के अंदर ही नहीं, बल्कि सत्र शुरू होने से पहले भी पीडीए पाठशाला का मॉडल और आप चलाइए मधुशाला हम चलाएंगे पाठशाला..की तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। उधर, सोशल मंच पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव विलय के निर्णय को पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) विरुद्ध बताने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उनकी कोशिश पीडीए के नारे को अगले विधानसभा चुनाव और उससे पहले होने वाले पंचायत चुनाव तक और तेज करके वोट बैंक मजबूत करने की है।

सपा के पीडीए पाठशाला का काला सच...

- भाजपा ने सपा की पीडीए पाठशाला पर सवाल उठाए हैं। राजधानी में पोस्टर लगाकर लिखा है कि ''सपा के पीडीए पाठशाला का काला सच...''। अखिलेश यादव माफी मांगें। पोस्टर भाजपा एमएलसी एवं प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश की तरफ से लगाया गया है। इसमें लिखा कि ''सपा के पीडीए पाठशाला का काला सच''। पीडीए पाठशाला में ए फॉर- अखिलेश और डी फॉर- डिंपल पढ़ाया जा रहा है। लिखा कि प्रदेश का कौन अभिभावक अपने बच्चों को यह पढ़ाना चाहता है? सपा मुखिया अखिलेश यादव को इस पर माफी मांगनी चाहिए।

योगी समेत मंत्रियों का भी हमला तेज

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं अपने अंदाज में सपाई अक्षर ज्ञान पर करारा वार किया है। इसके साथ ही दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत मंत्रियों का हमला सोमवार को भी जारी रहा। उधर, सुभासपा प्रमुख व पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर फिर तीखे अंदाज में कहा कि सपा के लिए ए से 'अराजकता', बी से 'भ्रष्टाचार', सी से 'चोर' और डी से 'दलाली' होता है। उन्होंने सपा सरकार में एम से 'मुलायम रुख', वाई से 'यादववाद' और जेड से 'जीरो बदलाव' के तहत काम होने का आरोप लगा तमाम सवाल उठाए हैं।यादव को इस पर माफी मांगनी चाहिए।

विधानसभा में अनोखी कांवड़ लेकर पहुंचे सपा विधायक अतुल प्रधान।

कांवड़ लेकर विधानसभा पहुंचे सपा विधायक

- **अमृत विचार :** मानसून सत्र के पहले दिन सपा विधायक अतुल प्रधान अपने कंधे पर कांवड़ लेकर पहुंचे, कांवड़ में एक तरफ सरकार स्कूल व बच्चों की तस्वीर लटक रही थी। दूसरी तरफ सरकारी शराब की दुकान की तस्वीर लटक रही थी। वहीं ऊपर डंडे पर बाबा साहेब और राम मनोहर लोहिया की तस्वीर लगा रखी थी।

पहनावे के साथ सपा विधायक ने जताया विरोध

- अमृत विचार : सपा विधायक सचिन यादव ने राज्य सरकार का विरोध करने के लिए खास तरह के पहनावे का अपनाया। जब वह विधानसभा पहुंचे तो उनके काले रंग के कुर्ते में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, आत्महत्या जैसे शब्द लिखे थे। उन्होंने डिग्री लिखा एक कागज अपने हाथ में पकड़ रखा था। उनकी ड्रेस दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री पाने वाले छात्र की तरह थी।

5 बच्चे भी हों तो स्कूल मर्ज नहीं हो

- विधान परिषद में स्कूलों के मर्जर को लेकर सवाल उठाते हुए लाल बिहारी यादव ने कहा कि बच्चे 25 हों या 50 विद्यालय बंद नही होने चाहिए। सरकार शिक्षा को व्यवसाय समझ कर बंद कर रही है। विद्यालय में यदि पांच बच्चे भी हैं तो उस पर सरकार को खर्च करना चाहिए। उन्होंने परिषदीय विद्यालयों में लागू एनसीईआरटी की पुस्तकों को लेकर कहा कि बच्चे किताबों से वंचित न रहें, सरकार निजी दुकानों पर भी किताबों की उपलब्धता सुनिश्चित कराए।

कहीं-कहीं मानक से अधिक प्रवेश

- नेता विरोधी दल ने एक सेक्शन की आड़ में विद्यालय मानक से अधिक प्रवेश ले रहे हैं। बलिया का उदाहरण देते हुए कहा कि एक बालिका विद्यालय गए तो वहां पर 4000 छात्राएं थी। एक सेक्शन में 800-800 छात्राएं और शिक्षक मात्र सात थे, मानक से अधिक प्रवेश पर रोक लगाई जाए। उन्होंने कम्प्यूटर शिक्षा को भी अनिवार्य बनाने की मांग रखी। विधानपरिषद में सदस्य आशुतोष सिन्हा ने कहा कि हमारे लोग बच्चों को शिक्षित करने के लिए पीडीए पाठशाला चला रहे हैं तो हमारे कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

जकात के पैसे से चल रहे मदरसे

- लाल बिहारी ने कहा कि मदरसों को मिलने वाले अनुदान को सरकार ने बंद कर दिया है, फिर भी मदरसे चल रहे हैं। मदरसे मुस्लिम समाज जकात के पैसे से चलाता है, इसके बावजूद सरकार उनकी जांच करा रही है।

वित्त विहीन विद्यालयों में सेवा नियमावली की मांग

- शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने नियम 105 के तहत प्रदेश के वित्त विहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों की सेवा नियमावली बनाने एवं समान कार्य के लिए समान वेतन देने की मांग की। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने सदन को तथ्यों से अवगत कराया। सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को प्रभावी कार्यवाही हेतु संदर्भित करने के निर्देश दिए। निर्दलीय सदस्य राजबहादुर सिंह चंदेल एवं डॉ. आकाश अग्रवाल ने उप्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद् से वित्तविहीन विद्यालयों को मान्यता प्रदान देने वाली संशोधित नियमावली में पुनः संशोधन करने पर चर्चा की मांग उठाई, सभापति ने कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को संदर्भित कर दिया।

नेता प्रतिपक्ष के लिए अमर्यादित भाषा लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली : मोना

अमृत विचार : कांग्रेस की नेता विधानमंडल दल आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि विधानसभा में नेता सदन का नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के लिए अमर्यादित भाषा और असम्मानजनक व्यवहार लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर विषय व अत्यंत दुखद है कि नेता विपक्ष ने नेता सदन के समक्ष अपने साथ गोरखपुर में हुए दुर्व्यवहार की बात रखना चाहते थे और गोरखपुर की घटना की जांच चाहते थे, लेकिन आज जिस तरह सदन के अंदर नेता विपक्ष की बात न सुनकर उनके साथ अमानवीय और असंवेदनशील रवैया अपनाया और विषय की गंभीरता को न समझ उपहास जैसा बयान दिया, यह बहुत गलत है। उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा सरकार प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा का वादा की बातें करती है, पर नेता विपक्ष के जिस तरह घटना हुई, भाजपा नेताओं ने दुर्व्यवहार किया व सुरक्षा की अनदेखी हुई, यह सरकार के अहंकार को दर्शाता है। सरकार सदैव एक पार्टी की नहीं रहती, कभी हम भी सत्ता में थे आज विपक्ष में हैं।

विपक्ष को दंगा मुक्त प्रदेश बर्दाश्त नहीं

- प्रदेश के फतेहपुर में हुई घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर सोमवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तीखा पलटवार किया है। पाठक ने अखिलेश पर भ्रामक और समाज को बांटने वाले बयान देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस की ''फूट डालो, हुकूमत करो'' की नीति ने दशकों तक देश और प्रदेश को धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर विभाजित किया है।

दिवंगत पूर्व सदस्यों को दी श्रद्धांजलि

- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बागपत से पूर्व विधायक व पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, गाजियाबाद जिले के पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री राजपाल त्यागी, गोंडा जिले के पूर्व सदस्य व पूर्व मंत्री कुंवर आनंद सिंह, जौनपुर जिले के पूर्व सदस्य राम पारस रजक, मऊ के नत्थूपुर क्षेत्र से विधायक जगदीश, रायबरेली के विधायक गिरीश नारायण पांडेय, बलिया जिले के पूर्व विधायक हरदेव राम और पूर्व विधायक नेक चंद्र पांडेय को श्रद्धांजलि दी।

विधानभवन परिसर के बाहर प्रदर्शन करते समाजवादी पार्टी के विधायक। अमृत विचार

विधानभवन परिसर में सपा नेताओं दिया धरना-प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ: सपा विधायकों ने बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, प्राथमिक स्कूलों को बंद करने और मर्जर करने आदि मुद्दों को लेकर विधानसभा भवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरना - प्रदर्शन किया। लालटोपी लगाए सपा विधायक आप चलाए मधुशाला, हम चलाएंगे पाठशाला आदि विभिन्न मुद्दों के स्लोगन युक्त बैनर पोस्टर हाथों में लेकर धरने में नारे बाजी की। मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को नेता विरोधी दल विधानसभा माता प्रसाद पाण्डेय, नेता विरोधी दल विधान परिषद लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में धरने में सभी विधायक शामिल हुए। विधायकों ने जनता के मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना दिया।

सदन में गतिरोधः एक तो सीमित सत्र ऊपर से विपक्ष का विरोध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विपक्ष ने कार्यवाही बधित कर अपना की चेहरा उजागर किया

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के मुख्य विरोधी दल सपा ने भले उप्र. विधानसभा की अवधि के मद्देनजर सीमित कार्यवाही पर सवाल खड़े किए हों लेकिन सोमवार को जिस तरह से विपक्ष ने सदन में हंगामा काटकर कार्यवाही बाधित की उससे अपना की असली चेहरा उजागर कर दिया। इस हंगामे के कारण मानसून सत्र की पहले दिन की कार्यवाही चंद मिनटों में ही सिमट गई।

इसी हंगामे के बीच प्रश्न प्रहर में होने वाले सवाल-जवाब भी न हो सके। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने एक-एक कर प्रश्न लगाने वाले विपक्षी सदस्यों के नाम पुकारे लेकिन किसी ने सवाल नहीं किया। ऐसे में अध्यक्ष ने सपा विधायक स्वामी ओमवेश से यह कहते हुए चुटकी ली कि कहा, आप तो स्वामी हो, आप ही पूछ लीजिए। इस टिप्पणी पर सदन में हंसी गूंज उठी।

अधिनियम से संबंधित संशोधन पारित

- जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 2024 से संबंधित संशोधन पारित कर दिया गया। अध्यक्ष ने यह जानकारी दी। इस अधिनियम से विकास और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीवन और कारोबार को आसान बनाने में सामंजस्य स्थापित होगा।

कॉरिडोर पर योगी ने दी प्रतिक्रिया

- सदन में मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर के विरासत कॉरिडोर पर कहा कि यह कॉरिडोर गोरखपुर के सबसे पुराने बाजार, घंटाघर और गीताप्रेस जैसे ऐतिहासिक स्थानों को जोड़ने का काम करेगा। योगी ने कहा कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष से तीन दिन पहले गोरखपुर विरासत कॉरिडोर का निरीक्षण किया था। वहां के एक-एक व्यापारी से बात की। यह गोरखपुर का सबसे पुराना बाजार है, जहां कंजेशन और अवैध कब्जे की समस्या थी। हमने सड़क निर्माण और कंजेशन दूर करने का काम शुरू किया है। सीएम योगी ने बताया कि उन्होंने व्यापारियों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया है।

नाकामियों को छिपाने के लिए चार दिन का सत्र: शिवपाल

- सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने भाजपा सरकार पर यह कहते हुए हमला बोला कि सरकार अपनी नौ साल की नाकामियों को छिपाने के लिए केवल चार दिन का विधानसभा सत्र आयोजित कर रही है। शिवपाल ने कहा, यह सरकार कुछ काम नहीं कर रही। पूर्वज कहते थे कि वर्तमान सुधार लो, भविष्य अपने आप सुधर जाएगा।

झलकियां

- मानसून सत्र के पहले दिन विधानभवन परिसर में सदस्यों के बीच काफी खुशनुमा माहौल दिखा। इस दौरान गैलरी में विधायक प्रतीक भूषण से विधायक अदिति सिंह मिलीं, तो उन्होंने प्रतीक को राखी बांधी। इसके बाद जब प्रतीक भूषण ने उनके पैर छुए तो वह एकदम से खिलखिला उठीं।
- शिवपाल यादव ने सपा की पीडीए की पाठशाला का समर्थन अपने अंदाज में किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने यह कहते हुए तंज कसा कि भाजपा सरकार के राज में मधुशालाओं में बढ़ोतरी हो रही है, जबकि पाठशालाओं में कटौती हो रही है।
- सदन में नेता प्रतिपक्ष ने अपने साथ हुए कथित दुर्व्यवहार का मुद्दा उठाते हुए यह भी बता गए कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए और कुछ के पास झंडा नहीं था तो काला छाता ही मेरे सामने लहराने लगे. हम भी विरोध जताते थे, जरा तरीका भी समझ लेते तो अच्छा रहता।

अपील संगठन महामंत्री धर्मपाल ने प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ की बैठक कर व्यापारियों को समझाया

भारत को तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने लिए स्वदेशी अपनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि व्यापारियो से अपील की कि वे केवल स्वदेशी सामान बेचने का संकल्प लेकर अपने व्यापार को बढ़ावा दें। कहा कि भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने, इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक को स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए काम करना होगा।

वे सोमवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश की बैठक में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रदेश के हर जिले, हर नगर और कस्बों में व्यापारियों के बीच में जाकर उन्हें केवल स्वदेशी सामान बेचने के लिए प्रेरित करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया, लोकल से वोकल मुहिम को दुकान-दुकान जाकर व्यापारियों को जागरूक करें।

उन्होंने व्यापार प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं से कहा कि 15 अगस्त के बाद से प्रदेश के हर जिलों में व्यापारी चौपाल, व्यापारी गोष्ठियां और बडे. व्यापारी सम्मेलन किये जाए। जिसमें देश और प्रदेश सरकार के मंत्री एवं नेता भाग लेंगे।

प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि आज भारत को जरूरत है स्वदेशी को अपनाने की। विदेशी वस्तु का त्याग करने का। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि देश और प्रदेश का व्यापारी अपने को सुरक्षित महसूस कर रहा है। इससे पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों में देश और प्रदेश में लूट, डकैती, हत्या, रंगदारी, चौथवसूली, आतंक और भ्रष्टाचार से देश और प्रदेश जल रहा था। प्रकोष्ठों के प्रदेश प्रभारी ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि व्यापारियों के बीच में व्यापारियों के बीच में स्वदेशी जनजागरण अभियान को अगस्त से लेकर नवम्बर तक चलाना है।

बैठक की अध्यक्षता प्रकोष्ठों के प्रदेश प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने की। बैठक में व्यापार प्रकोष्ठ के राजकुमार शर्मा, मुकुंद मिश्रा, अनूप गुप्ता, सुनील रामा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता, बृज क्षेत्र के क्षेत्रीय संयोजक हेमन्त खंडूली, कानपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय संयोजक विनोद गुप्ता, अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय संयोजक पुरुषोत्तमपुरी आदि शामिल रहे।

बिना रजिस्ट्रेशन वाहन बेचा, डीलर पर हुई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- क्रिकेटर आकाशदीप को भी चेतावनी नोटिस

अमृत विचारः क्रिकेटर आकाशदीप द्वारा बिना रजिस्ट्रेशन फॉर्च्यूनर वाहन खरीदने व एजेंसी से बाहर ले जाने के मामले में परिवहन विभाग ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए कार्रवाई की है। मामले में चिनहट स्थित वाहन डीलर मेसर्स सनी मोटर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

ट्रेड सर्टिफिकेट के निलंबन की भी संस्तुति की गई है। यदि निलंबन अवधि में नियमों का उल्लंघन किया गया तो ट्रेड सर्टिफिकेट को स्थायी रूप से निरस्त कर दिया जाएगा। वहीं क्रिकेटर आकाशदीप को भी मोटर वाहन अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया गया है और हिदायत दी गई है कि बिना पंजीयन नंबर प्लेट के गाड़ी न चलाई जाए। परिवहन आयुक्त बृजेश नारायण सिंह के मुताबिक डीलर ने मोटर वाहन अधिनियम और केंद्रीय मोटरयान नियमावली का उल्लंघन करते हुए बिना रजिस्ट्रेशन और आवश्यक दस्तावेजों के वाहन सुपुर्द कर दिया। जो गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। इसी आधार पर चिनहट डीलरशिप को नोटिस देते हुए उसके ट्रेड सर्टिफिकेट के निलंबन की संस्तुति की गई है।

आकाशदीप।

ये है मामला

- सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) प्रदीप कुमार सिंह के अनुसार क्रिकेटर आकाशदीप ने 7 अगस्त को चिनहट स्थित मेसर्स सनी मोटर्स से कैंसर पीड़ित बहन के लिए फॉर्च्यूनर खरीदी थी। डीलर ने उसी दिन वाहन का सेल इनवॉइस काटा और 8 अगस्त को उसका बीमा करवाया गया। लेकिन 11 अगस्त तक रोड टैक्स पोर्टल पर जमा नहीं किया गया था। इसके अलावा 9 अगस्त को आकाशदीप ने फैंसी नंबर यूपी32-क्यू डब्ल्यू-0041 के लिए 5000 रुपये जमा कर आरक्षित किया, लेकिन वाहन का पंजीयन अब तक पूर्ण नहीं हुआ था। इसके बावजूद डीलर ने वाहन उन्हें सौंप दिया, जो स्पष्ट रूप से मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। नियमों के अनुसार बिना पंजीयन और वैध दस्तावेजों के कोई भी नया वाहन ग्राहक को नहीं सौंपा जा सकता। परिवहन विभाग ने क्रिकेटर को नोटिस देते हुए कहा है कि जब तक वाहन का पंजीयन, एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट), थर्ड रजिस्ट्रेशन मार्क और वैध बीमा जैसे सभी विधिक औपचारिकताएं पूरी नहीं हो जातीं, तब तक वाहन का प्रयोग सड़क पर न करें। नियमों की अवहेलना करने पर वाहन जब्त करने और अभियोजन की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

फर्जीवाड़ा में गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

संभल/बहजोई, अमृत विचार : पुलिस ने रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दावा किया कि आरोपी फर्जी नियुक्ति पत्र व प्रमाण पत्र तैयार करता था। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि कोतवाली बिलारी के गांव विजयपुर निवासी भारत सिंह ने मुकदमा दर्ज करवाया था कि फारूक तथा गुड्डू ने रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर रुपए लेकर उसे कूटरचित नियुक्ति पत्र दे दिया।

मानसूनी बारिश ने फिर पकड़ी रफ्तार, तेज बारिश के आसार

लखनऊ, अमृत विचार : मौसम में आ रहे तेजी से बदलावों के बीच अगले तीन चार दिन पूरब से लेकर पश्चिम तक प्रदेश भर में अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने नए वेदर सिस्टम के असर से उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में अगले तीन चार दिन मध्यम से भारी बारिश के संकेत हैं। वहीं, सोमवार को तराई के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत आदि में कहीं मध्यम तो कहीं जोरदार बारिश देखने को मिली। दरअसल, उत्तर प्रदेश में सोमवार को मानसूनी बारिश ने दोबारा रफ्तार पकड़ी।

32,230 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीकरण

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में संचालित निजी व सरकारी 85 मेडिकल कॉलेजों में 12150 एमबीबीएस सीटों पर दाखिले के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नीट यूजी 2025 काउंसलिंग में आवेदन करने वाले 32230 अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी है। अब इन्हें मेरिट के आधार काउंसिलिंग में कॉलेज की प्राथमिकताएं देनी होंगी। जिसके बाद सीट आवंटन किया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने सोमवार को बताया कि काउंसिलिंग में पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों के प्रपत्र जांच के बाद, मेरिट सूची तैयार की गयी है। मेरिट सूची के क्रम में अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 45 सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, पीपीपी माडल व पांच अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेज भी हैं।

महराजगंज जिले में चीनी नागरिक को किया गिरफ्तार

महराजगंज,एजेंसी

महराजगंज में भारत-नेपाल सीमा पर सोनौली इलाके में 62 वर्षीय एक चीनी नागरिक को बिना वीजा और वैध दस्तावेजों के भारत में प्रवेश करने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

थाना प्रभारी अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि नेपाल से भारत आ रहे झांग योंग को रविवार शाम सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने सोनौली इलाके में नियमित जांच के दौरान गिरफ्तार किया। उसके पास चीन का पासपोर्ट था, लेकिन भारत में प्रवेश के लिए वैध वीजा और दस्तावेज नहीं थे। थाना प्रभारी ने बताया कि चीनी नागरिक के पास मिला पासपोर्ट 14 नवंबर 2034 तक के लिए वैध है और उसके पास से नेपाल का पर्यटक वीजा भी मिला है जिसकी वैधता 25 जुलाई 2025 तक ही थी। चीनी नागरिक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है और पूछताछ जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या वह किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़ा है और भारत में प्रवेश करने का उसका तरीका क्या था। सिंह ने बताया कि खुफिया ब्यूरो को मामले की जानकारी दे दी गई है।

अयोध्या :1904 में स्थापित विजय राघव मंदिर में नहीं हो सकी है लाइट की व्यवथा

विजय राघव मंदिर में 125 साल से गर्भगृह में अंधेरे में हैं श्रीराम

सत्य प्रकाश, अयोध्या

अमृत विचार : प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या जहां भगवान के अलग-अलग रूपों के दर्शन होते हैं। वहीं एक ऐसा मंदिर भी है, जहां भगवान 125 साल से अंधेरे गर्भगृह में विराजमान हैं। इस मंदिर की स्थापना 1904 में की गई थी।

मंदिर के चारों कोण पर प्रमुख ग्रंथों की रचना की गई है, जिसमें वायव्य कोण में महाभारत, ईशान कोण पर वाल्मीकि रामायण, अग्नि कोण में श्रीमद् भागवत, नैवित्त्या कोण में श्री विष्णु पुराण का पाठ नियमित रूप से किया जाता है। रामकोट क्षेत्र के उत्तर दिशा में विजय राघव का मंदिर स्थापित है। इस स्थान पर मंदिर निर्माण से पूर्व आचार्य ने कठिन तपस्या की थी। जिस कारण यह स्थान जागृत माना जाता है। मंदिर में विराजमान भगवान की सेवा अर्चना पांच पुजारी करते हैं। खासकर गर्मियों के मौसम में भगवान को पुजारी के द्वारा हाथ से पंखे की हवा दी जाती है।

मंदिर के महंत श्रीधर रामानुज दास ने बताया कि गर्भगृह में कई बार लाइट लगाने की कोशिश की गई, लेकिन दीवारों में छेद करने वाला यंत्र ही टूट जाता है। मंदिर के

- मंदिर के चारों कोण पर की गई है प्रमुख ग्रंथों की रचना

गर्भगृह में लाइट की कोई व्यवस्था नहीं हो सकी। बिना उनकी इच्छा के कोई कार्य संपन्न नहीं होता है। उन्होंने बताया कि मंदिर में सिंघासन पर रामचंद्र के दाहिने तरफ माता सीता और बाएं तरफ लक्ष्मण जी विराजमान हैं। सामने हनुमान जी विराजमान हैं। प्रत्येक पांच दिन पर आगम पद्धति की पूजा-अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में आचार्य परंपरा का निर्वाह किया जाता है।

विजय राघव मंदिर के गर्भगृह में आरती करते हुए पुजारी। ● अमृत विचार

धराली आपदा : राहत व बचाव कार्य में बारिश बनी बाधा, नहीं उड़े हेलीकॉप्टर

डीएम ने सोमवार को हर्षिल पहुंचें और आपदा के बाद निर्मित झील का लिया जायजा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : उत्तरकाशी के विभिन्न हिस्सों में सोमवार को रुक-रुककर हो रही बारिश से आपदाग्रस्त धराली और हर्षिल में बचाव अभियान में अड़चनें आईं। बारिश की वजह से हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सके तो मलबे में दबे लोगों की तलाश भी थम गई।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य सोमवार को हर्षिल पहुंचे और वहां निर्मित झील का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पानी की निकासी के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि झील से पानी की निकासी निर्बाध रूप से की जा रही है लेकिन बाढ़ के साथ बहकर आए पेड़ इस काम में बाधा बन सकते है इसलिए पेड़ों को हटाने को कहा गया है। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी के पास लिमचीगाड़ में 30 मीटर लंबे वैली पुल का निर्माण हो चुका है, उस पर बीते रविवार की रात से यातायात भी शुरू कर दिया गया। इस पुल के बनने से गंगोत्री एनएच पर डबरानी के आगे विभिन्न स्थानों पर क्षतिग्रस्त सड़कों का तेजी से पुनर्निर्माण होगा। संभावना है कि धराली व हर्षिल तक जल्द सड़क संपर्क बहाल होगा। वहीं, आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री वितरण जारी है। बीती 5 अगस्त को खीर गंगा नदी में आई बाढ़ और भूस्खलन से धराली तबाही मचाई थी। इस घटना के एक सप्ताह बाद भी मलबे में दबे लोगों की तलाश जारी है हालांकि इतने दिनों में मलबे में फंसे लोगों के जीवित होने की संभावना कम है। जिला प्रशासन अब तक चार लोगों की मौत और 49 के लापता होने की पुष्टि की है।

धराली में आपदा प्रभावितों को चेक सौंपते गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान।

98 प्रभावित परिवारों को दिए पांच-पांच लाख के चेक

देहरादून : राज्य सरकार ने धराली आपदा प्रभावित 98 परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये के चेक प्रदान किए। पुनर्वास के लिए गठित समिति की रिपोर्ट के बाद पैकेज दिया जाएगा। गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान ने सोमवार को आपदाग्रस्त धराली में प्रभावित 98 परिवारों को राहत राशि के चेक प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य पीड़ित परिवारों को पुनर्वास की दिशा में प्रारंभिक सहारा देना है ताकि वे आपदा के बाद के कठिन दौर में अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सकें। यह सहायता राहत प्रक्रिया का प्रारंभिक चरण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा को तुरंत पूरा किया। इसी के साथ ही भवनों, आवासों, होमस्टे, पशुधन और बागानों को हुए नुकसान के आकलन के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति सात दिनों में विस्तृत रिपोर्ट सीएम को सौंपेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर एक व्यापक राहत एवं पुनर्वास पैकेज तैयार किया जाएगा जिससे प्रभावितों को दीर्घकालिक सहयोग मिल सके।

उत्तराखंड में 12 से 17 तक बारिश का अलर्ट जारी

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में अगले सात दिनों तक बारिश होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। वहीं, सोमवार को समूचे प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। मैदानी जिलों हरिद्वार, देहरादून और ऊधम सिंह नगर में जलभराव हो गया तो नदियों का जलस्तर भी तेजी से बढ़ गया है।

अधिकारिक जानकारी के अनुसार सोमवार को सभी जनपदों के अधिकांश स्थानों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश, गर्जन के साथ बारिश हुई। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार 12 से 17 अगस्त तक राज्य के सभी जनपदों के अधिकांश स्थानों में हल्की से मध्यम वर्षा और गर्जन के साथ बौछार होने की संभावना है। दूसरी ओर, लगातार बारिश के राज्य में जनजीवन प्रभावित हुआ है। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन से राष्ट्रीय राजमार्ग भी अवरुद्ध हो गए हैं। रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग में लगातार बारिश से कमेड़ा गोचर स्लाइडिंग पर लगातार मलबा आने से सड़क मार्ग बंद है। गढ़वाल को कुमाऊं से जोड़ने वाला नैनीताल हाईवे कर्णप्रयाग के पास जखेड़ में भूस्खलन के चलते बंद है।

बस ने 6 बाइक सवारों को रौंदा, दो शिक्षकों की मौत

ब्रेक फेल होने के बाद नाले में फंसी बस। ● अमृत विचार

संवाददाता, रामनगर

- रामनगर में धनगढ़ी नाले के समीप हुआ हादसा

अमृत विचार : नैनीताल जिले के रामनगर में धनगढ़ी नाले के समीप एक बेकाबू बस ने बाइक पर सवार छह लोगों को रौंद दिया। हादसे में दो शिक्षकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन शिक्षक समेत चार को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना तब हुई जब सभी बाइक सवार धनगढ़ी नाला पार करने के लिए जलस्तर कम होने का इंतजार कर रहे थे। हादसे की वजह बस का ब्रेक फेल होना बताया जा रहा है। पुलिस ने बस को सीज कर दिया और चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह तेज रफ्तार आई केमू की एक बस ने बाइकों को टक्कर मारते हुए लोगों को रौंद दिया। हादसे में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया जहां दो को मृत घोषित कर दिया, जबकि 4 लोगों को गंभीर हालत में भर्ती किया है।

मृतकों की शिनाख्त सुरेंद्र सिंह पंवार (53 वर्ष) पुत्र बिशन सिंह पंवार निवासी गंगोत्री विहार कनियां और वीरेंद्र शर्मा (42 वर्ष) पुत्र देवीदत्त शर्मा निवासी मानिला विहार चोरपानी रामनगर के रूप में हुई। दोनों सल्ट के हरड़ा में शिक्षक थे। वहीं, ललित पांडे, सत्यप्रकाश निवासी जसपुर, दीपक शाह निवासी मालधन, सुनील राज घायल हो गए।

पेड़ पर लटके मिले प्रेमी युगल के शव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बदायूं के हजरतपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का मामला
- सुबह लटके मिले शव, परिजनों ने लगाया हत्या करने का आरोप

अमृत विचार : हजरतपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार सुबह युवक और किशोरी के शव पेड़ से लटके मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों का एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

लड़का बालिग और लड़की नाबालिग है। दोनों के परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाया। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने एसपी सिटी विजेंद्र द्विवेदी के साथ मौका मुआयना किया। शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है।गांव निवासी महिला पति से विवाद के बाद मायके में रह रही थी। उसके 22 साल के बेटे अर्जुन का गांव की एक नाबालिग लड़की से एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। रविवार रात लगभग 12 बजे लड़की अपने घर से लापता हो गई। परिजनों को जानकारी होते ही वह लड़के के घर पहुंचे और बेटी के बारे में जानकारी की। पता चला कि लड़का भी अपने घर पर नहीं था। परिजनों ने लड़के पर बेटी को भगा ले जाने का आरोप लगाया। परिजनों ने रात भर दोनों को तलाश किया, लेकिन कही भी पता नहीं चला।

सोमवार सुबह उन्हें घर के पास कुछ दूरी पर एक लड़का और एक लड़की के शव पेड़ पर एक ही फंदे पर रस्सी और दुपट्टा से लटके होने की सूचना मिली। ग्रामीणों के परिजन मौके पर पहुंचे तो देखा कि शव अर्जुन और किशोरी के थे।

यह देखकर परिजनों ने एक दूसरे पर हत्या का आरोप लगाया। सूचना पर हजरतपुर पुलिस मौके पर पहुंची। एसएसपी ने गांव पहुंचकर परिजन और

लड़के की परिजन से बात करते एसएसपी।

ग्रामीणों से बात की। शवों को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गांव में पुलिस तैनात की गई है।

संभल हिंसा: 8 आरोपियों को हाईकोर्ट से मिली जमानत

प्रयागराज ,अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को संभल हिंसा प्रकरण के आरोपियों मोहम्मद दानिश, रफीक अली, मोहम्मद आसिम, जमशेद आलम, राशिद खान, अब्दुल रहमान, रिजवान और हाजी लड्डन खान को सशर्त जमानत प्रदान कर दी है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने आठ आरोपियों सहित संबंधित कई अन्य याचिकाओं को निस्तारित करते हुए पारित किया।

बता दें कि 24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद के अदालती आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिंसा के दौरान भीड़ ने प्रशासनिक टीम पर पथराव और आगजनी की, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारतीय न्याय संहिता, 2023 और लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम,1984 की विभिन्न धाराओं के तहत पुलिस स्टेशन संभल में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

हिंदू महापंचायत में बवाल, पुलिस से धक्का-मुक्की

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सैधरी बाईपास पर सोमवार को अमित भार्गव हत्याकांड के विरोध में बुलाई गई हिंदू महापंचायत में दोपहर बाद हंगामा शुरू हो गया। हत्यारोपियों और मोहब्बतनगर में बने घरों पर बुलडोजर चलाने व बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो माहौल गरमा गया और शहर कोतवाल के साथ जमकर धक्का-मुक्की और गाली-गलौज हुई। महिलाओं ने सड़क जाम करने की कोशिश की, हालांकि पुलिस ने उन्हें समझा बुझाकर रोक लिया।

महेवागंज उल्ल नदी के पुराने पुल के समीप बसी मोहब्बत नगर बस्ती में 15 दिन पहले दो समुदायों में खूनी संघर्ष हो गया था, जिसमें गांव सैधरी निवासी अमित भार्गव की पिटाई से मौत हो गई थी। मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। घटना के दिन

आक्रोशित लोगों को समझाते एसडीएम सदर अश्वनी कुमार सिंह। ● अमृत विचार

- खीरी का मामला:बुलडोजर और गिरफ्तारी की मांग पर भीड़ ने की सड़क पर उतरने की कोशिश

से ही कई हिंदू संगठन और ग्रामीण आरोपियों समेत पीडब्ल्यूडी की जमीन पर झुग्गी-झोपड़ी और लोगों के पक्के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग करते चले आ रहे हैं।

मांग पूरी न होने पर विहिप, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, भगवा रक्षा वाहिनी ने सोमवार को सैधरी बाईपास के पास हिंदू महापंचयत की थी। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, हिंदू संगठनों के नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पीड़ित परिवार के लोग शामिल हुए। पुलिस ने सुरक्षा चाकचौबद व्यवस्था की थी। सम्मेलन में मौजूद लोगों से प्रशिक्षु आईपीएस विवेक तिवारी ने बात करने की कोशिश की तो लोग डीएम और एसपी को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़ गए। एसडीएम सदर अश्वनी कुमार सिंह ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। इस बीच कुछ लोग हंगामा करते हुए सड़क पर आने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने रोका तो उनकी शहर कोतवाल हेमंत राय के साथ जमकर धक्का-मुक्की हुई और गाली-गलौज हुई।

प्रशिक्षु सीओ आईपीएस विवेक तिवारी ने मोर्चा संभाला। मामला बढ़ते देख एएसपी पूर्वी पवन गौतम भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने एसडीएम सदर के साथ प्रदर्शनकारियों से वार्ता की और कार्रवाई का आश्वासन दिया। तब लोग शांत हुए। पदाधिकारियों से एसडीएम सदर अश्विनी कुमार ने वार्ता की। कहा कि पीडब्ल्यूडी भी सर्वे कर रहा है। 15 दिन में बस्ती हटवाने का आश्वासन दिया है। राघव हिंदू ने कहा कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं की तो संगठन जिला बंद और कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करेगा।

महापंचायत शुरू होने से पहले ट्रेनी आईपीएस सीओ सिटी विवेक तिवारी, सदर कोतवाल हेमंत राय आदि ने सुबह नौ बजे ही पुलिस और पीएसी फोर्स के साथ फ्लैग मार्च भी किया। सुबह 10 बजे शुरू हुआ धरना दोपहर ढाई बजे तक चला। कई बार तनाव बढ़ा और पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ा।

खुटार में बीमारी से तंग युवती ने गोली मारकर दी जान

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार: कस्बे के मोहल्ला पश्चिमी गढ़ी निवासी एक युवती ने बीमारी से परेशान हो कर गोली मार आत्महत्या कर ली। पुलिस ने 315 बोर तमंचा बरामद कर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खुटार के मोहल्ला पश्चमीगढ़ी निवासी रामलड़ैते ने बताया कि उनकी पुत्री वर्षा(20) लंबे समय से पेट की बीमारी से परेशान थी।

वर्षा।

उसे लगातार खून की उल्टियां होती थी। लखनऊ के मेडिकल कॉलेज से इलाज चल रहा था। रविवार रात रामलड़ैते, पत्नी गीता, छोटी पुत्री शालिनी, पुत्र साजन, राजन, रमन और वर्षा खाना खाने के बाद सो गए। रात करीब 11 बजे गोली चलने की आवाज से नींद खुली तो देखा कि वर्षा खून से लथपथ सीढ़ियों पर गिरी थी। उसके सीने में गोली लगी थी। घर में चीत्कार मच गई। परिजन वर्षा को सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस को जीना से कुछ दूरी पर ही 315 बोर का तंमचा पड़ा मिला। जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। घर के आंगन और सीढ़ियों पर काफी खून पड़ा था। घटना के बाद मोहल्ले वालों की भीड़ लग गई। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। उधर, मौत अवैध 315 बोर के तमंचे से होने पर एसएसआई सुभाष चंद्र ने आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज करा कर जांच शुरू की।

उप्र के 121 व राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस

लखनऊ, अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश के 121 और पंजीकृत राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन दलों ने पिछले छह सालों से लोकसभा व विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। दलों को 21 अगस्त तक नोटिस के जवाब में प्रत्यावेदन देने को कहा गया है। व्यक्तिगत सुनवाई 2 व 3 सितम्बर को होगी।

पूर्व में भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के पते पर स्थित 115 पंजीकृत राजनीतिक दलों को पंजीकृत सूची से हटा दिया है। इन दलों को आदेश की तारीख से 30 दिन के अंदर अपना पक्ष नई दिल्ली में भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रस्तुत की छूट दी गई है। अब अब आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए बाकी दलों पर शिकंजा कस दिया है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दंपती समेत 5 की मौत

संवाददाता, श्रावस्ती/बहराइच

अमृत विचार: श्रावस्ती जिले में सोमवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-मिक्सर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दंपति समेत पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि एक महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक घटना हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र में हरबंसपुर के पास की है। थाना क्षेत्र के बदला चौराहा से शंकरपुर मार्ग पर एक ही बाइक से पांच लोग रुपईडीहा थाना क्षेत्र के मधनगरा गांव जा रहे थे। जब बाइक सवार हरवंशपुर के पास से निकल रहे थे, तभी अचानक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-मिक्सर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बहराइच जिले के रिसिया थाना क्षेत्र के मंगलपुरवा निवासी विजय कुमार वर्मा (32 वर्ष) मंगलवती (40वर्ष), नीतू (30 वर्ष), ज्ञानवती (9 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सुनीता पत्नी विजय और एक साल की मासूम बच्ची घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अस्पताल में मासूम बच्ची ने भी दम तोड़ दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वह रोते-बिलखते घटना स्थल पर पहुंचे। सूचना मिलने पर एसपी घनश्याम चौरसिया, एएसपी मुकेश चंद्र उत्तम व सीओ सतीश शर्मा ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल महिला का हालचाल लिया। एसपी ने बताया कि पुलिस ने ट्रैक्टर-मिक्सर को कब्जे में लिया है।

शाहजहांपुर : युवक की पीट-पीटकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- शाहजहांपुर के तहवरगंज में दो लोगों ने लात-घूसों से किया गंभीर घायल अस्पताल में मृत घोषित

अमृत विचार: मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के मोहल्ला तहवरगंज में रविवार रात शराब पीने के दौरान हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। दो लोगों ने युवक को बेरहमी से लात-घूसों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल कर नमूने एकत्र किए। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

पुलिस के अनुसार, मोहल्ला तहवरगंज निवासी चंद्रपाल रविवार शाम करीब साढ़े सात बजे मोहल्ले के ही दो परिचितों लालजीत और मिथुन के साथ एक स्थान पर शराब पी रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने उससे शराब मंगाने के लिए कहा, लेकिन चंद्रपाल ने मना कर दिया। इस बात पर विवाद बढ़ा और दोनों ने उसके साथ मारपीट की। गाली-गलौज और धमकी देकर आरोपी वहां से चले गए। करीब डेढ़ घंटे बाद, रात नौ बजे चंद्रपाल घर के बाहर टहल रहा था, तभी लालजीत और मिथुन फिर वहां आ धमके। दोनों ने उसे गाली दी और विरोध करने पर जमीन पर गिराकर बेरहमी से लात-घूंसों से पीटा। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। शोरगुल सुनकर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल चंद्रपाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भिजवाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। चंद्रपाल अपने पीछे पत्नी नीलम, भाई महेंद्र पाल और दो बेटियों महिमा व शिवानी को छोड़ गए हैं।

चंद्रपाल।

गिरफ्तारी के लिए दी जा रही दबिश

वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लाइन से विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फॉरेंसिक) की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और नमूने सुरक्षित किए। प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ हत्या का अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:- 9311198889 9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

दबंगों ने शिकायतकर्ता को गांव में दौड़ाकर पीटा, रिपोर्ट

प्रधान पति ने ग्राम समाज की ज़मीन पर कब्ज़ा कर कराया निर्माण

संवाददाता, नवाबगंज

घायल वसीम

अमृत विचार : ग्राम समाज की जमीन पर अवैध निर्माण कराने की शिकायत करने पर पहुंचे तहसीलदार ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। इससे बौखलाए प्रधानपति ने शिकायतकर्ता को गांव में दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। घायल शिकायतकर्ता ने तीन लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।

क्षेत्र के गांव रिछौला किफायतुल्ला निवासी वसीम ने बताया कि कुछ माह पूर्व गांव के वर्तमान प्रधान पति मुमताज अहमद में पीलीभीत हाईवे पर बेशकीमती ग्राम समाज की जगह को अपनी दबंगई के बल पर अवैध रूप से कब्जा कर उस पर निर्माण करवा लिया। तब भी निर्माण कार्य को रुकवाकर प्रधान पति सहित दो लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। 9 अगस्त की रात को फिर से प्रधानपति मुमताज ग्राम समाज की जगह पर कब्जा कर निर्माण करा रहा था। इसकी शिकायत वसीम ने तहसीलदार से की। जानकारी मिलने पर तहसीलदार भी मौके पर पहुंच गये और उन्होंने निर्माण कार्य रुकवा दिया।

ग्राम समाज की जमीन पर इसी अवैध निर्माण का कार्य रुकवाया गया। अमृत विचार

- शिकायतकर्ता की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू की

इससे खिन्न होकर मुमताज ने वसीम को रिछौला चौकी के पास घेर कर बुरी तरह पीटा।

इसके बाद जान बचा कर भागे वसीम को प्रधान पति ने गांव मे दौड़ा कर बुरी तरह पीटा, जिससे वसीम बुरी तरह घायल हो गया। जान से मारने की नियत से प्रधान पति घंटो वसीम को ढूंढ़ता रहा परन्तु वसीम ने किसी तरह छुप कर अपनी जान बचाई। घायल वसीम ने थाने पहुँच कर प्रधान पति सहित तीन के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने जांच शुरु कर दी है।

सड़क हादसे में परिषदीय शिक्षक की मौत

बहेड़ी, अमृत विचार : बहेड़ी के प्राथमिक विद्यालय मल्हपुर सबराह में तैनात सहायक अध्यापक अरविंद कुमार की हादसे में मृत्यु हो गई। वह ग्वारी गोटिया के निवासी थे। सोमवार को वह बहन के घर बरा गए थे। वापसी में ग्वारी गांव के निकट कनेटी फॉर्म के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे अरविंद घायल हो गए उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है।

मृतक अरविंद।

मृतक अरविंद कुमार के परिवार में पिता व पत्नी व 2 वर्ष की बेटी है। शिक्षक संघ अध्यक्ष केदार सिंह, सुरेश चंद्र झा, विनोद कुमार गंगवार, बांदू राम शर्मा, भैरव प्रसाद, राहुल गुप्ता आदि ने घर पहुंच कर उनके परिवार के साथ संवेदनाएं व्यक्ति की।

इस्माइलपुर में फिर मिले 7 मरीज

गांव में निरीक्षण करते सीएमओ डा. विश्राम सिंह व अधिकारी। • अमृत विचार

संवाददाता, बिशारतगंज

अमृत विचार : इस्माइलपुर गांव में मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी सत्येंद्र सिंह व नायब तहसीलदार रजनीश कुमार सक्सेना ने पहुंचकर मरीजों का हालचाल लिया और 242 परिवारों को मच्छरदानी बांटी।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कैंप लगाकर 67 लोगों की जांच की, जिसमें सात नए मरीज मिले। अब गांव में मलेरिया पॉजिटिव मरीजों की संख्या 20 हो गई है। सोमवार दोपहर ईस्माइलपुर गांव पहुंचे सीएमओ के साथ टीम ने मलेरिया प्रभावित लोगों के घर-जाकर उनका हाल-चाल जाना और गांव में जगह-जगह गोष्ठी के माध्यम से ग्रामीणों को मलेरिया रोग तथा उससे बचाव के उपाय बताए। अधिकारियों ने ग्रामीणों को फुल आस्तीन कपड़े पहनने, मच्छरदानी के प्रयोग और साफ-सफाई रखने की सलाह दी।

- सीएमओ ने टीम के साथ किया गांव का निरीक्षण
- गांव में गदंगी देख सीएमओ ने जताई नाराजगी
- एडीओ ने गोबर के ढेर और खूटे हटाने के दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान गलियों में गोबर-कूड़े के ढेर देखकर सीएमओ ने नाराजगी जताई। एडीओ पंचायत अभय आर्य ने चेतावनी दी कि मंगलवार सुबह 10 बजे तक गलियों में पड़ा गोबर और सड़क पर लगे खूंटे नहीं हटाए गए तो सभी को तोड़ कर गोबर फेंक दिया जाएगा। ग्राम सचिव ने इसके लिए नोटिस भी जारी किए हैं।

मंगलवार को गांव में एक और स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुशील कुमार गुप्ता ने बताया कि गांव में कल मंगलवार को भी कैंप किया जाएगा और वह ईस्माइलपुर गांव व क्षेत्र के अन्य गांव पर नजर बनाए हुए हैं। क्षेत्र के लोगों से अपील है कि वह अपने आसपास पानी न भरने दे फुल आस्तीन के कपड़े पहने मच्छरदानी का प्रयोग करें।

अकीदत के साथ मनाया उर्स ए सकलैनी

बहेड़ी में उर्स में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़। • अमृत विचार

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : मोहल्ला शेखूपुर में तीन दिवसीय उर्स-ए-सकलैनी व शराफती धूमधाम से मनाया गया। तरहई मुशायरा में उलेमाओं ने है बड़ी मशहूर दुनिया में सखावत आपकी मिसरे पर कलाम पेश किए।

रविवार को पीरो मुर्शिद अल्हाज गाजी मियां हुजूर के बहेड़ी पहुंचने पर नैनीताल रोड तौफीक सकलैनी की दुकान से इस्तकबाल जुलूस निकाला गया, जुलूस में मुरीद फूल बरसाते और उर्स-ए-सकलैनी व शराफती जिंदाबाद के नारे लगाते चल रहे थे। इसके बाद गाजी मियां ने सकलैनी अकादमी यूनिट बहेड़ी के सदर आसिफ सकलैनी के मकान व अयाज खान के निवास पर फातिहा ख्वानी की, लंगर हुआ। रात में आयोजित जलसे की शुरुआत जनाब आमिल सकलैनी काकरालवी ने तिलावत-ए-कुरान से की। मजहर अली, हसीब रौनक सकलैनी, आमिल सकलैनी ने कलाम पेश किए। दरगाहे मुनामियां के सज्जादानशीन डॉ. सैयद शमीमुद्दीन मुनआमी ने पीर-मुरीद के रिश्ते पर तकरीर करते हुए अपने पीर के दामन को मजबूती से थामे रहने का संदेश दिया।

सोमवार को रिमझिम बारिश के बीच सुबह 10 बजे आखिरी कुल की रस्म तिलावत-ए-कुरान के साथ अदा की गई। गाजी मियां हुजूर ने फातिहा ख्वानी कर मुल्क व कौम की तरक्की और अमन-चैन की दुआ की। कार्यक्रम की निजामत मुख्तार अहमद सकलैनी काकरालवी ने की।

संदिग्ध हालत में किशोरी की मौत

भमोरा, अमृत विचार : स्कूल में खेलते समय किशोरी को चक्कर आया और वह बेहोश हो गई। अस्पताल में दिखाने पर डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ग्राम हर्रामपुर निवासी प्रमोद कश्यप ने बताया कि बल्लिया आत्माराम इंटर कॉलेज में उसकी पुत्री रजनेश कक्षा 11वीं की छात्रा है। सोमवार दोपहर लंच के समय सहेलियां के साथ नल पर पानी पीने जा रही थी अचानक चक्कर खाकर गिर गई और बेहोश हो गई। स्कूल प्रशासन द्वारा उसे नजदीकी अस्पताल में दिखाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुधांशु मोहन जोशी ने बताया कि बच्ची पहले से ही बीमार चल रही थी।

आज विद्यालय में डॉक्टरों की टीम द्वारा एल्बेंडाजोल दवाई का वितरण हो रहा था बीमारी के चलते छात्रा को दवाई नहीं दी गई थी अचानक चक्कर खाकर गिरने से छात्रा की मौत हो गई। वही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भमोरा चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर विवेक कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है। उस छात्रा को दवा नहीं दी गई थी।

ताजिया के मार्ग में टहनियां नीची, इन्हें कटवाएं

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : त्यौहारों के मददेनजर कोतवाली परिसर में शांति सुरक्षा समिति की बैठक में उप जिलाधिकारी इशिता किशोर ने कहा कि पूर्व की भांति क्षेत्र में साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व को मनाया जाए।

एसडीएम को बताया नगरिया सादात जाने वाले रास्ते पर रेलवे क्रासिंग के समीप पाकड़ के पेड़ की टहनियां काफी नीची हैं जिससे ताजिया कर्बला ले जाने में परेशानी होगी। इस पर कोतवाली एसओ प्रयागराज सिंह ने कहा कि जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जायेगा। इस दौरान तहसीलदार आशीष कुमार व उप निरीक्षक जय प्रकाश सिंह के अलावा सोनू कुर्मी, अजहरुद्दीन, विशाल गंगवार, मदनलाल वर्मा, मुनेंद्र कुमार शर्मा, जीशान अंसारी आदि उपस्थित रहे।

मीरगंज में पीस कमेटी की बैठक में संभ्रात लोगों से वार्ता करतीं एसडीएम इशिता किशोर।

ताजियेदारों से की चेहल्लुम एक दिन बाद मनाने की अपील

नवाबगंज: ग्राम रिछोला व हरदुआ किफायतुल्ला में चेहल्लुम के मौके पर ताजिएदारी के बाद मेला लगता है। इस बार चेहल्लुम 17 को मनाया जाना है तो इसी दिन राम नवमी होने पर हरदुआ मे नवमी की शोभा यात्रा निकाली जानी है।

एसडीएम उदित पंवार व सीओ नीलेश मिश्रा के दोनो गांवो के ताजिएदारों के आयोजकों को बुलाकर मामले पर वार्ता की और ताजिएदारों से चेहल्लुम एक दिन बाद मनाने की अपील की। हरदुआ के ताजिएदार सहमत भी हो गए लेकिन रिछोला के ताजिएदारो ने ये कहते हुए कि ढोल व कब्बाल के साथ ही बिजली व्यवस्था के लिए एडवांस बांटा जा चुका है ऐसे में इसे टालना सम्भव नहीं है। **सिरौली** थाने में हुई बैठक में सीओ मीरगंज अजय कुमार ने त्योहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्द पूर्ण मनाने की बात कही।

शेरगढ़ में थाना परिसर में इंस्पेक्टर क्राइम सत्य सिंह ने लोगों को शांति और सद्भाव का पाठ पढ़ाया। **फतेहगंज पश्चिमी** में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, स्वतंत्रता दिवस और चेहल्लुम के उपलक्ष्य में थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक ने भाई चारे और शांति सदभाव से त्यौहार मनाने की अपील की।

मनौना धाम की दुकान से चोरी करने के आरोप में दो गिरफ्तार

आंवला, अमृत विचार : मनौना धाम में बिजली जाने पर दो लोगों ने प्रसाद की दुकान से श्रद्धालु का मोबाइल और गल्ले से 6 सौ रुपये की चोरी कर ली। सेवादारों ने सतर्कता बरतते हुए दोनों को चोरी के सामान के साथ दबोच लिया और पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों को जेल भेजा है।

बिसौली बदायूं निवासी दीपक चौहान ने बताया कि वह मनौना धाम पर सेवादार है। रात्रि में बिजली जाने पर दो लोगों ने बीरपुरा निवासी बंटी की प्रसाद की दुकान से एक श्रद्धालु का मोबाइल और दुकान के गल्ले से 6 सौ रुपये चोरी कर लिए गये। पूछतांछ में उन्होंने अपने नाम रामचरन और संजय निवासी जानीपुर थाना कुढ़ फतेहगढ़ संभल बताया है।

जिले भर में निकाली तिरंगा यात्रा का स्वागत

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार: भोजीपुरा विधान सभा की नगर पंचायत देवरनियां में भाजपाइयों ने आपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल के नेतृत्व में कस्बा स्थित देवरनियां, मुडिया जागीर, सेमीखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा में 10 मीटर का तिरंगा लेकर क्षेत्रवासी शामिल हुए। इस दौरान सत्यपाल गंगवार, राहुल राठी, छेदा लाल गंगवार वेद प्रकाश गंगवार, राजीव वर्मा, कलीम अन्सारी, फईम अन्सारी, मोहम्मद अजीम अन्सारी, वेद प्रकाश गंगवार, रामसेवक, उमाकान्त गंगवार आदि मौजूद रहे। भोजीपुरा में ब्लाक प्रमुख योगेश पटेल के नेतृत्व में तिरगा यात्रा निकाली गई।

बहेड़ी विधान सभा क्षेत्र में नगर में भव्य दिव्य तिरंगा यात्रा निकालकर लोगों को राष्ट्र के प्रति जागरूक किया और 15 तारीख को हर घर तिरंगा लगाने के लिए आवाहन किया। इस दौरान भाजपा नेता प्रशांत पटेल, अजय जायसवाल बॉबी, सुनील रस्तोगी, अतुल गर्ग, मोहन सिंह, चौंधरी ओमवीर सिंह, भूपेंद्र सिंह, शांति पाल, अरुण गंगवार, सचिन अग्रवाल, गौरव मित्तल, हरवंश गुप्ता, सुरेंद्र तोमर, जिला पंचायत सदस्य गजेंद्र सिंह, महेश शर्मा, सुरेश गंगवार सभासद परविंदर गंगवार एमजी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अशोक गंगवार आदि मौजूद रहे।

देवरनियां में तिरंगा यात्रा निकालते भाजपा नेता। • अमृत विचार

बाजार से निकली तिरंगा यात्रा, फतेहगंज पश्चिमी : सोमवार को भाजपाइयों के द्वारा समूचे कस्बा में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में स्कूल के बच्चों ने भी भाग लिया। सोमवार को भाजपाइयों के द्वारा मुख्य बाजार समेत समूचे कस्बा में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में मुख्य रूप से सतेन्द्र यादव, अजय सक्सेना, कैलाश शर्मा, कृष्णपाल मौर्य, फौजी सुनील सिंह, फौजी रामसिंह, सूरज राठौर, आशीष अग्रवाल, नरोत्तम मौर्य, चक्रवीर सिंह चौहान, संजय सिंह चौहान, रमन जयसवाल, अथर अली, मंजू कोरी, दौलत राम आदि मौजूद रहे।

सिरौली में पुष्पवर्षा की

सिरौली : सोमवार को भाजपाइयों ने तथा अन्य हिंदू संगठनों ने तिरंगा यात्रा को निकाला। इसकी शुरुआत श्री हरि बाबा आश्रम से की गई कई मोहल्लों और बाजार से होती हुई मुख्य बाजार में पहुंचने पर नगर वासियों ने तिरंगा यात्रा का पुष्प वर्षा से स्वागत किया।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मझगवां ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह और आंवला नगर के पूर्व चेयरमैन संजीव सक्सेना रहे।इस दौरान यशु वैश्य गुप्ता, डॉ विवेक शर्मा, विट्टू पांडे, सुरेश पांडे, अतुल कुमार गुप्ता, संजय पांडे, अकरम अली, अविनाश कुमार मौर्य आदि शामिल रहे।

क्योलडिया में यात्रा निकाली: क्योलडिया: सुन्दरी मण्डल अध्यक्ष ठाकुर जयदीप सिंह की अध्यक्षता में मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली। यह विभिन्न स्थानों से गुजरी। मुख्य अतिथि भदपुरा ब्लॉक प्रमुख रविशंकर गंगवार रहे। इस दौरान भुजेन्द्र गंगवार, बबलू गंगवार देवपाल पटेल आंगनलाल गंगवार, जमुना प्रसाद कश्यप, अर्जुन सिंह, हैप्पी ग्रेवाल, सतेंद्र गंगवार, शैलेन्द्र गंगवार, कमलेश गंगवार, सोनू चौहान, सर्वेश कुमार, रामप्रताप गंगवार सहित तमाम लोग शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा को किया रवाना

भमोरा। ब्लॉक आलमपुर जाफराबाद की ब्लॉक प्रमुख आरती यादव ने ब्लॉक परिसर में पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा को झंडी दिखा रवाना किया। पूर्व ब्लाक प्रमुख वेद प्रकाश यादव, राजू उपाध्याय, रामेंद्र सिंह के साथ रामफूल सिंह चौहान, कैलाश दिवाकर आदि मौजूद रहे।

फतेहगंज पश्चिमी में भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा। • अमृत विचार

अमृत विचार Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES

ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

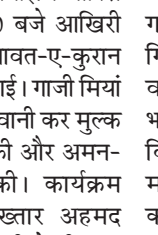

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र दानिश को गलत चाल- चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **मो. इसराइल पुत्र मो. छोटे निवासी ग्राम लभेड़ा तहसील नवाबगंज जिला बरेली।**

अनुभवी कंपाउंडर, आयुष्मान/TPA/MARG/COMPUTER अनुभवी महिला रिसेप्शनिस्ट/मेडिकल स्टोर हेतु, अनुभवी ओ. टी. टेक्नीशियन, अनुभवी पी.आर. ओ. तथा अनुभवी नर्स।
मिलें आज 3 बजे
आर. जी. हॉस्पिटल
अयूब खान चौपला रोड, बरेली

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2018 अनुक्रमांक 0980996 व इण्टरमीडिएट वर्ष 2020 अनुक्रमांक 0728096 यूपी बोर्ड व बी ए वर्ष 2023 अनुक्रमांक 210013230093 वास्तव में खो गए है। जिनका प्रयोग अवैध होगा। **महीपाल पुत्र दयाराम निवासी ग्राम नगला चोई परगना व तहसील सहसवान जिला (बदायू)**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06.07.2025 को घर से बाजार जाते समय एक बैनामा जोकि 160 बसंत बिहार बरेली जोकि 104.22 वर्गमीटर में बना है जो बही सं. 1 जिल्द नं. 42 के पृष्ठ 313 व 315 में नंम्बर 975 पर दिनांक 15.09.1992 को कुसुम मेहरोत्रा पत्नी अशोक मेहरोत्रा निवासी 132, साहूकारा, बरेली के नाम रजिस्टर्ड है कहीं खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **ओमवीर पुत्र थम्मन लाल निवासी 160, बसंत बिहार, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सिटी ब्रीफ

खड़े टैंपो में कार ने मारी टक्कर, मारपीट

आंवला, अमृत विचार : एक कार ने खड़े टैम्पो में टक्कर मार दी। विरोध करने पर कार सवारों ने दो लोगों की बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गयी है। मोहल्ला ताडगंज निवासी सतीश .ने बताया कि दो दिन पूर्व शाम करीब 6 :15 बजे वह अपने मौसेरे भाई के टैम्पो के पास रामनगर अड्डे पर खड़ा था। इसी दौरान एक कार ने खडे टैम्पो में टक्कर मार दी। विरोध करने पर कार में बैठे 6-7 अज्ञात लोगों ने उसे लात घूंसों और डंडों से बुरी तरह मारा पीटा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

हाईवे पर ई रिक्शा पलटा, यात्री घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : हाइवे पर राधा कृष्ण मंदिर चौराहे के पास पहिया निकलने के कारण ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलटने से उसमें बैठे कस्बा के वीरेंद्र गंभीर घायल हो गए ।बाकी दो अन्य यात्री चोटिल हो गए। मूलता गांव भोलापुर निवासी वीरेंद्र कुमार मोहल्ला साहुकारा में रहते है। सोमवार को वह ई रिक्शा पर बैठकर झुमका चौराहे से कस्बा में लौट रहे थे। हाईवे के राधा कृष्ण मंदिर चौराहे पर अचानक पहिया निकलने से ई रिक्शा पलट गया, जिससे वीरेंद्र कुमार गिर गये और ई रिक्शा के नीचे दबकर गंभीर घायल हो गए।

डॉक्टर का पता नहीं रिपोर्ट अन्य के नाम से

बरेली, अमृत विचार : आंवला के जिस अल्ट्रासाउंड सेंटर का पंजीकरण डॉक्टरों के नाम से है, उनकी जगह अन्य डॉक्टर के नाम से मरीजों को जांच रिपोर्ट दी जा रही है। मामले की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, आंवला के पुरैना बस स्टेशन के पास अल्ट्रासाउंड सेंटर का संचालन हो रहा है। इस सेंटर का स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल पर डॉ. अक्षत और डॉ. सरिता के नाम से पंजीकरण है, लेकिन सेंटर पर मरीजों की जांच करने के बाद जो रिपोर्ट दी जा रही है, उसपर डॉ. टी हुसैन के हस्ताक्षर हैं। जबकि नियमानुसार जिस डॉक्टर के नाम से पंजीकरण होता है रिपोर्ट भी उस डॉक्टर के नाम से ही जारी होनी चाहिए। पीसी-पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. अमित ने बताया कि मामले की शिकायत मिली है। सेंटर डॉ. अक्षत के नाम से पंजीकृत है। संचालक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

रुविवि में ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक केंद्र की ओर से स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान थीम पर एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के आयोजन में कुलसचिव संजीव कुमार सिंह, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. ज्योति पांडेय , डॉ. रीना पंत, डॉ. इंद्रप्रीत कौर, डॉ. अतुल कटियार, डॉ. सौरभ वर्मा , कल्चरल क्लब के पीयूष पाल, महक फातिमा, यश, अपर्णा, तनु, अक्षी, श्रेया, नंदिनी, नमरा, आदि का सहयोग रहा।

एसडीएम ने किया गौशाला का निरीक्षण

भोजीपुरा, अमृत विचार : हरी गोपाल ट्रस्ट द्वारा संचालित महेशपुर शिवसिंह की गौशाला का सुबह में सीवीओ और बीडीओ के निरीक्षण के बाद शाम को एसडीएम सदर ने निरीक्षण किया। गौशाला में गंदगी देख एसडीएम सदर प्रमोद कुमार ने संचालक पर नाराजगी जाहिर की। महेशपुर शिव सिंह की गौशाला में अव्यवस्थाओं के चलते आठ गायें मर गई थीं। प्रधान की शिकायत के बाद सोमवार सुबह सीवीओ मनमोहन पांडेय व बीडीओ शिरीष वर्मा ने निरीक्षण किया।

रामगंगा के जल प्रकोप से मुख्य सड़कें कटीं

पीडब्ल्यूडी और प्रधान ने छोटे वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए दीवार खड़ी की, बेरीकेडिंग कर पुलिस तैनात

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : मीरगंज क्षेत्र में रामगंगा नदी के बढ़े जलस्तर ने कई गांवों में तबाही मचा दी है। सोमवार सुबह एसडीएम इशिता किशोर, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह व एसओ प्रयागराज सिंह ने गोरा लोकनाथपुर रामगंगा पुल की कटी एप्रोच रोड का निरीक्षण किया। सुरक्षा के लिए पीडब्ल्यूडी के सहयोग से करीब साढ़े तीन फीट ऊंची अवरोधक दीवार व साइन बोर्ड लगाकर छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया है।

बाबा कैलाश गिरी मढ़ी पुल से पहले भी जलभराव से सड़क कट गई है। मदनापुर के समीप तेज बहाव में पानी सड़क से ढाई फीट ऊपर बह रहा है। ग्राम प्रधान हरीश लोधी ने गौशाला के पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और लोगों को सतर्क किया।

पीडब्ल्यूडी के एई पंकज वर्मा, जेई अजीम शाहनवाज ने प्रधान धर्मेंद्र चौधरी के सहयोग से गोरा लोकनाथपुर पुल से कटी एप्रोच रोड के पास करीब साढ़े तीन फिट अवरोधक दीवार का निर्माण कराया है। प्रशासन ने दोनों खतरनाक मार्गों पर बैरिकेडिंग कर पुलिस-प्रशासनिक टीमों को तैनात किया है। तातारपुर, कपूरपुर, मदनापुर, सिमरिया, सिरोधी अंगदपुर, गोरा लोकनाथपुर, गोरा हेमराजपुर, अंबरपुर, करौरा, ठिरिया बुजुर्ग, मोहम्मद गंज समेत कई गांवों की तिल, अरहर, गन्ना, धान, उड़द आदि फसलें जलमग्न हो गई हैं। पशुओं के चारे की किल्लत का खतरा भी बढ़ गया है।

एसडीएम ने बताया कि कंट्रोल रूम सक्रिय है और कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या दर्ज करा सकता है। **आंवला एसडीएम ने किया दौरा:आंवला।** सिरौली क्षेत्र से मीरगंज को जोड़ने वाले पुल की सड़क टूटने से आवागमन भी प्रभावित है। सोमवार को एसडीएम विदुषी सिंह ने सिरौली क्षेत्र में दौरा कर रामगंगा किनारे की स्थिति परखी। जलस्तर बढने से मीरगंज का रास्ता बंद कर दिया गया है।

जलस्तर बढ़ने से अवरोधक दीवार बनाई, एसडीएम, तहसीलदार ने निरीक्षण किया।

बदायूं रोड पर चौबारी के पास रामगंगा का बढ़ा जलस्तर । ● अमृत विचार

खतरे के निशान से एक मीटर दूर रामगंगा का जलस्तर

बरेली, अमृत विचार : रामगंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। मीरगंज और किच्छा नदी में कटान शुरु होने से गांवों में पानी भरना शुरू हो गया है। रामगंगा का जलस्तर शनिवार को 160 . 670 मीटर था, उसके बाद रविवार को जलस्तर बढ़कर 160 .730 मीटर हो गया। सोमवार बाढ़ खंड की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया है कि सोमवार रात 8 बजे तक जलस्तर 160 .950 मीटर मापा गया। जबकि चेतावनी का स्तर 162 . 070 मीटर है। इसके अलावा खतरे का स्तर 163 . 070 मीटर है। एसडीओ अमित ने बताया कि अब तक रामगंगा के सभी तटबंध सुरक्षित हैं। इससे पहले 2010 में रामगंगा का जलस्तर रिकार्ड 162 .850 मीटर पर पहुंचा था। बाढ़ आने की स्थिति पर उससे निपटने के लिए सभी चौंकिया अलर्ट पर हैं।

बारिश में मनरेगा श्रमिकों को नहीं मिल रहा काम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- दो महीने पहले प्रतिदिन 25 हजार श्रमिक करते थे काम, अब 3,829 रह गई संख्या

अमृत विचार: बारिश के मौसम में मनरेगा श्रमिकों को काम नहीं मिल रहा है। मई और जून में जहां प्रतिदिन 20 से 25 हजार मनरेगा श्रमिक काम कर रहे थे, वहीं अब इनकी संख्या सिमटकर 3,829 रह गई है। इससे उनकी आजीविका पर असर पड़ रहा है और गांवों में काम ठप पड़े हैं। मनरेगा में जॉबकार्ड धारक परिवारों को रोजगार देने की व्यवस्था है। इनको 252 रुपये मजदूरी मिलती है।

दो महीने पहले तक मनरेगा से जुड़े कार्य कराए जा रहे थे लेकिन बारिश में काम रुक गया है। सैकड़ों ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जहां मनरेगा के काम के प्रस्ताव स्वीकृत हैं, लेकिन बारिश के कारण काम की शुरुआत नहीं करा रहे हैं। मनरेगा के साथ ही पंचायतीराज विभाग और अन्य एजेंसियों के भी निर्माण कार्य भी प्रभावित हैं। अधिकारियों का कहना है कि बारिश थमने के बाद ही मनरेगा काम में तेजी देखने को मिलेगी।

ब्लॉकवार सक्रिय श्रमिकों की संख्या

आलमपुर जाफराबाद में 257, बहेड़ी में 259, भदपुरा में 226, भोजीपुरा में 283, भुता में 314, बिथरीचैनपुर में 384, दमखोदा में 136, फरीदपुर में 350, फतेहगंज पूर्वी में 142, क्यारा में 41, मझगवां में 237, मीरगंज में 43, नवाबगंज में 522, रामनगर में 375, शेरगढ़ में 254 श्रमिक सक्रिय हैं।

बारिश में जलभराव के चलते गांवों में अधिकतर कच्चे काम नहीं हो पा रहे हैं। पक्के निर्माण में प्रधानमंत्री आवास और आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण में मनरेगा के श्रमिक लग रहे हैं। अगले महीने बारिश रुकने पर काम शुरू होंगे।

-मो. हसीब अंसारी, डीसी मनरेगा

जाम का नहीं समाधान

शहर भर में रोज लग रहे जाम से ट्रैफिक व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जंक्शन रोड पर दिनभर जाम में जूझते रहे लोग। जाम के दौरान फंसे वाहनों की लंबी कतारे लग गईं। ● अमृत विचार

नवाबगंज में हिन्दू देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी, दी तहरीर

नवाबगंज, ,अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गाँव निवासी एक युवक ने सोशल मीडिया पर हिंदू देवी देवताओं के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी की। गौ रक्षा दल के मुताबिक सोमवाद को क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक ने हिंदू देवी देवताओं पर अपमानजनक टिप्पणी कर सोशल मीडिया पर स्टेटस लगाया था। इससे हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। गौ रक्षा दल ने थाने में शिकायत की । पुलिस ने बताया की शिकायत मिली है आरोपी युवक की तलाश जारी है। दूसरी तरफ **रिठौरा** में पुलिस ने हिन्दु देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा के मोहल्ला धर्मपुर के रामौतार ने हिंदू देवी-देवताओं को लेकर अभद्र वीडियो फेसबुक आईडी से वायरल कर हिंदू जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने को लेकर हिंदू संगठनों ने एक्स पर शिकायत की थी। चौकी इंचार्ज वैभव गुप्ता दीवान ज्ञानेश शर्मा कांस्टेबल सतेंद्र कुमार सहित पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। सोमवार को थाना हाफिजगंज पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की तैयारियां तेज

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक
- आगामी साल दिसंबर में चुनाव होने की जताई जा रही संभावना

अमृत विचार: निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विधान परिषद के बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं। सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। राजनीतिक दलों से मतदेय स्थलों के चयन से पहले बदलाव के संबंध में आवेदन मांगे गए। हालांकि, चुनाव आगामी साल दिसंबर में होने की संभावना जताई गई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रतिनिधियों को बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से निर्देश दिये गए हैं कि राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श कर मतदेय स्थलों का चयन पुनरीक्षण प्रकिया शुरू होने से पहले कर लें। आयोग के मानक के अनुसार मतदान के लिए किसी भी मतदाता को अधिकतम 16 किलोमीटर की दूरी तय किये करने का प्राविधान है। मतदेय स्थलों के चयन में मतदाताओं को कम से कम दूरी तय करनी पड़े और वहां एएमएफ की सभी व्यवस्थाएं पूरी होनी चाहिए।

जिले में 23 मतदेय स्थल हैं, जिनकी सूची प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराते हुए कहा गया कि यदि किसी दल या उसके प्रतिनिधि आदि को मतदेय स्थल को परिवर्तित कराने के संबंध में कोई प्रस्ताव देना हो तो वो निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा सकते हैं। उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिये। मतदेय स्थलों पर एएमएफ एवं ईएमएफ से संबंधित न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं, इसकी स्थिति परखने के लिए भी कहा गया है। उप जिलाधिकारियों को मतदेय स्थलों का भ्रमण करने के भी निर्देश दिये।

बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व संतोष कुमार सिंह, एसडीएम सदर प्रमोद कुमार, एसडीएम बहेड़ी रत्निका श्रीवास्तव के साथ भाजपा के आंवला जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, सपा जिलाध्यक्ष शिवचरण कश्यप, सपा महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी, कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के साथ बैठक करते जिला निर्वाचन अधिकारी ।

अभी हरि सिंह ढिल्लो हैं एमएलसी शिक्षक

एमएलसी शिक्षक चुनाव 2020 में हुए थे। पिछले चुनाव में भाजपा के हरि सिंह ढिल्लो ने सपा के संजय मिश्र को 4864 मतों से हराया था। चुनाव में ढिल्लो को 12827 वोट मिले थे जबकि संजय को 4864 वोट मिले थे।

पीलीभीत में बढ़ा, शेष जिलों में घटा गन्ने का रकबा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बाढ़ और बारिश में गन्ने की फसल को भारी नुकसान पहुंचने के बाद भी मंडल में पीलीभीत के किसानों को नगदी फसल में गन्ना खूब भा रहा है। अफसर भी मान रहे हैं कि पीलीभीत के किसानों की पहली पसंद गन्ने की खेती है, जबकि मंडल के बाकी तीनों जिलों बरेली, बदायूं और शाहजहांपुर में रकबा लगातार कम हो रहा है। पीलीभीत जिले में तीन साल में 7,945 हेक्टेयर गन्ना का रकबा बढ़ा है।

विभाग से मिले आंकड़े बताते हैं कि पीलीभीत में वर्ष 2024-25 में 1,02,575 हेक्टेयर में गन्ने की फसल लगाई गई थी। इस बार रकबा बढ़कर 1,10,792 हेक्टेयर हो गया है। यह बात गन्ना विभाग के सर्वेक्षण में सामने आई है। अधिकारियों का कहना है रकबा बढ़ने की यह स्थित तब है जब पीलीभीत समेत मंडल के चारों जिलों में गन्ने की वैरायटी सीओ-0238 को बदला गया है। इस प्रजाति में रेड रॉट बीमारी का प्रकोप आ गया था, जिसे गन्ने का कैंसर भी कहा जाता है। प्रकोप आने के बाद गन्ना विभाग का नई प्रजाति के प्रसार और उपचार के चलते की गई कोशिशें पीलीभीत के किसानों की मेहनत से रंग लाई। गन्ने के रकबे में सर्वाधिक बढ़ोतरी पीलीभीत जिले में होने पर अधिकारी इसे विभाग, चीनी मिलों और किसानों की मेहनत का परिणाम बता रहे हैं। वहीं, बरेली जिले में गन्ना रकबा 7,235 हेक्टेयर घटकर 1,01,321 हेक्टेयर पहुंच गया है। जबकि

वर्ष 2025-26			
जनपद	गन्ना पौधा	गन्ना पेड़ी	योग
बरेली	51,102	50,219	1,01,321
पीलीभीत	53,322	49,770	1,02,792
शाहजहांपुर	47,274	53,551	1,008,25
बदायूं	9,882	7133	17,014

वर्ष 2024-25			
जनपद	गन्ना पौधा	गन्ना पेड़ी	योग
बरेली	57,501	51,059	1,08,560
पीलीभीत	57,939	44,636	1,02,575
शाहजहांपुर	58,328	52,447	1,10,775
बदायूं	10,400	8,178	18,578

वर्ष 2023-24			
जनपद	गन्ना पौधा	गन्ना पेड़ी	योग
बरेली	58,165	61,346	1,19,511-
पीलीभीत	56,814	53,923	1,10,737
शाहजहांपुर	61,420	49,666	1,11,086
बदायूं	12,084	9,376	21,460

- बरेली, बदायूं और शाहजहांपुर में साल-दर-साल घट रही गन्ने की खेती

जनपद में पिछले वर्ष 1,08,560 हेक्टेयर में गन्ने की फसल हुई थी। इसी तरह शाहजहांपुर में 9,950 और बदायूं में गन्ने के रकबे में 1,564 हेक्टेयर की गिरावट दर्ज की गई है।

उप गन्ना आयुक्त राजेश मिश्रा बताते हैं कि मंडल में पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष केवल पीलीभीत में गन्ने के रकबे में बढ़ोतरी हुई है, जबकि सबसे अधिक नुकसान भी गन्ने की फसल को पीलीभीत जनपद में हुआ था। कहा कि यह विभाग, चीनी मिलों और किसानों की मेहनत का परिणाम है। बाकी तीनों जिलों में रकबा कम हुआ है। इसके कारणों की जांच की जाएगी।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

सिटी डायरी

गरीब बच्चों को मुफ्त कोचिंग दे रहे दीपू भैया

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव अग्रास में गायत्री विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल के प्रबंधक दीपू भैया 5 वर्षों से लगातार आसपास के दर्जन भर गांवों से कक्षा 6 से आठवीं तक के बच्चों को फ्री कोचिंग क्लास दे रहे हैं । उनके द्वारा पढ़ाए गए बच्चों को अच्छे स्कूलों में स्थान मिल रहा है । दीपू भैया ने बताया उनके पिता मोहन स्वरूप गंगवार लगभग 45 वर्षों से शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत हैं।

पुण्यतिथि पर मुक्ता प्रसाद डिग्री कॉलेज में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

मीरगंज, अमृत विचार : सोमवार को कॉलेज परिवार की ओर से शिक्षाविद् मुक्ता प्रसाद गंगवार की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंध समिति द्वारा की गई तथा प्राचार्य, शिक्षकगण, कर्मचारी व छात्र-छात्राओं ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि मुक्ता प्रसाद ने शिक्षा के प्रसार के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके योगदान को याद करते हुए सभी ने संकल्प लिया कि उनके सपनों को साकार करने के लिए कॉलेज निरंतर शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कार्य करता रहेगा।

सनातन संस्कृति ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी सम्मानित

कंपोजिट विद्यालय मॉडल किशोर में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार: कंपोजिट विद्यालय मॉडल किशोर बाजार में सोमवार को बाल सभा का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि बाल रामायण के रचयिता डॉ. दीपंकर गुप्त ने सनातन संस्कृति ज्ञान प्रतियोगिता के विजयी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि रामायण मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के संपूर्ण जीवन आदर्शों की पावन गाथा है। आज की दिशाहीन पीढ़ी को उनके जीवन मूल्य ,तप, त्याग, सेवा, संघर्ष ,समर्पण, प्रेम ,सद्भाव और सद् विचारों से यदि उन्हें हम परिचित कराएं तो निश्चित रूप से प्रभु राम के आदर्शमयी जीवन मूल्यों से उनके जीवन में समता, समरसता और मानवता के पुनीत भाव जागृत होंगे। प्रधानाचार्य अरुणेश कुमार शर्मा को सम्मान पत्र भेंट किया। सहायक अध्यापिका प्रतिभा सक्सेना का भी सम्मान किया।

SSVGI SHRI SIDDHI VINAYAK GROUP OF INSTITUTIONS
16 Years Educational Exellence
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
• SSVIT I B.Tech (CS • IT • ME • CE • EE • EC) | M.Tech (CS • ME)
• SSVIM I MBA • Int. MBA • BBA • BCA • B.COM • B.COM (H) B.SC (PCM) • B.SC (ZBC) • B.SC (Home Sci. • Biotech)
• SSVP I Polytechnic (ME(A) • ME(P) • IT • EC • EE • CE)
• SSVSN I GNM • ANM
• SSVIP I D.Pharma • B.Pharma
• SSVIPS I Diploma in Optometry • Emergency & Trauma care X-Ray Tech. • Dialysis • Physiotherapy • O.T. Tech.
Why Enroll @ SSVGI
• Career-Focused Education
• Best Placement in the Region
• High-Tech Academic Infrastracture
• Highly Experienced Faculty
20 LPA Highest CTC | 4.5 LPA Average CTC | 92% Placement in Past 5 Year
1200+ SSVGIians Placed in Top MNC's | 2000+ Placement Offers | 550+ Recruitment Partners
7599471145, 7599471144 | www.ssvgi.org
Campus: 10th Km Stone, Nainital Rd, Bareilly, U.P.
City Office: Avas Vikas Complex, Sheel Chauraha, Bareilly

अमृत विचार

बरेली , मंगलवार,12 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

देवीधुरा में छत गिरने से सिपाही की मौत

रुद्रपुर,अमृत विचार : अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए चंपावत देवीधुरा में ड्यूटी कर रहे सिपाही पर छत गिरने से एसओजी के सिपाही की मौत हो गई। निधन की खबर मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। सिपाही की मौत की खबर मिलते ही परिवार में भी कोहराम मच गया। बताते चलें कि अल्मोड़ा निवासी गोकुल टम्टा वर्ष 2006 में उत्तराखंड पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती हुआ था और काफी समय वह रुद्रपुर एसओजी में भी तैनात था।

मुजफ्फरनगर में 75 लाख की स्मैक जब्त

मुजफ्फरनगर,एजेंसी : जिले में पुलिस ने दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से लगभग 75 लाख रुपये मूल्य की 272 ग्राम स्मैक बरामद की गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रविवार रात आरिफ और मुकीम नाम के दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया।

पूजास्थल में तोड़फोड़ मामले में 6 गिरफ्तार

बहराइच,एजेंसी : जिले में एक पूजास्थल में तोड़फोड़ करने के संबंध में पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि पूजास्थल में तोड़फोड़ की खबर फैलने के बाद सोमवार सुबह सैकड़ों की संख्या में नाराज ग्रामीण एकत्र हो गए हालांकि पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किया। घटना महसी तहसील के रामगांव थानाक्षेत्र के पड़ोहिया गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक, गांव में 10 अगस्त की देर रात असामाजिक तत्वों ने गावट माता के स्थान पर तोड़फोड़ की और पूजास्थल के निकट कुछ पेड़ों को काट दिया और हनुमान जी के झंडे को उल्टा कर दिया।

10 हजार की घूस लेते उपनिरीक्षक गिरफ्तार

करौंदीकला, सुलतानपुर, अमृत विचार : भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को विजिलेंस टीम ने करौंदीकला थाना परिसर में तैनात उपनिरीक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह को 10 हजार रुपये की घूस लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। यह कार्रवाई शिकायतकर्ता अजय सिंह निवासी ग्राम ईशापुर, जिला जौनपुर की लिखित शिकायत पर की गई।

अंडा और चिकन की बिक्री पर 21 दिन तक लगी रोक

बिलासपुर के पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू से 15 हजार मुर्गे, मुर्गियां मरने से हड़कंप

बर्ड फ्लू का खौफ

कार्यालय संवाददाता,रामपुर/बिलासपुर

अमृत विचार : बिलासपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम सीहोर के कप्तान पोल्ट्री फार्म में 15 हजार से ज्यादा मुर्गियों की मौत के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है। सोमवार को जिलाधिकारी ने आपात बैठक बुलाकर 21 दिन के लिए जिले में अंडा और चिकन बिक्री पर रोक लगा दी है। जबकि पोल्ट्री फार्म को सील कर दिया गया है।

- **आपात बैठक बुलाकर डीएम ने दिए निर्देश**

बिलासपुर तहसील के ग्राम सीहोर स्थित पोल्ट्री फार्म में एक सप्ताह से लगातार मुर्गियों की मौत के मामले सामने आ रहे थे। अभी तक 15000 से अधिक मुर्गियां मर चुकी हैं। एसडीएम के आदेश पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने जिला स्तरीय सात सदस्य टीम जांच के लिए गठित की। मुर्गियों के नमूने जांच के लिए भोपाल भेजे गए हैं। रविवार शाम भोपाल से जांच रिपोर्ट में मुर्गियों के मरने की वजह बर्ड फ्लू स्पष्ट हुई तो प्रशासन में हड़कंप मच गया। सोमवार को जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आपात बैठक बुलाकर जिले में चिकन और अंडों की बिक्री पर 21 दिन के लिए रोक लगा दी। बैठक में पुलिस अधीक्षक रामपुर विद्या सागर मिश्र सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे। प्रभावित क्षेत्र के 1 किलोमीटर को संक्रमित क्षेत्र तथा 1 से 10 किमी. को सर्विलांस क्षेत्र घोषित किया गया। संक्रमित क्षेत्र से 10 किमी. की परिधि में स्थानीय जीवित पक्षियों व अंडों के विक्रय के लिए बाजारों को भी 21 दिनों तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्नीशियन एवं फार्मासिस्ट को सम्मिलित करते हुए रैपिड रिस्पांस टीम का गठन करने के निर्देश दिए हैं। इस टीम की गतिविधियों का प्रभावी पर्यवेक्षण मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा किया जाएगा।

बर्ड फ्लू को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम जोगेंद्र सिंह और एसपी विद्यासागर मिश्र। ● अमृत विचार

लखनऊ से आई जांच टीम ने संभाला मोर्चा

बर्ड फ्लू की दस्तक पर लखनऊ से आई जांच टीम ने स्थानीय तहसील में डेरा डाल दिया है। जांच टीम रात से लेकर सोमवार शाम तक मोर्चा संभालते दिखी। रविवार की देर रात लखनऊ से पशु विभाग के अपर निदेशक डॉ. राजेंद्र प्रसाद मोहर, जेडी डॉ. विवेक आनंद, अपर निदेशक राजेंद्र प्रसाद आदि अधिकारियों की टीम तहसील पहुंची। टीम ने सबसे पहले तहसील स्तरीय अधिकारियों से वार्ता की और इसके बाद मौके पर पहुंच गए। इसके अलावा टीम रविवार रात से लेकर सोमवार शाम तक गांव में डेरा डाले रही। लखनऊ की टीम के साथ जनपद से डिप्टी सीवीओ डा. वेदपाल, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सहित आदि विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

नष्ट करने के लिए अंडे ले जाता कर्मचारी।

80 पोल्ट्री फार्म से लिए 100 सैंपल, सभी रिपोर्ट नेगेटिव

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- **बर्ड फ्लू से निपटने के लिए पशु पालन विभाग ने बढ़ाई सतर्कता**

अमृत विचार : मंडल के जिले रामपुर में बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के बाद मुरादाबाद में पशुपालन विभाग ने सतर्कता और निगरानी बढ़ा दी है। जिले के 80 पोल्ट्री फार्म से 100 मुर्गियों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए थे। राहत की बात यह रही कि सभी रिपोर्ट नेगेटिव आई हैं।

सोमवार को मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील दत्त प्रजापति ने बताया कि रामपुर में बर्ड फ्लू के पॉजिटिव आने के बाद विभाग ने बर्ड फ्लू की आशंका को देखते हुए कई एहतियाती कदम उठाए हैं। सभी पोल्ट्री फार्मों की निगरानी की जा रही है। साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। फार्मों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया जा रहा है, वहीं अन्य जिलों से मुर्गा या मुर्गी का आदान-प्रदान फिलहाल रोक दिया गया है। पशु चिकित्सकों को अलर्ट मोड पर रखते हुए संदिग्ध मामलों में तुरंत सैंपलिंग के निर्देश दिए गए हैं। पशु चिकित्सा विभाग ने अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सक को सूचित करें।

फर्जी बीमा क्लेम में एक और गिरफ्तार

बहजोई, अमृत विचार: बहजोई पुलिस ने फर्जी बीमा पालिसी के जरिए बीमा क्लेम हड़पने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब तक इस मामले में 68 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

एएसपी दक्षिणी अनुकृति शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी लखनऊ के थाना ताल कटोरा क्षेत्र के राजाजीपुरम निवासी शिव प्रकाश पांडेय है जो ओंकारेश्वर मिश्रा के गिरोह का सक्रिय सदस्य है। गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उसने फर्जी बीमा पालिसी बनवाने और क्लेम हड़पने का काम किया। इसी गिरोह ने मुरादाबाद के बिलारी थाना क्षेत्र के गांव बनिया ठेर की महिला सुघड़वती का बीमा कराया था। आरोपित ओंकारेश्वर मिश्रा ने खुद को इन्वेस्टिगेटिंग अफसर बताकर सुघड़वती के घर का दौरा किया था। उसकी मुलाकात उसके गांव के आराम सिंह ने सुघड़वती के देवर सत्यवीर से कराई थी। सुघड़वती की मौत पांच नवंबर 2020 को हो चुकी थी। बावजूद 11 जनवरी 2021 को उसकी पांच लाख की बीमा पालिसी कराई गई। इसके बाद 31 मार्च 2021 का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराया गया।

मुरादाबाद :150 विद्यालयों में भरा बाढ़ का पानी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : रामगंगा और इसकी सहायक नदियों में आई बाढ़ का असर अब शिक्षा व्यवस्था पर भी पड़ने लगा है। मूंढापांडे, डिलारी और ठाकुरद्वारा क्षेत्र के लगभग 150 विद्यालयों में बाढ़ का पानी भर जाने से पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है। जिससे छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से न तो बच्चों को पढ़ाई को वैकल्पिक व्यवस्था की गई और विद्यालय के कक्षों में पानी निकलवाया गया है।

सोमवार तक पिछले दिनों लगातार हुई बारिश का पानी अभी तक विद्यालय के मैदान और कक्षों में भरा पड़ा है। लदावली कम्पोजिट विद्यालय के प्रत्येक कक्षा में पानी भरा हुआ है। विद्यालय में पानी स्थिति देखकर छात्र छात्राओं को घर वापस लौटना पड़ा। वहीं शिक्षकों ने सोमवार को विद्यालय परिसर से बेसिक शिक्षा विभाग के अधिक मूंढापांडे क्षेत्र में 91 विद्यालयों में बारिश से आई बाढ़ का पानी भरा हुआ है। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों के कई स्कूल बाढ़ के पानी से घिरे होने के कारण अब तक खुल नहीं पाए हैं। कुछ विद्यालयों में छात्र-छात्राएं पढ़ाई के लिए पहुंचे, लेकिन कक्षाओं और प्रांगण में पानी भरा होने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। बच्चों की पढ़ाई का नुकसान बढ़ता जा रहा है। वहीं शिक्षकों का कहना है कि जब तक स्कूलों से पानी नहीं निकलता और भवनों की सफाई व कीटाणुशोधन नहीं हो जाता, तब तक कक्षाएं शुरू करना मुश्किल होगा। अभिभावकों ने भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से अब तक जल निकासी की व्यवस्था नहीं की जा सकी है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग सिर्फ सर्वे और आंकड़ों तक सीमित है, जमीनी स्तर पर राहत कार्य नजर नहीं आ रहे हैं।

लदावली के कंपाजिट विद्यालय में भरा पानी। ● अमृत विचार

- **बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से विद्यालयों से पानी को निकालने के लिए नहीं शुरू किया गया कार्य**

जिला समन्वयक हर्षवर्धन ने बताया कि कांठ, छजलैट, ठाकुरद्वारा, भगतपुर, डिलारी और मूंढापांडे में 150 विद्यालयों में पानी भरने की स्थिति बनी हुई। जिसमें कांठ और छजलैट में 4 विद्यालय, डिलारी में 37 विद्यालय, भगतपुर में 12 विद्यालय, ठाकुरद्वारा में 6 विद्यालय, सबसे

> मैं विभाग से संबंधित मामले में हाईकोर्ट आया हूं। विद्यालयों के परिसर में खंड शिक्षा अधिकारियों की निगरानी में एडीओ पंचायत और सचिव व प्रधानों को पानी निकाल कर सफाई व्यवस्था करानी थी। कुछ विद्यालय में अभी तक पानी भरा है वहां अभी पढ़ाई भी शुरू नहीं हो पाई। जल्द ही पानी निकलवा कर विद्यालयों की सफाई और मरम्मत का काम शुरू कर दिया जाएगा, ताकि जल्द से जल्द बच्चों की पढ़ाई पटरी पर लौट सके।
>
> **-विमलेश कुमार,** जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुरादाबाद

पुलिस मुठभेड़ में एक गोकश के पैर में लगी गोली, तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता,रामपुर/टांडा

अमृत विचार: थाना टांडा पुलिस की मुठभेड़ में एक गौकश गोली लगने से घायल हो गया। जबकि दो गौकशों को पुलिस ने घेराबंदी करके पकड़ लिया। पुलिस को तलाशी लेने पर उनके पास से तमंचे, कारतूस और एक कार बिना नंबर प्लेट की मिली। पुलिस ने मुठभेड़ में घायल हुए आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया है।

दढियाल टांडा रोड पर सिकमपुर मिलक के जंगल में पुलिस और गोकशों के बीच रविवार रात मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक गोली गोकश की पैर में लगी और वह गिर गया। जबकि उसके दो साथियों को पुलिस ने घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। पकड़े गए आरोपी आरोपियों ने बताया कि वे अपने-अपने घरों का खर्चा चलाने के लिए संगठित रूप से छुट्टा गोवंशीय पशुओं को मौका देखकर काट लेते हैं। आरोपी सलीम पर 11 मुकदमे दर्ज है। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि टांडा में हुई गोकशों से मुठभेड़ में एक व्यक्ति घायल घायल हो गया था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया है।

घायल को अस्पताल ले जाती पुलिस।

- **आरोपियों ने टांडा क्षेत्र में गश्त के दौरान किया पुलिस पर फायर**

मौके पर पड़ा आरोपी का तमंचा।

सलमान निवासी रूकन्दी सराय थाना नखासा जनपद संभल, सलीम निवासी ग्राम टोडीपुरा थाना टांडा, फैजान निवासी रूकन्दी सराय थाना नखासा जनपद संभल है। इनके पास से गोवंशीय पशुओं को बांधने व काटने के उपकरण, तमंचे और कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में

हाईकोर्ट की खंडपीठ में बैठेंगे न्यायमूर्ति प्रशांत

प्रयागराज, एजेंसी

अमृत विचार : न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार एक वरिष्ठ न्यायाधीश की अध्यक्षता में इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ में बैठेंगे और दीवानी मामलों की सुनवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने चार अगस्त को दिए आदेश के पैराग्राफ 24 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार से आपराधिक मामले तत्काल वापस लेने का निर्देश दिया था।

बाद में, प्रधान न्यायाधीश के हस्तक्षेप के बाद सुप्रीम कोर्ट की उसी पीठ ने इस मामले पर विचार किया और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार के खिलाफ की गई टिप्पणी हटा दी। साथ ही यह निर्देश भी दिया कि उन्हें सेवानिवृत्ति तक कोई आपराधिक मामला न दिया जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट के कई न्यायाधीशों ने मुख्य न्यायाधीश को एक पत्र लिखकर पूर्ण पीठ की बैठक बुलाने और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन नहीं करने का आग्रह किया था। यह पत्र न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा द्वारा लिखा गया था, जो नए रोस्टर के मुताबिक वरिष्ठ न्यायाधीश के तौर पर अब न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार के साथ बैठेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए चार अगस्त के अपने आदेश में न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार के तर्क की कड़ी आलोचना की थी।

न्यायमूर्ति कुमार ने कहा था कि शिकायतकर्ता को दीवानी मुकदमा चलाने के लिए कहना बहुत अनुचित होगा, क्योंकि दीवानी मुकदमों में लंबा समय लगता है। इसलिए शिकायतकर्ता को बकाया वसूली के लिए आपराधिक मुकदमा करने की अनुमति दी जा सकती है। भारत के प्रधान न्यायाधीश के अनुरोध पर आठ अगस्त को इस मामले की फिर से सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने स्पष्ट किया कि उनका इरादा न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को शर्मिंदा करने या उन पर कलंक लगाने का नहीं था। साथ ही पीठ ने यह भी कहा कि हम इसे (पैराग्राफ 24 को लागू करना) इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के विवेकाधिकार पर छोड़ते हैं।अब न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ परिवार अदालत के निर्णयों के खिलाफ अपील, गुजारा भत्ता से जुड़े मामलों और माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण से जुड़े मामले आदि सुनेगी।

महिला ने दवा समझकर खा लिया जहर, जान गई

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थी 54 वर्षीय महिला**
- **दवाओं के साथ रखी थीं कई और दवाएं, हुआ धोखा**

अमृत विचार : लंबे समय से बीमार चल रही 54 वर्षीय महिला ने दवा के धोखे में जहर खा लिया। हालत बिगड़ी तो परिजन महिला को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक खन्ना फार्म तल्ली हल्द्वानी निवासी ईश्वरी देवी (54 वर्ष) पत्नी जीवन चंद्र जोशी यहां परिवार के साथ रहती थी। वह लंबे समय से बीमार चल रही थीं और उनका उपचार भी चल रहा था।

महिला के परिजनों का कहना है कि आमतौर पर ईश्वरी देवी रोजाना अपने हाथ से ही दवा खाती थीं। बीती 9 अगस्त को भी उन्होंने खुद दवा खाई, जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई। परिजनों का कहना है कि जहां ईश्वरी की दवाइयां रखी थीं, वहां कई और दवाइयां भी रखी थी। ईश्वरी ने दवा के धोखे में जहरीली दवा खा ली। परिजन उन्हें अस्पताल तो ले गए, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। उन्हें डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने उनके शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

राज्यमंत्री के पुत्र सहित तीन पर अपहरण का आरोप

बाजपुर, अमृत विचार : ग्राम भव्वानगला से निर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्य के पिता रफीक ने रविवार की देर रात्रि केलाखेड़ा थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनके पुत्र को 31 जुलाई को उत्तर-प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री बल्देव सिंह औलख के पुत्र बाजपुर क्षेत्र से पूर्व ब्लाक प्रमुख के पुत्र जोराबर सिंह भुल्लर व पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष केलाखेड़ा तमंचे के बल पर धमकाते हुए जबरदस्ती गाड़ी में डालकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

नफीस अली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह कह रहे हैं कि वह जरूरी कार्य से बाहर है। पुलिस उनके पिता को गलत तरीके से प्रताड़ित कर रही है। सीओ विभव सैनी ने कहा कि नफीस की तलाश में पुलिस पार्टी जगह-जगह दबिश दे रही है।

आसमान में ग्रहों की दो दिन होगी आकर्षक परेड

संवाददाता, नैनीताल

- **वैज्ञानिक भाषा में इस खगोलीय घटना को संरेखित कहा जाता है**

अमृत विचार : आसमान में दो दिन तक ग्रहों की आकर्षक परेड देखने को मिलेगी। यह परेड मंगलवार को शुरू होगी। ग्रहों के एक सीध मे मिलन की यह खगोलीय घटना वर्ष में दो बार होती है। वैज्ञानिक भाषा में इस खगोलीय घटना को संरेखित कहा जाता है।

ग्रह संरेखण की इस खगोलीय घटना में बुध, वीनस, बृहस्पति और शनि एक दूसरे के करीब होंगे, जबकि यूरेनस और नेपच्यून भी घटना हिस्सा होंगे। यह सभी ग्रह कोई ऊपर तो कोई नीचे होगा और देखने में परेड जैसी आकृति मिलेगा। जिस कारण इस खगोलीय घटना को प्लैनेट परेड का नाम से भी जाना जाता है। बुध, वीनस, बृहस्पति और शनि को कोरी आंखों से देखा जा सकेगा। बुध को

सूर्य के साथ ग्रहों की तस्वीर।

देखने के लिए थोड़ा कठिनाई हो सकती है। यूरेनस और नेपच्यून को दूरबीन से देखा जा सकेगा। मंगलवार शाम से यह घटना चरम पर रहेगी, बुधवार को भी उसे बखूबी देखा जा सकेगा। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ डॉ शशिभूषण पांडे ने बताया कि ग्रहों का एक दूसरे के करीब पहुंचना सामान्य खगोलीय घटना है।

कार्यालय कुँवर रनजीत सिंह इण्टर कॉलेज

नगरिया परीक्षित, इज्जतनगर, बरेली

पत्रांक : के.आर.एम./011/2025-26/बरेली दिनांक : 10.8.25

विज्ञप्ति प्रबन्ध समिति चुनाव

एतद्द्वारा अवगत कराना है कि जिला विद्यालय निरीक्षक बरेली द्वारा नियुक्त पीठासीन अधिकारी की देखरेख में कुँवर रनजीत सिंह इण्टर कॉलेज नगरिया परीक्षित बरेली की प्रबन्ध समिति का चुनाव विभाग द्वारा अनुमोदित प्रशासन योजना की धारा 9 के अनुसार सोसाइटी कुँवर रनजीत सिंह साहित्य संगीत कला केन्द्र उ.मा. विद्यालय नगरिया परीक्षित इज्जतनगर बरेली मातृ संस्था की साधारण सभा के सदस्यों/मान्य मतदाताओं द्वारा निम्नांकित कार्यक्रम के अनुसार विद्यालय परिसर में चुनाव सम्पन्न होगा। चुनाव काय्रक्रम में प्रतिभाग करने वाले सदस्य/मतदाताओं को अपना फोटो युक्त पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

क्र.सं.	कार्यक्रम	निर्धारित तिथि	समय
1.	प्रबन्ध समिति की सदस्यता हेतु नामांकन	05.10.2025	पूर्वान्ह 10:00 बजे से 11 बजे तक
2.	प्रबन्ध समिति की सदस्यता हेतु प्राप्त नामांकन पत्रों के क्रम में आपत्तियां यदि कोई हो, उनका निस्तारण एवं जाँच।	05.10.2025	पूर्वान्ह 11:00 बजे से 12 बजे तक
3.	प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच के उपरान्त वैद्य नामांकन पत्रों की सूची जारी करना।	05.10.2025	मध्यान्ह 12:00 बजे से 1:00 बजे तक
4.	नामांकन पत्र प्रस्तुत करने वाले सदस्य द्वारा नाम वापस लेना यदि कोई हो।	05.10.2025	अपरान्ह 1:00 बजे से 2:00 बजे तक
5.	प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों का चुनाव	05.10.2025	अपरान्ह 2:00 बजे से 3:00 बजे तक
5.	प्रबन्ध समिति का चुनाव परिणाम घोषित करना	05.10.2025	अपरान्ह 3:00 बजे से 4:00 बजे तक

श्री रनजीत सिंह भदौरिया
अध्यक्ष/संस्थापक
कुँवर रनजीत सिंह साहित्य संगीत कला केन्द्र उ0मा0 विद्यालय नगरिया परीक्षित, बरेली।

विश्व हाथी दिवस | कॉरिडोर सुरक्षित न होने से भटककर गांवों की ओर पहुंच जाते हैं हाथी

कॉरिडोर पर इंसानों का कब्जा, उत्पात तो मचाएंगे ही हाथी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: तराई क्षेत्र में हाथियों के संरक्षण और संवर्धन को नए आयाम मिले, इसको लेकर तराई हाथी रिजर्व की स्थापना की गई थी। पीलीभीत टाइगर रिजर्व भी इसका हिस्सा है। मगर जिस लिहाज से इस टाइगर रिजर्व को तराई हाथी रिजर्व में शुमार किया गया, उस हिसाब से इस दिशा में यहां धेले भर का काम नहीं किया गया। नतीजा यह है कि एलिफेंट कॉरिडोर सुरक्षित न होने के कारण नेपाल समेत अन्य इलाकों से आने वाले प्रवासी हाथी यहां रास्ता भटक कर उत्पात मचाते हैं। इससे जनहानि के साथ ही लगभग हर ही बड़ी तादाद में कृषि फसलों को भी नुकसान पहुंच रहा है। फिलहाल स्थानीय वन महकमे की ओर से इन कॉरिडोर को सुरक्षित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, मगर यह नाकाफी ही साबित हो रहे हैं।

नेपाल की शुक्ला फांटा सेंचुरी की सीमा पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटी हुई है। पिछले कई सालों से नेपाली हाथी पड़ोसी देश

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में चहलकदमी करते प्रवासी हाथी। (फाइल फोटो

- **नेपाल की खुली सीमा होने के चलते पीटीआर में रहती है नेपाली हाथियों की आवाजाही**

नेपाल और पीटीआर से सटी हुई लखीमपुर खीरी की किशनपुर सेंचुरी से दशकों पुराने पारंपरिक कॉरिडोर से आते-जाते रहते हैं। गत वर्ष भी इन प्रवासी हाथियों का झुंड पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सीमा में पहुंचा था। कई दिनों तक चली लंबी जद्दोजहद के बाद इन्हें वापस भेजा गया था। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की तरफ इन प्रवासी हाथियों की वापसी के पीछे एक वजह ये भी मानी जा रही है कि नेपाल की शुक्ला फांटा सेंचुरी की अपेक्षा पीलीभीत टाइगर रिजर्व का जंगल हाथियों के लिए काफी मुफीद है।

बरसात के दिनों में यहां हरियाली, फसलें, ताजा घास, जलस्रोतों की प्रचुरता और अनुकूल वातावरण इन्हें खींच लाता है। हाथियों का सबसे प्रिय आहार रोहिणी (सिंदूर) के पेड़ भी यहां सर्वाधिक हैं।

बताते हैं कि यह प्रवास सैकड़ों साल पुराना प्राकृतिक व्यवहार है, जो आज भी पारंपरिक कॉरिडोर के सहारे जारी है। इन दिनों भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व में एक प्रवासी हाथी की मौजूदगी देखी जा रही है। इधर हाथियों के प्राकृतिक संरक्षण और संवर्धन को लेकर अक्तूबर 2022 को प्रदेश के पहले तराई हाथी रिजर्व को मंजूरी दी गई।

नेशनल ब्रीफ

पुरानी पेंशन बहाल करने का प्रस्ताव लंबित नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को संसद में कहा कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने के संबंध में केंद्र के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकारी खजाने पर राजकोषीय बोझ से सरकार ने ओपीएस से दूरी बनाई थी। एनपीएस अंशदान-आधारित योजना है, जिसे 1 जनवरी 2004 को या उसके बाद सेवा में शामिल होने वाले केंद्रीय कर्मचारियों (सशस्त्र बलों को छोड़कर) के लिए शुरू किया गया। ऐसे कर्मचारियों के लिए पेंशन संबंधी लाभों में सुधार के उद्देश्य से एनपीएस में संशोधन के उपाय सुझाने के लिए एक समिति गठित की गई थी।

अमरनाथ गुफा मंदिर में 4.14 लाख ने दर्शन किए

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि इस साल 4.14 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन किए हैं। शाह ने वार्षिक तीर्थयात्रा के सफल समापन के लिए सुरक्षाबलों और आयोजकों की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में पवित्र अमरनाथ तीर्थयात्रा को भारतीय संस्कृति की अटूट परंपरा और आस्था की प्रतीक बताया। गृह मंत्री ने कहा कि इस वर्ष 4.14 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने 'बाबा बर्फानी' के दर्शन किए हैं। उन्होंने यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने में अपना योगदान देने के लिए सभी सुरक्षा बलों, श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को बधाई दी।

केदारनाथ यात्रा पर 14 अगस्त तक रोक

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए केदारनाथ यात्रा को अगले तीन दिनों के लिए 14 अगस्त तक रोक दिया है। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि देहरादून में मौसम विज्ञान केंद्र ने 12, 13 और 14 अगस्त को रुद्रप्रयाग सहित प्रदेश भर में कई जगहों पर भारी वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत केदारनाथ धाम की यात्रा को एहतियातन अगले तीन दिनों के लिए अस्थायी रूप से रोका गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, इस दौरान सभी विभागों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

हादसा : अचानक गोली चलने से जवान की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में आज कथित तौर पर दुर्घटनावश गोली चल जाने से सेना के एक जवान की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सेना के जवान सुरेश बिश्वाल की भद्रवाह इलाके में अपनी यूनिट में सर्विस गन के अचानक चल जाने से मौत हो गई। उन्होंने कहा, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है, जबकि मामले का संज्ञान लिया गया है और जांच जारी है।

एसआईआर के विरोध और चुनाव में धांधली के आरोपों की गूंज से नहीं चली संसद

चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के सदस्यों ने की नारेबाजी, हंगामे के कारण दोनों सदन स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित चुनावी धांधली के मुद्दे पर सोमवार को संसद के दोनों सदन भारी हंगामे से नहीं चल सके, जिसको एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया।

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में मानसून सत्र की शुरुआत से ही कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्य बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे हैं। सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे फिर शुरू होने पर सदन में शोर-शराबा नहीं थमने पर पीठासीन सभापति संध्या राय ने अपराह्न करीब पौने तीन बजे सदन की कार्यवाही शाम चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी। लोकसभा की कार्यवाही शाम चार बजे फिर से आरंभ होने पर स्थिति ज्यों की त्यों बनी रही।

इससे पहले, पूर्वाह्न 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया, मगर विपक्षी सांसद हंगामा करते हुए आसन के समीप आ गए। बिरला ने प्रदर्शन कर रहे सदस्यों से कहा, आपको नारेबाजी करना है, तख्तियां दिखाना है तो संसद परिसर के बाहर कीजिए। सदन की कार्रवाई चलने दें। शोर-शराबा नहीं थमने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। राज्यसभा में भी एसआईआर और चुनावी धांधली को लेकर हंगामा जारी रहा, जिससे एक बार के स्थगन के बाद सदन को स्थगित कर दिया गया।

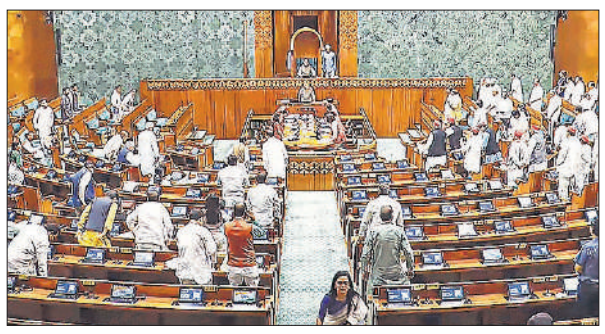

संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में हंगामा करते सांसद। एजेंसी

विपक्ष को संसद में दिलचस्पी नहीं : रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने संसद की कार्यवाही में बार-बार हो रहे व्यवधान के लिए सोमवार को कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि सरकार अब लोकसभा एवं राज्यसभा दोनों में महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ेगी। रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल पहले ही संसद की कार्यवाही का काफी समय बर्बाद कर चुके हैं। उन्होंने कहा, हम हर दिन एक मुद्दे पर देश और संसद का समय बर्बाद नहीं होने देंगे।

खरगे ने हंगामे के बीच विधेयक पारित करने पर किया विरोध तो नड्डा बोले- सदन को बंधक नहीं बना सकते

नई दिल्ली। राज्यसभा में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के बीच विधेयकों को मंजूरी देने पर विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने विरोध जताते हुए कहा कि लोकतंत्र में ऐसा नहीं होता। वहीं सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा जरूर होनी चाहिए लेकिन सदन को बंधक भी नहीं बनाया जा सकता। एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे उच्च सदन में विधेयक को मंजूरी ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। जब सदन में विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा हो रही थी तब विपक्षी सांसद चाहते थे कि मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने दिया जाए। ये सदस्य बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ हंगामा और नारेबाजी कर रहे थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मणिपुर के बजट का विरोध करने के लिए विपक्ष की आलोचना की। इसी बीच आसन की ओर से खरगे को बोलने की अनुमति दी गई। खरगे ने कहा कि सदन में हंगामा हो रहा है फिर भी महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित किया जा रहा है। लोकतंत्र में ऐसा नहीं होता। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा लोकतंत्र की रक्षा होनी चाहिए। बेशक होनी चाहिए। लेकिन सदन को बंधक भी नहीं बनाया जा सकता।

एससी-एसटी और ओबीसी को आय आधारित आरक्षण की याचिका मंजूर

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने पर जताई सहमति, केंद्र को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस जनहित याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें सरकारी नौकरियों में आरक्षण की अधिक न्यायसंगत प्रणाली के वास्ते नीतियां बनाने के लिए केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने रमाशंकर प्रजापति और यमुना प्रसाद की जनहित याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया एवं 10 अक्टूबर तक जवाब मांगा।

पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह भारी विरोध का सामना करने के लिए तैयार रहें, क्योंकि जनहित याचिका का दूरगामी प्रभाव हो सकता है। याचिकाकर्ताओं ने अधिवक्ता संदीप सिंह के माध्यम से जनहित याचिका दायर की है जिसमें कहा गया है कि यह दृष्टिकोण संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 को मजबूत करेगा तथा मौजूदा आरक्षण में बिना किसी छेड़छाड़ के समान अवसर सुनिश्चित करेगा।

याचिका में कहा गया है कि दशकों से आरक्षण के बावजूद, आर्थिक रूप से सबसे वंचित लोग अकसर पीछे छूट जाते हैं और आरक्षित श्रेणियों के अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति वाले लोग इसका लाभ उठाते हैं लेकिन आय के आधार पर प्राथमिकता देने से यह सुनिश्चित होगा कि मदद वहीं से शुरू हो जहां आज इसकी सबसे अधिक जरूरत है। जनहित याचिका में कहा गया है, अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों से संबंधित याचिकाकर्ता, वर्तमान याचिका के माध्यम से इन समुदायों के भीतर आर्थिक असमानताओं को उजागर करना चाहते हैं, जिसके कारण मौजूदा आरक्षण नीतियों के तहत लाभों का असमान वितरण हुआ है।

सेना : महिलाओं की जज एडवोकेट जनरल शाखा में संख्या सीमित करने की नीति रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के साथ भेदभाव न करने के संवैधानिक प्रावधान को रेखांकित करते हुए भारतीय सेना की जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) शाखा में उनकी संख्या सीमित करने वाली नीति को सोमवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि एक बार सेना ने सेना अधिनियम-1950 की धारा-12 के तहत महिलाओं को किसी शाखा में शामिल होने की अनुमति दे दी, तो वह कार्यकारी नीति के माध्यम से उनकी संख्या पर अतिरिक्त प्रतिबंध नहीं लगा सकती। पीठ ने कहा, अगर महिला अभ्यर्थी जेएजी प्रवेश परीक्षा में पुरुषों से अधिक अंक हासिल करती हैं, तो उन्हें योग्यता के आधार पर मौका दिया जाना चाहिए। बेहतर प्रदर्शन के बावजूद उन्हें 50 फीसदी सीट तक सीमित रखना समानता के अधिकार का उल्लंघन है। सेना अधिनियम की धारा-12 में भर्ती या रोजगार के लिए महिलाओं को अयोग्य ठहराए जाने के प्रावधानों के बारे में बताया गया है। इसमें कहा गया है, कोई भी महिला नियमित सेना में भर्ती या रोजगार के लिए पात्र नहीं होगी, सिवाय ऐसे कोर, विभाग, शाखा या अन्य निकाय के जो नियमित सेना का हिस्सा हों या उसके किसी भाग से संबद्ध हों, जिन्हें केंद्र सरकार आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना के जरिये इस संबंध में निर्दिष्ट करे।

वर्तमान व्यवस्था से असमान लाभ

याचिका में यह तर्क दिया गया कि आरक्षण की रूपरेखा शुरू में ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों के उत्थान के लिए शुरू की गई थी, लेकिन वर्तमान प्रणाली इन समूहों में अपेक्षाकृत समृद्ध आर्थिक स्तर और उच्च सामाजिक स्थिति वाली पृष्ठभूमि से संबंधित लोगों को असमान रूप से लाभान्वित करती है, जबकि आर्थिक रूप से सबसे वंचित सदस्यों के लिए अवसरों तक सीमित पहुंच होती है।

दलों की अवैध गतिविधियां रोकें राज्य निर्वाचन आयोग, याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया, जिसमें राज्य निर्वाचन आयोगों को राजनीतिक दलों की ऐसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाने के निर्देश देने की मांग की गई थी, जो देश की संप्रभुता, अखंडता और एकता' को कमजोर कर सकती हैं। सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने कहा, जनहित याचिकाएं (जरूरी हैं लेकिन जनहित याचिकाओं के नाम पर हम प्रचार हित याचिकाओं की अनुमति नहीं दे सकते। पीठ ने सीधे उच्चतम न्यायालय जाने की प्रथा पर भी नाराजगी जताई। घनश्याम दयालु उपाध्याय नाम के एक व्यक्ति ने केंद्र और निर्वाचन आयोग के खिलाफ याचिका दायर की लेकिन प्रधान न्यायाधीश ने उन्हें चेतावनी देते हुए पूछा, ''क्या इसे मुंबई उच्च न्यायालय में नहीं उठाया जा सकता। यह एक प्रचार हित याचिका के अलावा और कुछ नहीं है।

तलाक-ए-हसन: अंतिम सुनवाई को तारीख तय

सुप्रीम कोर्ट ने तलाक-ए-हसन और अन्य सभी प्रकार के 'एकतरफा न्यायेतर तलाक' को असंवैधानिक घोषित करने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के लिए 19-20 नवंबर की तारीख तय की, साथ ही राष्ट्रीय महिला, राष्ट्रीय मानवाधिकार और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग से विचार मांगे हैं। तलाक-ए-हसन के माध्यम से एक पुरुष तीन महीने की अवधि में हर महीने एक बार तलाक शब्द कहकर विवाह को समाप्त कर सकता है।

मेधा पाटकर की दोष सिद्धि को रखा गया बरकरार

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा दायर मानहानि के 25 साल पुराने मामले में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर की दोषसिद्धि को सही ठहराया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वह दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती जिसमें मेधा को अच्छे आचरण की शर्त पर रिहा किया गया था, लेकिन उन्हें हर तीन साल में एक बार अधीनस्थ अदालत में पेश होने को कहा था।

जज के विरुद्ध टिप्पणी पर माफी मांगें वादी-वकील

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक वादी और उसके वकीलों को तेलंगाना हाईकोर्ट के उन जज से बिना शर्त माफी मांगने का निर्देश दिया, जिन पर उन्होंने अपमानजनक आरोप लगाए थे। सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने स्वतः संज्ञान वाली अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिया। पीठ ने कहा, हाईकोर्ट के जजों पर अवमाननापूर्ण आरोपों को माफ नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस का प्रदर्शन देश में अराजकता और अस्थिरता पैदा करने का रणनीतिः भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने बिहार में एसआईआर और पिछले चुनावों में 'वोट चोरी' के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर सोमवार को विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उन पर देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ दल और निर्वाचन आयोग के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप को झूठ करार दिया और कहा कि कांग्रेस इस तरह के हथकंडे अपना रही है, क्योंकि उसके पास कोई अन्य मुद्दा नहीं है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी पर देश विरोधी ताकतों के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वह और इंडी गठबंधन लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं, उसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। प्रधान और चौहान, दोनों ही भाजपा के प्रमुख ओबीसी चेहरे हैं। प्रधान ने आरोप लगाया कि विपक्ष का प्रदर्शन देश में अस्थिरता पैदा करने की सोची-समझी रणनीति है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल देश में अराजकता पैदा करना चाहते हैं।

- केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, कोई और मुद्दा न होने की वजह से कांग्रेस अपना रही है इस तरह के हथकंडे

साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहिए, निर्वाचन आयोग का डेटा सामने आकर रहेगा: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि एकजुट विपक्ष और देश का हर मतदाता साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहता है और निर्वाचन आयोग जानता है कि जो डेटा वह छिपाने की कोशिश कर रहा है, वह सामने आकर रहेगा।

विपक्षी दलों के सांसदों के मार्च के दौरान हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, सच्चाई देश के सामने है। यह लड़ाई राजनीतिक नहीं है, यह संविधान को बचाने की लड़ाई है, 'एक व्यक्ति-एक वोट' की लड़ाई है। हम एक साफ-सुथरी और सही मतदाता सूची चाहते हैं। बाद में उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज जब हम निर्वाचन आयोग से मिलने जा रहे थे, 'इंडिया' गठबंधन के सभी सांसदों को रोका गया और हिरासत में ले लिया गया। वोट चोरी की सच्चाई अब देश के सामने है। कांग्रेस नेता ने कहा, एकजुट विपक्ष और देश का हर मतदाता मांग करता हैः साफ़-सुथरी मतदाता सूची। यह हक़ हम हर हाल में लेकर रहेंगे। राहुल गांधी ने कहा, हिंदुस्तान में लोकतंत्र की हालत देखिए। तीन सौ सांसद निर्वाचन आयोग से मिलना चाहते हैं, लेकिन आयोग कहता है, आप मिलने नहीं आ सकते हैं, क्योंकि निर्वाचन आयोग सच्चाई से डरता है।

ये अभियान अब जनांदोलन

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ अभियान ने एक बड़े जन आंदोलन का रूप ले लिया है। इसके लिए पोर्टल शुरू किए जाने के बाद से 15 लाख से अधिक समर्थन प्रमाणपत्र डाउनलोड किए गए हैं और 10 लाख से अधिक 'मिस कॉल' प्राप्त हुई हैं। राहुल के आरोपों को लेकर निर्वाचन आयोग के खिलाफ अभियान तेज करते हुए वेब पोर्टल शुरू किया है, जिस पर लोग आयोग से जवाब मांग सकते हैं।

स्टालिन ने किया समर्थन

चेन्नई। राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप पर उनके साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भाजपा पर निर्वाचन आयोग को चुनावी धांधली मशीनरी में बदलने का आरोप लगाया और जांच की मांग की। स्टालिन ने कहा कि द्रमुक इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा दिनदहाड़े भारत के लोकतंत्र को लूट रही है।

निर्वाचन आयोग का चुनाव अफसरों को निलंबित करने का निर्देश मानने से इन्कार

कोलकाता, एजेंसी

- सरकार और आयोग में ठनी, मुख्य सचिव ने कहा- जांच से पहले निलंबन ठीक नहीं होगा

पश्चिम बंगाल सरकार ने दक्षिण 24 परगना के बरुईपुर पूर्व और पूर्वी मिदनापुर के मोयना की मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर चार अधिकारियों और एक डेटा एंट्री ऑपरेटर को निलंबित करने के भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश का पालन करने से इनकार कर दिया है।

राज्य सरकार ने केवल एक अधिकारी और डेटा एंट्री ऑपरेटर को चुनाव संबंधी कार्यों से हटाया है। चुनाव आयोग ने आठ अगस्त को प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज पंत को एक स्मरण पत्र भेजा जिसमें दो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों, दो सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और एक डेटा एंट्री ऑपरेटर को निलंबित करने और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के अपने आदेश को दोहराया गया है। चुनाव आयोग ने पत्र में विभागीय जांच की भी सिफारिश की। ये अधिकारी पश्चिम बंगाल सिविल सेवा संवर्ग के अधिकारी हैं। चुनाव आयोग के अनुसार दोषी पाए जाने पर आरोपी को तीन महीने की कैद और जुर्माना भी हो सकता है। कैद की सजा दो साल तक बढ़ सकती है।

मुख्य सचिव ने आयोग को भेजे गए एक पत्र में कहा कि राज्य ने अभी अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश नहीं दिया है। एक आंतरिक जांच शुरू की है और मौजूदा मतदाता सूची संशोधन प्रक्रियाओं की समीक्षा की है। अन्य अधिकारी फिलहाल अपने पदों पर बने रहेंगे। पंत ने तर्क दिया कि जांच पूरी होने से पहले दंडात्मक कार्रवाई शुरू करना अनुपातहीन रूप से कठोर हो सकता है और चुनावी एवं प्रशासनिक कार्यों में लगे अधिकारियों पर निराशाजनक प्रभाव डाल सकता है। इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि उनकी सरकार इन अधिकारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई नहीं करेगी क्योंकि ये राज्य सरकार के कर्मचारी हैं।

476 पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त दल सूची से होंगे बाहर

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसने पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने सहित प्रमुख मानदंडों का पालन करने में विफल रहने के कारण 476 अन्य पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को असूचीबद्ध करने की प्रक्रिया शुरू की है। निर्वाचन आयोग ने यह कदम चुनावी कानूनों और संबंधित नियमों का पालन करने में विफल रहने के कारण 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से बाहर किए जाने के एक दिन बाद उठाया है।

कर्नाटकः राजन्ना भाजपा के सुर में सुर मिलाने पर मंत्रिमंडल से बर्खास्त

बेंगलुरु। कर्नाटक के सहकारिता मंत्री के. एन. राजन्ना को सोमवार को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से राजन्ना को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की सिफारिश की थी। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री की सिफारिश स्वीकार कर ली।

मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि प्रारंभ में सिद्धरमैया ने राजन्ना से इस्तीफ़ा देने को कहा था, लेकिन जब उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया, तो उन्हें मंत्रिमंडल से हटा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, राजन्ना को हटाने के लिए मुख्यमंत्री ने दोपहर में राज्यपाल को पत्र भेजा और राजभवन ने सिफारिश स्वीकार कर ली। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि राजन्ना का हालिया बयान उनके लिए 'बहुत नुकसानदेह' साबित हुआ। सिद्धरमैया के वफादार राजन्ना ने तब कांग्रेस आलाकमान की नाराजगी मोल ले ली थी जब उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 'वोट चोरी' के लिए कर्नाटक में अपनी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को कथित तौर पर दोषी ठहराया था।

पीएमएलए कानून में खराबी नहीं बल्कि उसके दुरुपयोग में

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने भूपेश बघेल की याचिका पर विचार करने से किया इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि खराबी कानून में नहीं है बल्कि पीएमएलए के प्रावधानों के दुरुपयोग में है। कोर्ट ने इसी के साथ धनशोधन मामलों में ईडी को पूरक आरोपपत्र दाखिल करने का अधिकार देने वाले पीएमएलए प्रावधान को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पीएमएलए की धारा 44 की संवैधानिक वैधता की समीक्षा करने से इन्कार करते हुए कहा कि सत्य की खोज में सबूतों को उजागर करने पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। पीएमएलए ईडी के अधिकारियों को पूरक आरोपपत्र दायर करने का अधिकार देता है। शीर्ष अदालत ने हालांकि कहा कि अगर बघेल को लगता है कि छत्तीसगढ़ में कई मामलों की जांच कर रहे ईडी अधिकारी शीर्ष अदालत के 2022 के फैसले में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे हैं तो वह हाईकोर्ट जा सकते हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ कहां है, राउत ने शाह को पत्र लिखकर पूछा सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- काफी कोशिश करने के बाद भी नहीं हो पा रहा है संपर्क

शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) के नेता संजय राउत ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से संपर्क करने की कोशिशें असफल रहने का दावा करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इसका जवाब देने को कहा कि धनखड़ कहां हैं।

धनखड़ ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। राउत ने 10 अगस्त को शाह को लिखे अपने पत्र में कहा, हमारे पूर्व उपराष्ट्रपति के बारे में कुछ पता नहीं चल पा रहा है। वह इस समय कहां हैं, उनका स्वास्थ्य कैसा है, इन बातों को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। राज्यसभा के कुछ सदस्यों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की थी लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। शिवसेना उबाठा नेता ने सोमवार को यह पत्र 'एक्स' पर साझा किया।

राउत ने कहा कि दिल्ली में ऐसी अफवाहें हैं कि धनखड़ को उनके घर में ही सीमित कर दिया गया है और कहा जा रहा है कि वह सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, उनसे या उनके स्टाफ से कोई संपर्क नहीं हो पाया जो गंभीर चिंता की बात है। उन्होंने कहा, आखिर हमारे पूर्व उपराष्ट्रपति के साथ हुआ क्या है, वह कहां हैं, उनकी तबीयत कैसी है, क्या वह सुरक्षित हैं।

हादसे के बाद पत्नी के शव को बाइक से बांधा

नागपुर। नागपुर में ट्रक ने महिला को कुचल दिया, जिसके बाद उसके पति को उसका शव बाइक से बांधने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि वहां से गुजर रहा वाहन उसकी मदद के लिए नहीं रुका। 9 अगस्त को नागपुर-जबलपुर हाईवे पर हुई इस घटना का वीडियो सामने आया है।

बताया जाता है कि बाइक रोकने से पहले पुलिस ने यह वीडियो बनाया था। मध्यप्रदेश के सिवनी निवासी अमित यादव पत्नी ग्यारसी के साथ नागपुर के लोनारा से अपने गांव करनपुर जा रहे थे कि तभी ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे ग्यारसी गिर पड़ीं और ट्रक उसे कुचलते हुए निकल गया।

हिंद महासागर

शशि थरूर की अगुवाई वाली विदेश मामलों वाली संसदीय समिति ने सरकार को किया आगाह

चीन और पाकिस्तान से नौसैनिक खतरा, तैयार रहे भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मामलों की संसदीय समिति ने हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में चीन की बढ़ती उपस्थिति और उसके बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि यह घटनाक्रम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापक रणनीतिक हितों के लिए जोखिम पैदा करता है।

समिति ने सोमवार को संसद में पेश 'भारत की हिंद महासागर रणनीति का मूल्यांकन' विषयक अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन-पाकिस्तान नौसैनिक गठजोड़ का मजबूत होना भी समान रूप से चिंता का विषय है। कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि समिति का मानना है कि इन घटनाक्रमों पर तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए, क्योंकि इनमें क्षेत्र में शक्ति संतुलन को बदलने, भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को चुनौती देने और प्रमुख समुद्री अवरोध बिंदुओं पर उसके प्रभाव को कम करने की क्षमता है।

हिंद महासागर में दुनिया की लगभग 40 प्रतिशत आबादी रहती है, जो लगभग 35 तटीय राज्यों में फैली हुई है। समिति ने इस क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत की 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा है और 1,300 से ज्यादा द्वीप हैं। यह रिपोर्ट 130 से ज्यादा पृष्ठों में है जिसमें कहा गया है, एक लिखित जवाब में, मंत्रालय ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए रणनीतिक चुनौतियों में समुद्री यातायात, समुद्री डकैती, आतंकवाद, नौवहन और हवाई उड़ानों की स्वतंत्रता से जुड़ी चिंताएं, और संप्रभुता व स्वतंत्रता की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं शामिल हैं। समिति ने कहा कि एक और चुनौती क्षेत्र 'चीन का पैर जमाना' भी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि समिति ने हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति और उसके बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त की।

चीन की बढ़ती उपस्थिति पर जताई गंभीर चिंता

रिपोर्ट में कहा गया है, समिति हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति और उसके बढ़ते प्रभाव पर गंभीर चिंता व्यक्त करती है, जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापक रणनीतिक हितों के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। समिति मानती है कि चीन की बढ़ी हुई नौसैनिक क्षमताएं, जिसका उदाहरण उसके बेड़े का बढ़ता आकार है, जिसमें सालाना 15 से ज्यादा इकाइयां शामिल हो रही हैं, अब अमेरिकी नौसेना से भी आगे निकल गई हैं, जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना बन गई है।

अमृत विचार

मंगलवार, 12 अगस्त 2025

हमारे जीवन का उद्देश्य
खुश रहना है।
–दलाई लामा

निर्णायक युद्ध आवश्यक

चार अगस्त को दिया सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का जो बयान रविवार को जारी किया गया, सियासी तौर पर सरगर्मियां पैदा करेगा। विपक्ष ने इससे ठीक पहले वायुसेना प्रमुख के बयान पर भी प्रश्न उठाए और सत्ता पक्ष ने माकूल जवाब दिए। अब सेना प्रमुख का बयान जो वस्तुतः वायु सेना प्रमुख की बात को ही आगे बढ़ाता, बल देता है, उस पर भी सवाल उठने लाजिमी हैं। हफ्ते भर पुराने बयान को तकरीबन ताजे बयान के तुरंत बाद रिलीज करने का मंतव्य, दोनों के द्वारा खुली छूट, पहली बार नेतृत्व में राजनीतिक स्पष्टता देखने की टेक और बहुत दिन बीतने पर दावे इत्यादि को लेकर विपक्षी राजनीति कर सकते हैं, पर सेनाध्यक्ष की इस बात से वे इनकार नहीं कर सकते कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश को एक सूत्र में बांध दिया और बेशक भविष्य में हमें एक निर्णायक युद्ध में जाना पड़ेगा। इस अगली पीढ़ी के युद्ध को सेना ही नहीं परोक्षतः जनता भी लड़ेगी। सेनाध्यक्ष ने ये सारगर्भित बातें आम जनता से ही नहीं सेना और सरकार को लेकर राजनीति करने वालों को भी सचेत, सतर्क करने के लिए कही हैं। विगत दिनों जब सूचना मिली थी कि भारतीय सेना द्वारा नष्ट आतंकी ठिकानों को पाकिस्तान की सेना और सरकार फिर से बना, बसा रही है, बहावलपुर, गढ़ मुरीदके, मुजफ्फराबाद वगैरह के अड्डों के पुनर्निर्माण के लिए सेना ने अपने आर्मी वेल्फेयर फंड से करोड़ों रुपये बांटे हैं। आतंकियों को फिर खड़ा कर राजस्थान, पंजाब के रास्ते घुसपैठ की योजना है। इन सबसे साफ है कि सरकार, सेना और आतंकी संगठनों की सांठगांठ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बावजूद जारी है और वे फिर से भारत विरोधी कार्रवाइयों में जुटे हैं।

पाकिस्तान विगत से सबक नहीं सीखता इसका भरापूरा इतिहास है। 1965 में कच्छ से गलत सबक ले उनके फौजी पूर्ववर्ती ऑपरेशन जिब्राल्टर के साथ वापस लौटे थे। 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति या कारगिल में आत्मसमर्पण के बाद क्या हुआ, सब प्रत्यक्ष है। ऑपरेशन सिंदूर से सबक मिला होगा, यह सोच बेमानी है। ऐसे में उसे गंभीर निर्णायक सबक सिखाना होगा। हाल ही में असीम मुनीर ने दो बयान दिए, एक में कहते हैं कि भारत सिंधु नदी पर बांध बनाएगा तो पाकिस्तान 10 मिसाइलों से उसे नष्ट कर देगा। दूसरे में कहते हैं कि पाकिस्तान के अस्तित्व पर खतरा हुआ तो वे पूरी दुनिया को परमाणु युद्ध की चपेट में लेने से गुरेज नहीं करेंगे। कल को मुनीर पाकिस्तान में सियासी तौर पर कमजोर पड़ेंगे तो पूर्ववर्ती पाकिस्तानी नेताओं की तरह संकट का हल भारत पाक-युद्ध में तलाशेंगे। हड़बड़ी में वे भारत के साथ एक सैन्य झड़प का दुस्साहसी फैसला ले सकते हैं। स्थितियां ऐसी बन रहीं हैं कि जब इस ऑपरेशन सिंदूर का भाग दो जारी हो। बात किंचित कठोर लग सकती है, पर आवश्यक है कि पाकिस्तान से एक निर्णायक युद्ध हो और हम अपनी ताकत से उसे इस कदर खौफज़दा कर दें कि फिर कोई पाकी हुक्मरान इस बाबत सोच भी न सके।

अवैध मतांतरण पर केंद्रीय कानून की जरूरत

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

छत्तीसगढ़ सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में मतांतरण की समस्या से निपटने के लिए एक कड़ा कानून लाने की तैयारी में है। इसके तहत दोहरा लाभ ले रहे मतांतरित अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को सरकारी योजनाओं के लाभ से बाहर रखने के प्राविधान रखे जाएंगे। दरअसल इस राज्य में अवैध मतांतरण ने गंभीर समस्या उत्पन्न कर दी है। यह प्राविधान हो जाता है तो जिस तरह से संवैधानिक व्यवस्था के चलते मतांतरण की स्थिति में अनुसूचित जातियों (एससी) के लोग आरक्षण सहित लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो जाते हैं, उसी तरह जनजातियों के लोग भी वंचित होने लग जाएंगे। ईसाई या मुस्लिम बने आदिवासी न केवल एसटी वर्ग का लाभ ले रहे हैं, साथ ही ईसाई के रूप में अल्पसंख्यक वर्ग की योजनाओं का भी लाभ उठा रहे हैं। राज्य सरकार इस कानूनी विसंगति को कठोर कानून बनाकर दूर करना चाहती है। इस प्रस्तावित विधेयक में बिना सूचना के मत परिवर्तन करने या कराने पर 10 वर्ष तक की सजा का प्रावधान किया जा सकता है। यह कानून छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 1968 की जगह लेगा।

एक आदिवासी नेता हुए हैं बाबा कार्तिक उरांव। वे हमेशा हिंदुत्व के पक्षधर रहे और धर्मांतरित आदिवासियों को आरक्षण देने का विरोध करते रहे। बाबा कार्तिक उरांव तीन बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। जीवन के अंतिम समय में वे नागरिक उड्डयन एवं संचार मंत्री थे। उनकी मुलाकात इंग्लैंड से नेहरु से हुई और वह उन्हें भारत ले आए। उरांव वनवासियों के ईसाई धर्मांतरण से वे क्षुब्ध थे, इसलिए 1967 में वे संसद में 'अनुसूचित जाति एवं जनजाति आदेश संशोधन विधेयक-1967' लाए। इस विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति ने बहुत छानबीन की और 17 नवंबर 1969 को अपनी सिफारिशें दीं। इनमें प्रमुख सिफारिश थी, कोई भी आदिवासी व्यक्ति, जिसने जनजाति आदिवासी मत तथा विश्वासों का परित्याग कर दिया हो और ईसाई या इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया हो, वह अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जाएगा और न ही वह आदिवासियों को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं का पात्र रह जाएगा। संयुक्त समिति की सिफारिश के बावजूद, एक वर्ष तक इस विधेयक पर संसद में बहस ही नहीं हो सकी। बाद में ईसाई मिशनरियों के दबाव में इस विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। आदिवासी बाहुल्य छत्तीसगढ़ सरकार इन्हीं कार्तिक उरांव की प्रेरणा से इस विसंगति को दूर करने की तैयारी में है।

झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और मध्य-प्रदेश के ढाल सिंह बिसेन ने संसद में कहा था कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन का चलन लगातार बढ़ रहा है। दरअसल संविधान के अनुच्छेद-342 में धर्म परिवर्तन के संबंध में अनुच्छेद-341 जैसे प्रावधान में लोच है। 341 में स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति (एससी) के लोग धर्म परिवर्तन करेंगे तो उनका आरक्षण समाप्त हो जाएगा। इस कारण यह वर्ग धर्मांतरण से बचा हुआ है। जबकि 342 के अंतर्गत संविधान निर्माताओं ने जनजातियों के आदि मत और पुरखों की पारंपरिक सांस्कृतिक आस्था को बनाए रखने के लिए व्यवस्था की थी कि अनुसूचित जनजातियों को राज्यवार अधिसूचित किया जाएगा। यह आदेश राष्ट्रपति द्वारा राज्य की अनुशंसा पर दिया जाता है। इस आदेश के लागू होने पर उल्लेखित अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधान सम्मत आरक्षण के अधिकार प्राप्त होते हैं। इस आदेश के लागू होने के उपरांत भी इसमें संशोधन का अधिकार संसद को प्राप्त है। अनुच्छेद 341 के अनुसार अनुसूचित जातियों के वही लोग आरक्षण के दायरे में हैं, जो भारतीय धर्म हिंदू, बौद्ध और सिख अपनाने वाले हैं। गोया, अनुच्छेद-342 में 341 जैसे प्रावधान हो जाते हैं, तो अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण की समस्या पर स्वाभाविक रूप से अंकुश लग जाएगा।

संविधान के अनुच्छेद 15 के अनुसार धर्म, जाति, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर राष्ट्र किसी भी नागरिक के साथ पक्षपात नहीं कर सकता। इस दृष्टि से संविधान में विरोधाभास भी हैं। संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश 1950, जिसे प्रेसिडेंशियल ऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है, के अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में अन्य धर्म समुदायों के दलित और हिंदू दलितों के बीच एक स्पष्ट विभाजक रेखा है, जो समता और सामाजिक न्याय में भेद करती है। इसी तारतम्य में पिछले 60 सालों से दलित ईसाई और दलित मुसलमान संघर्षरत रहते हुए हिंदू अनुसूचित जातियों को दिए जाने वाले अधिकारों की मांग करते चले आ रहे हैं। इस बाबत रंगनाथ मिश्र की रिपोर्ट ने इस भेद को दूर करने की पैरवी की थी, लेकिन संविधान में संशोधन के बिना यह संभव नहीं था। 2015 में सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा था कि एक बार जब कोई व्यक्ति हिंदु धर्म या मत छोड़कर ईसाई या इस्लाम धर्मावलंबी बन जाता है तो हिंदु होने के चलते उसके सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से कमजोर होने की अयोग्ताएं समाप्त हो जाती हैं। लिहाजा उसे संरक्षण देना जरूरी नहीं है। इस लिहाज से उसे अनुसूचित जाति का व्यक्ति भी नहीं माना जाएगा। अतएव मतांतरण रोकने के लिए इस तरह का कानून अब छत्तीसगढ़ में ही नहीं पूरे देश के लिए संसद के माध्यम से लाना अनिवार्य हो गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार मतांतरण की समस्या से निपटने के लिए कानून लाने की तैयारी में है। इसके तहत दोहरा लाभ ले रहे मतांतरित अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को सरकारी योजनाओं के लाभ से बाहर रखने के प्राविधान रखे जाएंगे।

आमने

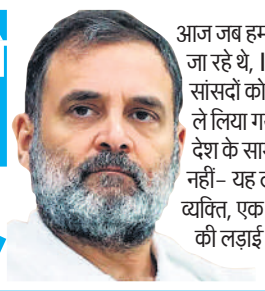

आज जब हम चुनाव आयोग से मिलने जा रहे थे, INDIA गठबंधन के सभी सांसदों को रोका गया और हिरासत में ले लिया गया। वोट चोरी की सच्चाई अब देश के सामने है। यह लड़ाई राजनीतिक नहीं– यह लोकतंत्र, संविधान और 'एक व्यक्ति, एक वोट' के अधिकार की रक्षा की लड़ाई है। –राहुल गांधी
नेता, विपक्ष

सामने

विपक्ष को प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन दावे में सच्चाई कितनी है? आपको अगर वोट नहीं मिलता तो हम क्या करें! देश हारते हैं, प्रदेश वह हारते हैं। आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी वोटर लिस्ट डाउनलोड कर सकता है। –रविशंकर प्रसाद
बीजेपी सांसद

प्रसंगवश

सावन तो खूब बरसा पर अमराई झूलों को तरसा

भारत में ऋतुएं संस्कृति का हिस्सा हैं। यहां हर मौसम का स्वागत होता है। वर्षा ऋतु को भी खूब उल्लास से मनाया जाता था। सावन में नव विवाहिताएं पीहर (मायके) आती थीं। अमराई में झूले डाले जाते थे। बरखा की हल्की फुहारों के बीच खूब खुशी का वातावरण होता। यह झूले सावन के बाद भादौं में भी पड़े रहते। दिन भर इन झूलों पर पींगें मारी जातीं। युवतियों और बच्चों का जमघट लगा रहता। झूला झूलते हुए कजरी गाने की भी रिवायत थी, मगर पिछले कुछ वर्षों से यह सब कुछ सिमट रहा है। बदल रहा है। समय बदला है, तीज-त्योहार और रिवायतें भी बदली हैं। साथ ही झूलों की परंपरा भी बदल गई है। झूले अब नहीं दिखाई पड़ते। ज्यादा नहीं, करीब दो दशक पहले से झूलों की परंपरा ने धराशाही होना शुरू किया जो आज धीरे-धीरे शून्यता के करीब पहुंच गई है। स्थिति आज ये है कि झूलों का रिवाज अब इतिहास बनता जा रहा है।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

सावन की बारिश और झूलों पर हिंदी फिल्मों के कई गाने फ़िल्माए गए। न वैसे अब गाने रहे और न ही झूले। ऐसा लगता है, मानो जैसे आधुनिक मोहपाश ने तमाम परंपराओं को समेट कर पिंजरे में बंद कर दिया हो। शहरों के मुबाकले ग्रामीण परिवेश में सावन माह का बड़ा महत्व हुआ करता था, कमोबेश स्थिति आज गांवों में भी शहरों जैसी हो गई है। बारिश के इस मौसम में अब न तो नव विवाहिताएं पीहर आती हैं और न ही उस तरह का उल्लाह और हंसी-ठिठोली का वातावरण भी नहीं नजर आता है।

सावन को वेद-पुराणों में पवित्र कहा गया है। इसके साथ दो और खास बातें जुड़ी हैं। अव्वल, बारिश और दूसरा झूला? बारिश के दीदार तो होते रहते हैं। पर, झूले कहीं दूर-दूर तक दिखाई नहीं देते। झूलों का गुजरा जमाना रिमिक्स होकर लौटेगा, ऐसा भी प्रतीत नहीं होता। गांव की सखियों का झुंड झूलों के बहाने बाग-बगीचों में मिलता था। सखी शादी होकर ससुराल भी चली जाती थी, तब झूले मिलाप का जरिया बनते थे। बदलते युग के साथ उन्होंने इंतजार करना भी छोड़ दिया। सावन तो प्रत्येक वर्ष आता है पर झूले नहीं? इस परंपरा के खत्म होने के पीछे कोई एक नहीं, बल्कि कई कारण मौजूद हैं।

आधुनिकता की चकाचौंध ने बहुत कुछ बदल दिया। झूला झूलने की परंपरा मानो धीरे-धीरे खत्म हो गई। झूला झूलने के लिए पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्य विख्यात थे। उनके लिए बिना झूलों के सावन अधूरा सा होता था। युवा लड़कियों के अलावा घरों की बूढ़ी औरतें भी सावन की फुहारों में सराबोर हो जाया करती थीं।

गांव की युवतियां झूला झूलते वक्त लोक गीत और कजरी गाया करती थीं, जिन्हें सुनने के लिए पुरुषों का भी जमावड़ा लगता था। कजरी मिर्जापुर से उपजी एक गायन विधा है। सावन का सौंदर्य और परंपरागत कजरी की सुगंधित मिठास वर्षा बहार का जो वर्णन लोक गायन की विधा कजरी में था वह किसी और में नहीं? लेकिन अब न झूले रहे, न कजरी को गाने वाली औरतें।

उम्मीद और आशंका की अलास्का मीटिंग

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

15 अगस्त को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात होना है। इस अहम मुलाकात पर पूरे विश्व की नजर है। दुनिया के लिए इससे बड़ी खुशी की बात और कोई हो नहीं सकती है। अमेरिकी सीनेटर ने भारत से आग्रह किया है कि यूक्रेन और रूस की शांतिवार्ता में सहयोगी बन रहे अमेरिका को पीठबल देने के लिए आगे आए। चार वर्षों से रूस और युक्रेन का भीषण युद्ध छिड़ा हुआ है। अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ वॉर को लेकर मतभेद बरकरार होते हुए भी भारत से अमेरिका ने यूक्रेन से बातचीत कर शांतिवार्ता के लिए कोशिश करने का आग्रह किया है। नतीजतन, भारत और अमेरिका एक साथ यूक्रेन पर दबाव बनाते हैं, तो रूस यूक्रेन के बीच शांति वार्ता में सफलता मिल सकती है। इसके बाद दोनों देशो के बीच गतिरोध खत्म हो जाएगा। अमेरिका और भारत फिर से अच्छे दोस्त बन सकते हैं। गौरतलब है कि यूक्रेन और रूस के हमले सबसे भीषण युद्धों में से एक है। युद्ध के कारण उतपन्न वैश्विक आर्थिक, भू राजनीतिक और मानवीय समस्याएं पैदा हो रही है। युद्ध की विभीषिका से दोनों देशों को आर्थिक, सामाजिक, औद्योगिक और वैश्विक स्तर पर भारी हानि हुई है, जबकि जनहानि से लाखों परिवार अनाथ हो गए हैं। लाखो लोग बेघर हुए हैं। हर घर में मातम है। अमेरिका और रूस की मुलाकात से भारत में खुशी की लहर है। भारत ने हमेशा युद्ध पर आपत्ति जताई है। भारत ने रूस के साथ सकारात्मक सम्बंध बनाए रखे हैं।

इसके पूर्व भी इंस्ताबुल में रूस-अमेरिका की यूक्रेन को लेकर हुई शांति वार्ता विफल रही थी। तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडन ने शांतिवार्ता के लिए रूस को मेज पर बुलाया था। जून में शांति वार्ता की विफलता के बाद अब फिर से प्रयास तेज हो गए हैं। सऊदी अरब के रियाद में भी शांति वार्ता को लेकर प्रयास किया गया था। फिलहाल दुनिया की नजर 15 अगस्त पर है। अलास्का में रूस और अमेरिका के बीच शांति वार्ता के लिए बैठक आयोजित की जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति से युद्ध विराम के लिए चर्चा शुरू की है। नाटो यूक्रेन को हथियार और सैन्य उपकरण की मदद करना बंद कर देता है तो युद्ध अपने आप ही खत्म हो जाएगा, क्योंकि यूक्रेन नाटो की मदद से ही इतने वर्षों से रूस को जबरदस्त टक्कर दे रहा है। अगर, नाटो यूक्रेन को हथियारों की मदद नहीं करता तो यूक्रेन, रूस के सामने एक महीना भी नहीं टिक सकता था।

अमेरिकी राष्ट्रपति को कुछ महीने पूर्व यूक्रेन के राष्ट्रपति ने तानाशाह कहा था। इस मतभेद के कारण अमेरिका ने यूक्रेन को समझाने के लिए भारत से एक बार फिर आग्रह किया है। यूक्रेन, अमेरिका को ज्यादा तव्वजो नहीं दे रहा है। उल्लेखनीय है कि युद्ध में पांच लाख लोगों की मौत हुई है। इस बीच अरबों रुपये का नुकसान दोनों देशो को हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति वार्ता के लिए रूस को एक मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर युद्ध विराम पर बात बनती है तो ट्रंप नोबल पुरस्कार के मजबूत दावेदार भी हो जाएंगे। रूस और अमेरिका की अलास्का में बैठक का स्वागत भारत ने भी किया है। भारत भी कूटनीतिक रास्तों से यूक्रेन को युद्ध खत्म करने के लिए मना रहा था। रूस और अमेरिका की शांति वार्ता सफल हो जाती है और युद्ध बंद हो जाता है तो भारत भी इस सफलता का हकदार होगा। युद्ध रोकने के लिए कई बार भारत ने दोनों देशों से बातचीत की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात कर युद्ध विराम के लिए कहा था। यूक्रेन सोवियत संघ का गणराज्य था। तब से भारत और यूक्रेन का संबंध हैं। भारत की रूस के साथ भी राजनयिक रिश्ते की डोर मजबूत है। अलास्का में बैठक के बाद शांति वार्ता सफल होती है तो अमेरिका और भारत फिर से नजदीक आ सकते हैं।

अमरीका और रूस के राष्ट्रपति अलास्का में मिलने जा रहे हैं। 15 अगस्त को होने वाली इस बैठक का मुख्य मुद्दा रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करना है। बैठक सफल हो या नाकाम इसका असर पूरे विश्व पर पड़ना लाजमी है।

सामयिकी

ट्रंप के टैरिफ का अमेरिकी जीडीपी पर भी पड़ेगा असर

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में 'टैरिफ' केवल एक आर्थिक शब्द भर नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक व्यापार नीति, राजनयिक रणनीति और आम नागरिक की जेब से गहराई से जुड़ चुका है। हाल ही में अमेरिका द्वारा घोषित नई टैरिफ नीति ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हलचल मचा दी है। विशेषकर भारत जैसे साझेदार देश पर इसके प्रभाव को लेकर कई स्तरों पर चिंता व्यक्त की जा रही है। अमेरिका की 'टैरिफ बौखलाहट' चीन की तेज गति से बढ़ती आर्थिक शक्ति और भारत की वैश्विक स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता के रूप में देखा जा सकता है। यदि यही गति रही तो अगले एक-डेढ़ दशक में चीन अमेरिका से आगे निकल जाएगा और अमेरिका का महाशक्ति का खिताब छिन जाएगा। इसकी झलक रूस पर पिछले साढ़े तीन वर्षों से लगे प्रतिबंधों के बावजूद उसकी रफ्तार न रोक पाने में भी दिख रही है। टैरिफ वह शुल्क है जो एक देश दूसरे देश से आयातित वस्तुओं पर लगाता है, जिससे घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा मिलती है और व्यापार संतुलन साधा जा सकता है, लेकिन जब इसे संरक्षणवाद या राजनीतिक दबाव के तौर पर प्रयोग किया जाता है, तब इसका असर व्यापक और दीर्घकालिक होता है। वैश्विक व्यापार की स्थिरता, मुद्रा विनिमय दरों और महंगाई तक इससे प्रभावित होती है।

प्रो. एचसी पुरोहित
समन्वयक, हिंदू अध्ययन केंद्र, दून विश्वविद्यालय

अमेरिका की यह टैरिफ नीति डगलस ए. इरविन के 'तीन आर' (Revenue, Restriction, Reciprocity) के सिद्धांत पर आधारित नज़र आती है। पहला, रेवेन्यू को बढ़ाने के लिए ट्रंप दुनिया के देशों से टैरिफ बढ़ाकर अमेरिका की आय को बढ़ाना चाहते हैं। दूसरा, रिस्ट्रिक्शन की नीति के तहत अमेरिका में बढ़ रही बेरोजगारी को हल करने के लिए विनिर्माण क्षेत्र को भी प्रोत्साहित करना चाहते हैं, इसलिए वे अन्य देशों को रोकने के लिए उन पर असहनीय टैरिफ थोपकर, दूसरे देशों से आयात निर्भरता कम करके अपने उद्योगों को गति देना चाहते हैं। तीसरा, दूसरे देशों के पारस्परिक हितों के लाभ के सिद्धांत के विपरीत व्यवहार कर रहे हैं, जिसके दूरगामी परिणाम अमेरिका को ही भुगतने होंगे। एसबीआई रिसर्च की हाल में जारी रिपोर्ट बताती है कि इस टैरिफ नीति का वास्तविक खामियाजा अमेरिका को ही भुगतना पड़ सकता है। भारत सहित कई देशों से आयातित वस्तुओं पर 25% तक शुल्क बढ़ाने से अमेरिकी नागरिकों को महंगाई का सामना करना पड़ सकता है और आवश्यक वस्तुओं की कमी भी वहां एक नई समस्या खड़ी कर सकती है। इससे अमेरिका की जीडीपी पर भी असर पड़ना तय माना जा रहा है, क्योंकि महंगे आयात से मांग घटने पर आर्थिक वृद्धि धीमी पड़ सकती है और उपभोक्ताओं को अतिरिक्त भार उठाना पड़ेगा। दवाओं, धातुओं और फार्मा उत्पादों की कीमत बढ़ने से डॉलर की मांग अस्थिर होगी। कच्चे माल की महंगी कीमतें औद्योगिक उत्पादन को भी प्रभावित करेंगी। भारत के लिए यह एक चुनौती है, क्योंकि एक ओर टैरिफ बढ़ने से अमेरिका को होने वाले निर्यात में गिरावट आ सकती है, जिससे भारत का व्यापार घाटा असंतुलित हो सकता है, जो अभी तक अमेरिका के साथ भारत का अधिशेष व्यापार है। वहीं दूसरी ओर तुरंत नए बाजार तलाशना भी एक चुनौती ही है।

जिन देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता लागू है, उनके साथ व्यापार के दायरे का विस्तार किया जा सकता है। देश में उत्पादित या निर्मित विशिष्ट उत्पादों की पहचान कर नए बाजार तलाशे जा सकते हैं, जिसमें कम आय वाले देशों के साथ अफ्रीका सहित ग्लोबल साउथ के देशों को भरोसे में लेकर नए व्यापारिक समूह बनाए जा सकते हैं। साथ ही, पहले से सक्रिय समूहों जैसे ब्रिक्स, सार्क समूह को और सशक्त करना होगा। देशवासियों को भी अधिक कीमत चुकाने पर भी घरेलू उत्पाद खरीदना पड़े, तो हमें स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग और उपभोग करना चाहिए।

सोशल फोरम

लड़कियों ने रचा इतिहास

2015 की बात है... लद्दाख यानी समुद्री लेवल से 11 हजार फीट की ऊंचाई। उस जगह, जहां साल के आठ महीने ऑक्सीजन कम होने लगती है, कुछ लोकल लड़कियां पहली बार आइस हॉकी की प्रैक्टिस शुरू करती है। जैसे क्रिकेट खेलने के लिए ग्राउंड चाहिए, आइस हॉकी खेलने के लिए जो बर्फ की सतह चाहिए, उसे 'रिंक' बोलतें हैं। विदेशों में ये रिंक इंडोर होते हैं, लेकिन भारत जैसे देश में और वो भी लद्दाख में रिंक के बारे में सोचना भी नामुमकिन सा है। लद्दाख में एक पेंगॉन्ग त्सो झील है। ये लड़कियां मिलकर सर्दियों में झील के जमे हुए पानी के ऊपर एक और पानी की लेयर डालकर एक स्मूथ सतह बनाती हैं। फिर रात में दो बजे के बाद जब तापमान माइनस 25 डिग्री सेल्सियस तक चला जाता है, तब जमी हुई झील पे हॉकी की प्रैक्टिस करती हैं। ये खतरनाक ही नहीं, निहायत ही जानलेवा काम था। अगर कहीं कमजोर बर्फ की सतह में कोई लड़की गिर जाए तो इन लोगों के पास रेस्क्यू का भी कोई जरिया नहीं होता था।

वाचस्पति शर्मा
लेखक

थोड़ी बहुत सरकारी मदद से ये लड़कियां ऐसी ही परिस्थितियों में प्रैक्टिस करके 2016 में ताइवान में एशिया कप खेलतीं हैं और सारे मैच हारकर अंतिम स्थान पाती हैं। पूरे टूर्नामेंट में ये लड़कियां विदेशी खिलाड़ियों के स्पोर्ट्स गियर, जूते, किट और अन्य संपन्न सुविधाओं को देखकर हैरान होती रहीं। हार की सुनामियां इन लड़कियों के पीछे ही पड़ गईं। 2017 में चौथे स्थान पर, 2018 में अंतिम स्थान पर और सारे ही मैच हारी। 2019 एशिया कप- हमारी लड़कियां सिर्फ एक मैच जीतीं। ये सिलसिला साल दर साल चलता रहा, लेकिन इन टूर्नामेंट्स की इक्का-दुक्का जीतों ने उनमें जोश भर दिया। फिर 2024 में एशिया ओशिनिया चैंपियनशिप में लड़कियां सेमीफाइनल तक भी पहुंच गईं, लेकिन सेमीफाइल में बुरी तरह हारकर कम पॉइंट्स के आधार पर फिर बाहर हो गईं। अंततः जून 2025 में आने वाला था एशिया कप। सरकारी दबाव में और प्रशासनिक भ्रष्टाचार के चलते साल दर साल इन्हें मिलने वाली सुविधाओं में कटौती होती जा रही थी। लड़कियां हारते-हारते थक चुकी थीं, लेकिन इनके पास अब हारने के अलावा कुछ बचा था तो वो थी सिर्फ और सिर्फ जीत। 2025 एशिया कप में शुरुआती मैच जीत क्वार्टर फाइनल तक पहुंच गईं और उज्बेकिस्तान टीम को हरा दिया। इसके बाद जो हुआ इतिहास में दर्ज हो जाना चाहिए। सेमिफाइनल में अपनी लड़कियां किर्गिस्तान से 0-1 से पीछे थीं। मैच ख़त्म होते-होते उन्होंने अंततः किर्गिस्तान को 3-2 से हरा कर कांस्य पदक जीत लिया।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मानव का स्वभाव और स्वरूप ही अध्यात्म

"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन"

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है, 'स्वयं का अध्ययन -अध्ययन-आत्म। इस प्रकार अध्यात्म पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं है। यह तो स्वयं का ही विस्तृत अध्ययन है। श्रीकृष्ण भगवद गीता में कहते हैं, 'स्वभावो अध्यात्म उच्यते' अर्थात व्यक्ति का वास्तविक स्वरूप, उसका स्वभाव ही अध्यात्म है। श्रीकृष्ण का अध्यात्म हमें कर्मों के फल की चिंता किए बिना अपने कर्तव्यों का पालन करते रहने और जीवन के हर पहलू में प्रेम और भक्ति का भाव बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने गीता में कहा भी है कि 'न सतो विद्यते भावो, न भावो विद्यते सतः।' यह श्लोक बताता है कि हमें उन चीजों के बारे में चिंतित नहीं होना चाहिए, जो मौजूद नहीं हैं, और हमें उन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो उपस्थित हैं तथा महत्वपूर्ण हैं, जैसे कि आत्मा। हालांकि अध्यात्म के बारे में सबसे बड़ी भ्रांति यही है कि इसके लिए संसार से विमुख होना पड़ता है। इसे भी श्रीकृष्ण ने स्पष्ट किया है, वह कहते हैं कि वैराग्य का अर्थ बाह्य त्याग नहीं, बल्कि आंतरिक लचीलापन है। वास्तव में सच्चा विरक्त व्यक्ति स्थिर रहता है, न तो सांसारिक सुखों से उत्साहित होता है और न ही दुःखों से व्यथित। मौसम बदलने की तरह, वह जीवन के उतार-चढ़ाव को समभाव से स्वीकार करता है।

श्रीकृष्ण

भगवद गीता में कहते हैं, 'स्वभावो अध्यात्म उच्यते' अर्थात व्यक्ति का वास्तविक स्वरूप, उसका स्वभाव ही अध्यात्म है।

असली आनंद, खुशी और शांति भीतर से ही आती है

- परम आनंद स्वयं में ही निहित है। भौतिक जीवन कुछ हद तक संतुष्टि प्रदान कर सकता है, लेकिन अनेक अवसरों पर यह हमें खालीपन अथवा किसी कामना या वस्तु की कमी का अहसास कराता है। इसमें कोई शक नहीं कि अधिकांश लोग आनंद, खुशी और शांति चाहते हैं। अध्यात्म हमें सिखाता है कि असली आनंद, खुशी और शांति भीतर से आती है। अध्यात्म का युद्ध हमारे मस्तिष्क में चलता है। इसमें अपने आप से लड़ाई करनी पड़ती है। न्याय और अन्याय के बीच, सत्य और असत्य के बीच। इसे अच्छाई की शक्तियों और बुरी शक्तियों के बीच का युद्ध माना जाता है। यही अंदर की विचारधारा, नकारात्मक सोच और वैराग्य पर विजय प्राप्त करने की प्रक्रिया है।
- दरअसल, यह उन नकारात्मक प्रभावों और ऊर्जा से लड़ाई है, जो समाज या अन्य लोगों के माध्यम से आती हैं। इसीलिए कहा जाता है कि आध्यात्मिक युद्ध का लक्ष्य आत्मा की शुद्धि, मानसिक शांति और दिव्य शक्ति से जुड़ना है। यह युद्ध व्यक्ति को सच्चाई, प्रेम, करुणा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। आध्यात्मिक युद्ध के प्रमुख हथियार प्रार्थना, ध्यान, ज्ञान, सही और गलत की पहचान, विश्वास, सत्संग आदि हैं।

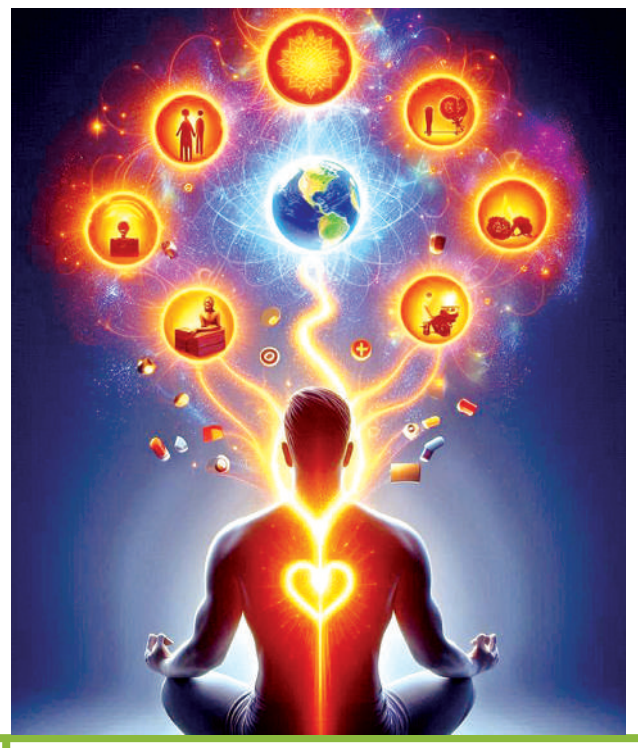

परम चेतना की खोज, उसके साथ एकाकार होने का प्रयास

- अधिकतर धर्मों में यह माना गया है कि अदृश्य दुनिया में ऐसी ऊर्जाएं होती हैं, जो मानव जीवन को प्रभावित कर सकती हैं। आध्यात्मिक युद्ध इसी ऊर्जा को पहचानने का मार्ग है। आध्यात्मिकता का संबंध केवल आत्मा से है। इसका शरीर, बुद्धि, मन और मानव अस्तित्व के अन्य उपकरणों से कोई रिश्ता नहीं है। वही व्यक्ति आध्यात्मिक है, जो अपने भीतर परम चेतना या ईश्वरीय चेतना की खोज करता है, और अपनी व्यक्तिगत चेतना को उस परम चेतना के साथ एकाकार करने का प्रयास करता है।
- अध्यात्म के अभ्यास को भले लोग सांसारिकता से दूर एकाकी जीवन जीने के लिए उपयुक्त समझते हों लेकिन हकीकत यह है कि अध्यात्म किसी व्यक्ति के जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने का माध्यम है। यह किसी भी व्यक्ति की आत्मा, उसके आस्तित्व, उसकी सोच और चेतना को समझने का तरीका है। अध्यात्म के जरिए व्यक्ति कोई विरक्त जीवन नहीं जीता, बल्कि संसार को और बेहतर तरीके से समझने के लिए एक नया दृष्टिकोण और चेतना जागृत करता है। यह चेतना और जागरुकता उसे जीवन की समस्याओं से निपटने के लिए एक नया नजरिया और नई समझ प्रदान करती है, उनका समाधान ढूंढने के लिए नया मार्ग और बेहतर क्षमता देती है।

युद्ध और तनाव पर विजय का एकमात्र मार्ग

दुनिया भर में छिड़े युद्धों और देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच अध्यात्म ही मानवता को सुरक्षित रख सकता है, और इसकी कुंजी भारत के पास है। इसे लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत का साफ कहना है कि दुनिया भारत को अध्यात्म के क्षेत्र में विश्वगुरु मानती है, आध्यात्मिक ज्ञान के लिए महत्व देती है, न कि बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए। कट्टरता इंसान में क्रोध और घृणा पैदा करती है, जो आगे चलकर लड़ाई और युद्ध का कारण बनती है। दुनिया की सभी समस्याओं की जड़ इंसान की प्रकृति में मौजूद पांच या छह प्रवृत्तियों में छिपी है। इनसे छुटकारा पाना ही अध्यात्म का रास्ता है। आध्यात्मिक व्यक्ति कभी युद्ध के साथ नहीं खड़ा होगा, क्योंकि उसका पहला और अंतिम प्रयास हमेशा यही रहेगा कि मानवता बची रहे। संसार मानव रक्त में न डूबे। बच्चे और महिलाएं चीत्कार न करें। यही वह अध्यात्मिक सोच, जो युद्ध के मैदान से दूर ले जाती है और मस्तिष्क में एक ऐसा युद्ध छेड़ देती है, जिसमें सत्य-असत्य का आभास होने लगता है। युद्ध की विभीषिका से चीत्कारती मानवता दिखने लगती है।

लेखिका
नमिता त्रिपाठी
जबलपुर

सप्ताह के व्रत और पर्व

- **12 अगस्त :** भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीय – हर शुभ कार्य फलदायी। (अंतरराराष्ट्रीय युवा दिवस)
- **13 अगस्त :** चतुर्थी, राहुकाल 12 .26 अपराह्न से 2 .05 अपराह्न तक, इस समय शुभ कार्य न करें।
- **14 अगस्त :** षष्ठी, राहुकाल 02 .04 अपराह्न से 03 .43 अपराह्न तक।
- **15 अगस्त :** स्वतंत्रता दिवस।
सप्तमी, राहुकाल प्रात : 10 .47 से 12 .25 अपराह्न तक।
- **16 अगस्त :** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, राहुकाल प्रात : 09 .08 से 10 .47 अपराह्न तक।
- **17 अगस्त :** नवमी, राहुकाल प्रात : 05 .20 से 06 .58 अपराह्न तक। (राष्ट्रीय युगल दिवस)
- **18 अगस्त :** दशमी, राहुकाल प्रात : 07 .30 से प्रात : 09 .08 तक

बोध कथा

अपना चिंतन बदलो बदल जाएगी दुनिया

एक दिन की बात है, श्रीकृष्ण के साथ हमेशा की तरह ग्वाले अपने-अपने गायों और बछड़ों को चराने के लिए जंगल में लेकर पहुंचे। गर्मियों के दिन थे, धूप तेज थी। गायें और बछड़े चरते-चरते काफी दूर निकल गए। हरी घास की तलाश में मुंज वन के भीतर पहुंच गए। गायों के पीछा करते हुए उनके ग्वाल भी मुंज वन में पहुंच गए। धूप तेज थी, लू जैसी गर्म हवा चल रही थी। इसी समय अचानक मुंज वन में आग लग गई। आग की गर्मी और लपटें देखकर ग्वाले शोर मचाने लगे। गाय-बछड़े परेशान होकर उछलकूद करने लगीं। तेज हवा के कारण आग का फैलाव बढ़ने लगा। यह देखकर सभी ग्वाले श्रीकृष्ण के पास आए और उनसे कहने लगे, हे कृष्ण मुंज वन में लगी यह भीषण आग लगता है, हम सभी को जलाकर नष्ट कर देना चाहती है। हमारी इस आग से रक्षा करो।

यह गुहार सुनकर श्रीकृष्ण ने सभी ग्वालों से कहा कि तुम लोग अपनी आंखें बंद कर लो। सभी ने श्रीकृष्ण की बात मानकर अपनी आंखें बंद करके हाथों से ढक लीं। कुछ क्षणों के बाद श्रीकृष्ण ने सभी से आंखें खोलने के लिए कहा। ग्वालों ने आंखें खोलीं तो मुंज वन पहले जैसा नजर आया। वहां अग्नि का कोई निशान तक नहीं था। इससे आश्चर्य चकित ग्वालों ने श्रीकृष्ण से इस घटना का रहस्य पूछा तो उन्होंने कहा कि तुम्हारे अंदर की आग ही बाहर प्रकट हो गई थी। जब तुम सभी ने आंखें बंद की तो तुम्हारे अंदर मेरी स्मृति प्रकट हुई, इससे आग अपने आप बुझ गई। तुम्हारे अंदर की अग्नि बुझ जाने से बाहर की आग भी बुझ गई। इसी कारण मैंने तुम लोगों से आंखें बंद करने को कहा था। कथा का सार है कि तुम अपनी सोच या चिंतन को बदलो तो बाहर का वातावरण अपने आप बदल जाएगा।

लेखक: राजपुरुष

पेरिस से आई थी हनुमान मूर्ति घंटे पर ड्रैगन की नक्काशी

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बरेली का ऐतिहासिक गंगा मंदिर

आस्था और सांस्कृतिक परंपरा की अनूठी धरोहर है, बरेली में नैनीताल रोड पर चौधरी तालाब क्रॉसिंग पर स्थित ऐतिहासिक गंगा मंदिर। यह मंदिर पिछले 105 वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इस बार भी सावन में यहां भक्त उमड़ते रहे। मंदिर में नित्य गंगा आरती, भजन-कीर्तन और सामूहिक प्रसाद वितरण होता है। यह मंदिर स्थापत्य कला का भी सुंदर उदाहरण है। महंत रमेश चंद्र शुक्ला ने बताया कि श्रीराम-जानकी के इस मंदिर का निर्माण संत बाबा गंगादास ने कराया था। उन्हीं के नाम पर मंदिर का नाम रखा गया है। उनकी शिष्या दीदी चिरौंजी ने मंदिर के निर्माण के लिए संपत्ति दान की थी। बाबा गंगादास के बाद उनके शिष्य बाबा नारायण दास ने मंदिर की देखभाल संभाली। 1958 से महंत रामआसरे शुक्ल के बाद वह तीसरी पीढ़ी है, जो गर्भगृह की सेवा करते हैं। 1900 में बाबा गंगादास ने बाकरगंज में मंदिर बनवाया था, लेकिन हर साल गंगा की बाढ़ से मंदिर जलमग्न हो जाता था। इसके बाद स्थान बदलकर वर्तमान जगह पर बनाया गया।

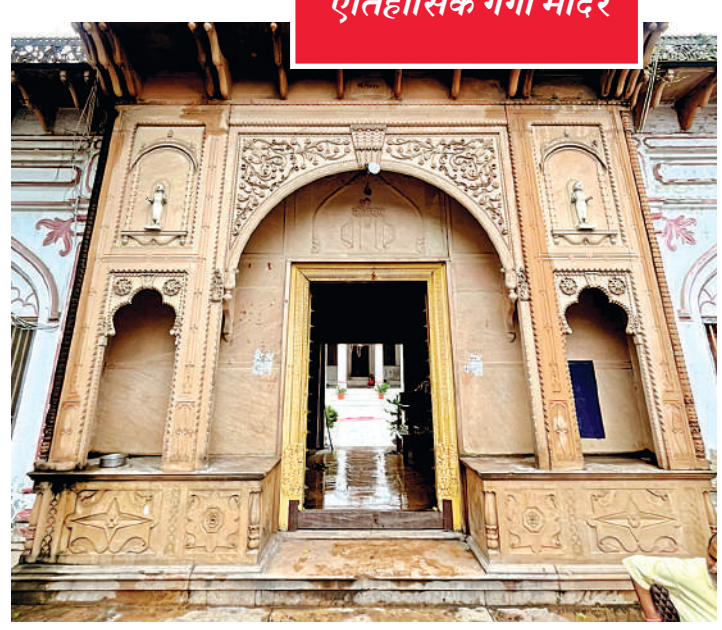

1940 में फ्रांस से भक्त ने बनवाकर भेजी थी मूर्ति

- महंत ने बताया कि मंदिर के राम दरबार में विराजमान बजरंगबली की मूर्ति 1940 में फ्रांस के शहर पेरिस से एक भक्त ने बनवाकर भिजवाई थी। मूर्ति विदेश से आने की सूचना पर भक्तों का दर्शन के लिए तांता लगा रहता था।

1920 में मंदिर की छत पर स्थापित हुआ था घंटा

- मंदिर की छत पर लगा घंटा श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। महंत ने पूर्वजों के हवाले से बताया कि यह घंटा साल 1920 में लगवाया गया था, जो कि सामान्य घंटों से अलग है। इसे भी विदेश से बनवाकर भिजवाया गया था। घंटे पर ड्रैगन की नक्काशी की गई है।

नैनीताल रोड पर चौधरी तालाब क्रासिंग पर स्थित गंगा मंदिर का प्रवेश द्वार।

लेखक
शिवांग पांडेय
बरेली

कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर

हमारे वेद शास्त्रों और संतों ने मानव जीवन के उद्धार और मोक्ष की प्राप्ति के लिये अनंत संभावनाएं और विधान दिये हैं। इनमें से एक है, आदि शंकराचार्य द्वारा भगवान शिव को समर्पित स्तुति मानसी पूजन, जो एक गहन आध्यात्मिक अभ्यास है। यह समस्त कर्मों को नियंत्रित करने वाले मन को एकाग्र भाव से प्रभु शरण में स्थित करने का सरल परिपक्व मार्ग है। यह स्तोत्र, मन को एकाग्र करने और भक्ति में लीन होने का शक्तिशाली साधन है। श्री शिवमानसपूजा स्तोत्र में कुल 5 श्लोक है। इनका जाप करते समय साधक भगवान शिव को काल्पनिक रूप से वस्तुएं अर्पित करते हैं। सोमवार के दिन पाठ करना उत्तम माना जाता है।

रत्नैः कल्पितमासनं हिमजलैः स्नानं च दिव्याम्बरं।
नानारत्नविभूषितं मृगमदा मोदाङ्कितं चन्दनम्।।
जातीचम्पकविल्वपत्ररचितं पुष्पं च धूपं तथा।
दीपं देव ! दयानिधे ! पशुपते ! हृत्कल्पितं गृह्यताम् ।।1।।

- **अर्थ :** हे पशुपति देव ! मैं अपने मन में ऐसी भावना करता हूं कि संपूर्ण रत्नों से निर्मित सिंहासन पर आप विराजमान हों। हिमालय के शीतल जल से मैं आपको स्नान करा रहा हूं। रत्नजड़ित दिव्य वस्त्र आपको अर्पित है। केसर कस्तूरी में बनाया गया चंदन आपके अंगों पर लगा रहा हूं। जूही, चंपा, बेलपत्र आदि की पुष्पांजलि समर्पित है। सभी प्रकार की सुगंधित धूप और दीपक आपको अर्पित कर रहा हूं, हे प्रभु आप इसे ग्रहण करें।

सौवर्णे नवरलखण्डरचिते पात्रे घृतं पायसं।
भक्ष्यं पञ्चविधं पयोदधियुतं रम्भाफलं पानकम्।।
शाकानामयुतं जलं रुचिकरं कर्पूरखण्डोज्ज्वलं।
ताम्बूलं मनसा मया विरचितं भक्त्या प्रभो स्वीकुरु।।2।।

- **अर्थ :** हे महादेव ! मैंने नवीन स्वर्णपात्र, जिसमें विविध रत्न जड़ित हैं, उसमे खीर, दूध और दही सहित पांच प्रकार के स्वाद वाले व्यंजनों के साथ कदलीफल, शर्बत, शाक, कपूर से सुवासित स्वच्छ मृदु जल और ताम्बूल आपके समक्ष प्रस्तुत किया है। हे कल्याण नाथ ! आप मेरी इस भावना को स्वीकार करें।

छत्रं चामरयोर्युगं व्यजनकं चादर्शकं निर्मलं।
वीणाभेरिमृदङ्गकाहलकला गीतं च नृत्यं तथा।।
साष्टाङ्गं प्रणतिः स्तुतिर्बहुविधा ह्येतत्समस्तं मया।
संकल्पेन समर्पितं तव विभो पूजां गृहाण प्रभो !।।3।।

- **अर्थ :** हे भोलेनाथ ! मैं आपके ऊपर छत्र लगाकर चंवर झल रहा हूं। निर्मल दर्पण, जिसमें आपका स्वरूप सुंदरतम व भव्य दिख रहा है। वीणा, भेरी, मृदंग, दुन्दुभि आदि की मधुर ध्वनियां आपको प्रसन्न करने के लिए की जा रही हैं। स्तुति का गायन एवं आपके प्रिय नृत्य को करके मैं आपको साष्टांग प्रणाम कर रहा हूं। हे प्रभु ! मेरी यह नाना विधि स्तुति स्वीकार करें।

ज्योतिषाचार्य
स्वाति सक्सेना
संस्थापक अंतरंग फाउनडेशन

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,604 .08	24,585 .05
बढ़त	746 .29	221.75
प्रतिशत में	0 .93	0 .91

सोना 1,01,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,15,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 12 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2705, राज श्री 1810, फ़ॉर्चून कि . 2185, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13 किलो 1915, जय जवान 1945, सचिन 1970, सूरज 1945, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किलो 1805, क्लासिक (किलो) 2065, मोर 2135, चक्र टिन 2440, ब्लू 2035, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2645

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रतिकु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किलो) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7700 मलका दाल, 7600-7900, मलका छँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10400

चीनी : डालमियां 4400, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4260, धामपुर 4460

बिजनेस ब्रीफ

श्रीजी का आईपीओ 240 252 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड ने सोमवार को अपने 411 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में बोली के लिए 240 से 252 रुपये प्रति शेयर का दायरा तय किया। पोत परिवहन और लॉजिस्टिक समाधान मुहैया कराने वाली कंपनी श्रीजी शिपिंग ने बताया कि आईपीओ 19 से 21 अगस्त तक बोली के लिए खुला रहेगा और एंकर निवेशक 18 अगस्त को बोली लगा सकेंगे।

शून्य एग्रीटेक ने किए एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। पशु पोषण से जुड़ी कंपनी शून्य एग्रीटेक ने मक्का के हरे चारे पर शोध करने के लिए भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना के साथ समझौता किया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईएमआर), लुधियाना के साथ मक्का के हरे चारे पर संयुक्त अनुसंधान करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

टेस्ला करेगी चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार

नई दिल्ली। अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और बेंगलुरु में अपने सुपर चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी की योजना सितंबर तक भारत में आपूर्ति शुरू करने की है। टेस्ला की क्षेत्रीय निदेशक (दक्षिण पूर्व एशिया) इसाबेल फैन ने राष्ट्रीय राजधानी के एयरोसिटी में भारत के अपने दूसरे अनुभव केंद्र का उद्घाटन किया।

अमेरिकी शुल्क के प्रभावों से निपटने को प्रयास जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेश और वाणिज्य सचिव ने संसदीय समिति को दी जानकारी

सरकार ने सोमवार को एक संसदीय समिति को बताया कि अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताओं में कुछ 'रेड लाइन' को पार नहीं किया जा सकता है और उच्च अमेरिकी शुल्क के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए 'केंद्रित प्रयास' किए जा रहे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की स्थायी समिति को 'भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताएं और शुल्क' विषय पर जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, संसदीय समिति को बताया गया कि व्यापार संबंध 'मुश्किल दौर' से गुजर रहे हैं और सरकार इससे निपटने के उपाय कर रही है। सूत्रों ने कहा कि व्यापार वार्ता से जुड़ी 'रेड लाइन' का आशय कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को खोलने की अमेरिकी मांग पर भारत के अडिग रुख से है।

अन्य देशों से व्यापार समझौतों की तैयारी

भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क के ऐलान के बाद कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। साथ ही ट्रंप ने कहा है कि शुल्क विवाद का निपटारा न होने तक भारत से कोई व्यापार वार्ता नहीं होगी। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर कई दौर की बातचीत कर चुके हैं। साथ ही, सरकार ने कहा कि अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए निर्यात विविधीकरण रणनीति पर जोर देने और अन्य देशों से व्यापार समझौतों का लाभ उठाने की तैयारी चल रही है। सरकार ने संसदीय समिति से कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों को व्यापारिक तनाव से नहीं आंका जाना चाहिए और उन्हें 'स्थायी एवं रणनीतिक' साझेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

पुराने ट्रेंड पर भारी, बैग पर हाथ की बारीक कलाकारी

- देश के साथ विदेशों में भी चमक बढ़ा रहे रोजाना इस्तेमाल के बैग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

लैपटॉप और हैंडबैग का बदल रहा लुक, पसंद आ रहे हाथ से बने उत्पाद

मशीन के बजाए हाथ की मोटी सिलाई कर रहे लोग पसंद

लैपटॉप और हैंडबैग में अब लोग मशीन की सिलाई के बजाए हाथ की मोटी सिलाई के बैग काफी पसंद किए जा रहे हैं। मोटी उभरी हुई सिलाई के साथ ही संदेश देने वाली आकृतियां भी बैग में हाथ से ही उकेरी जा रही है। इसके अलावा लैपटॉप बैग में रेशमी धागे और लेदर के मिश्रण से भी डिजाइन उकेरी जा रही है। इन डिजाइन में गोवा के सुकून देते दृश्य, जंगल के ताकतवर जानवर, राजस्थान की लोकप्रिय आकृतियां सहित अन्य डिजाइन युवाओं को आकर्षित कर रही है।

अमृत विचार। रोजाना इस्तेमाल होने वाले लैपटॉप बैग व हैंड बैग अब अपना लुक बदल रहे हैं। एक जैसे रंग और एक जैसी सिलाई के बाद अब बैग ने अपने रंग और रूप को बदल दिया है। ट्रेंडिग में जो नए बैग बाजार में दस्तक दे रहे है उनमें हाथ की बेहतरीन कलाकारी, चमकते रंग और संदेश देती आकृतियां मौजूद हैं। पुराने ट्रेंड को बाहर करते यह बैग देश के विदेश में भी अपनी दमदार दस्तक से पुराने बैग को मार्केट से बाहर कर रहे हैं।

लैपटॉप और युवितियों के हैंड बैग अब सहूलियत नहीं बल्कि फैशन ट्रेंड बन चुके हैं। आम डिजाइन से 'बोर' हो चुके फैशन के दीवाने अब बाजार में अलग तहर के बैग की मांग कर रहे हैं। डोमेस्टिक और इंटरनेशनल मार्केट की बात की जाए तो विदेश से चला ट्रेंड अब देश में भी दिखाई देने लगा हैं। फिल्मी हस्तियों और मॉडल के साथ राजनेताओं के हाथ में सजे बैग अब सोशल मीडिया की सुर्खियां बनने लगी हैं। फैशन के दीवाने बैग को अपने मूड और अंदाज का सिग्नेचर भी मानने लगे हैं। यही वजह है कि लेदर के बैग बनाने वाले अब पारंपरिक बैग से अलग अब डिजाइनर बैग भी बाजार में उतारने लगे हैं। आयात-निर्यात व उत्पाद विशेषज्ञ असजद नफीस ने बताया कि सबसे पहले लैपटॉप व हैंडबैग में फैशन ट्रेंड यूरोप की बाजार में छाया रहता था। वहां पर हर सीजन में बैग की डिजाइन बदलती थी। यह ट्रेंड बढ़कर खास सिंग्नेचर सेट में बदल गया। इसमें फैशन के दीवाने अपनी पसंद की डिजाइन बैग पर डलवाते थे। अब यह ट्रेंड भारतीय बाजार में भी दस्तक दे रहा है। सबसे पहले इस ट्रेंड को लग्जरी आइटम के रूप में देखा जाता था। बाजार ने डोमेस्टिक मार्केट में इस ट्रेंड को बदलते देखा और अब यह सीधे बाजार में उपलब्ध हो रहा है। ट्रेंड के बदलते ही स्वरूप में अब भारतीय बाजार में भी बैग को अपने सिंग्नेचर स्टाइल या फिर संदेश देने के लिए लोग अपनाने लगे हैं।

अलग दिखने की चाह

फैशन ट्रेंड में उत्पादों में परिवर्तन और नए-नए डिजाइन भीड़ में अलग दिखने की चाह भी हैं। उत्पाद विशेषज्ञ का मानना है कि पहले के दौर में कॉरपोरेट वर्ल्ड में सलीका ही फैशन माना जाता था। सोशल मीडिया के आने के बाद इस क्षेत्र में कार्य करने वाले कारपोरेट ऑफसेज में सलीके के साथ फैशन भी युवाओं के साथ दस्तक देने लगा। लॉकडाउन के दौरान वर्क फ्रॉम होम की बोरिंग लाइफ के बाद जब युवा ऑफिस पहुंचे तो नई उम्र के साथ उन्होंने ऑफिस का कल्चर भी बदला। अलग दिखने की राह में लैपटॉप के बैग सहित अन्य हैंड भी बदलते चले गए।

विदेशी पूंजी ने बदली बाजार की चाल

सेंसेक्स 746 अंक उछलकर 80,000 के ऊपर, निफ्टी में 222 अंकों की रही तेजी

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स की 30 में से 26 कंपनियों में तेजी, तेल, वाहन एवं बैंक के शेयरों में खरीदारी

विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह के बीच तेल, वाहन एवं बैंक शेयरों में खरीदारी आने से सोमवार को स्थानीय शेयर बाजारों में उछाल रही। बीएसई सेंसेक्स 746 अंक उछलकर 80,000 के ऊपर पहुंच गया जबकि एनएसई निफ्टी में 222 अंकों की तेजी रही।

बीएसई का सेंसेक्स 746.29 अंक बढ़कर 80,604.08 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 778.26 अंक बढ़कर 80,636.05 अंक पर पहुंच गया था। एनएसई का निफ्टी भी 221.75 अंक बढ़कर 24,585.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से 26 कंपनियों में तेजी रही। टाटा मोटर्स, इटरनल, ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल और मारुति के शेयरों में गिरावट रही।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजार के तीन महीने के निचले स्तर पर आने के बाद राहत भरी तेजी देखी गई। सकारात्मक वैश्विक संकेतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की वापसी ने निवेशकों की धारणा को बल दिया।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,932.81 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की थी। नायर ने कहा, निवेशकों को इस सप्ताह होने वाले अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन का इंतजार है। हालांकि निकट भविष्य में सतर्कता बनी रह सकती है, लेकिन अमेरिकी व्यापार और वृद्धि पर संभावित प्रभाव का अधिक निश्चित आकलन अभी नहीं हुआ है।

रेलिगेयर ब्रोकिंग में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, "कारोबारी सप्ताह की शुरुआत तेजी के साथ हुई और सूचकांक करीब एक प्रतिशत चढ़ गए। कारोबारी सत्र की शुरुआत से ही रुख सकारात्मक रहा और आगे चलकर इसमें मजबूती ही आई। विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज कंपनियों की इसमें प्रमुख भूमिका रही।

क्षेत्रवार सूचकांकों में दर्ज की बढ़त

मझोली कंपनियों के सूचकांक बीएसई मिडकैप में 0 .79 प्रतिशत की तेजी रही जबकि छोटी कंपनियों का स्मालकैप सूचकांक 0 .35 प्रतिशत चढ़ गया। अधिकांश क्षेत्रवार सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। रियल्टी खंड में सर्वाधिक 1 .86 प्रतिशत की तेजी रही जबकि बैंकिंग सूचकांक में 1 .13 प्रतिशत, स्वास्थ्य देखभाल खंड में 1 .12 प्रतिशत और वाहन खंड में 1 .03 प्रतिशत की तेजी रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,237 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,930 शेयर गिरकर बंद हुए और 170 अन्य अपरिवर्तित रहे।

विदेशी बाजार में रहा मिला-जुला असर

एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। जापान में छुट्टी के कारण बाजार बंद रहे। यूरोप के अधिकांश बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .45 प्रतिशत गिरकर 66 .29 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शुक्रवार को सेंसेक्स 765 .47 अंक टूटकर 79,857 .79 अंक और निफ्टी 232 .85 अंक गिरकर 24,363 .30 अंक पर बंद हुआ था।

बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि तय करने के लिए बैंक स्वतंत्र : आरबीआई

- गवर्नर मल्होत्रा बोले- आरबीआई के नियामक अधिकार क्षेत्र में नहीं आता राशि निर्धारित करना

मेहसाणा (गुजरात), एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि बैंक बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह आरबीआई के नियामक अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। गुजरात के मेहसाणा जिले में वित्तीय समावेश समारोह के दौरान उन्होंने यह बात कही।

निजी बैंक के बचत खातों के लिए जरूरी न्यूनतम शेष राशि बढ़ाने पर मल्होत्रा ने कहा, आरबीआई ने न्यूनतम शेष राशि तय करने का निर्णय प्रत्येक बैंक पर छोड़ दिया है। कुछ बैंकों ने इसे 10,000 रुपये रखा है, कुछ ने 2,000 रुपये रखा है और कुछ ने (ग्राहकों को) इससे छूट दी है। यह (आरबीआई के) नियामक अधिकार क्षेत्र में नहीं है। आईसीआईसीआई बैंक ने एक अगस्त से नए बचत खाते खोलने वालों के लिए न्यूनतम शेष राशि की सीमा बढ़ा दी है। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, बचत बैंक खाते में न्यूनतम औसत मासिक शेष राशि (एमएबी) पांच गुना बढ़ाकर 10,000 रुपये से 50,000 रुपये कर दी गई है। यह राशि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पांच गुना बढ़ाकर क्रमशः 25,000 रुपये और 10,000 रुपये की गई है।

दूसरी ओर भारतीय स्टेट बैंक ने बचत खाताधारकों को न्यूनतम शेष राशि न रखने पर दंडित नहीं करने का फैसला किया है। मल्होत्रा ने कहा कि नए युग में सफलता के लिए डिजिटल साक्षरता बहुत महत्वपूर्ण है। जो भी फैसले लिए जाएं, उनका फायदा समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री जन-धन योजना 10-11 साल पहले इसी उद्देश्य से शुरू की गई थी, ताकि सभी को बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच मिल सके। बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) देवदत्त चंद ने कहा कि जन-धन खातों के लिए केवाईसी को नियमित रूप से अद्यतन करना जरूरी है।

आईसीआईसीआई बैंक के बचत खातों में न्यूनतम जमा राशि बढ़ाने का विरोध

कोलकाता। बैंकिंग हितधारकों की पैरोकारी करने वाली नागरिक संस्था ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर आईसीआईसीआई बैंक के बचत खातों में न्यूनतम जमा राशि बढ़ाने का विरोध किया है। नागरिक संस्था बैंक बचाओ देश बचाओ मंच ने वित्त मंत्री को लिखे पत्र में आईसीआईसीआई बैंक के इस फैसले में हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। संगठन ने कहा कि ऐसा कदम सरकार के समावेशी बैंकिंग और विकास के दृष्टिकोण के लिए हानिकारक है। वित्त सचिव को लिखे एक पत्र में मंच ने निजी क्षेत्र के इस बैंक के फैसले को अन्यायपूर्ण और प्रतिगामी करार दिया। नागरिक संस्था के संयुक्त संयोजक विश्वरंजन रे और सौम्य दत्ता ने दावा किया, यह प्रतिगामी निर्णय समावेशी बैंकिंग के सिद्धांत को कमजोर करता है।

शुल्क से एमएसएमई क्षेत्र प्रभावित : एनारॉक

नई दिल्ली, एजेंसी

- 50% शुल्क से आवास क्षेत्र को लग सकता है बड़ा झटका

अमेरिका की तरफ से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने से किफायती आवास क्षेत्र को बड़ा झटका लग सकता है। इस शुल्क से एमएसएमई इकाइयों का कारोबार प्रभावित होगा और उनके कर्मचारियों की आय घटेगी, जो 45 लाख रुपये तक की कीमत वाले घरों के प्रमुख खरीदार हैं। रियल्टी परामर्श कंपनी एनारॉक ने यह अनुमान जताया।

एनारॉक के मुताबिक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) का अमेरिका को होने वाले निर्यात में अहम योगदान है और अधिक शुल्क लगने से उनके उत्पाद महंगे हो जाएंगे, जिससे ऑर्डर घटने और कर्मचारियों की आय पर असर पड़ने की आशंका है। 2025 की पहली छमाही में देश के सात प्रमुख शहरों में बेचे गए 1.9 लाख मकानों में सिर्फ 34,565 किफायती श्रेणी के थे। मौजूदा नियमों के तहत 45 लाख तक के आवास किफायती श्रेणी में आते हैं। रिपोर्ट कहती है कि महामारी के बाद से ही किफायती मकानों की बिक्री और पेशकश में खासी गिरावट आई है। एनारॉक के कार्यकारी निदेशक (शोध एवं परामर्श) प्रशांत ठाकुर ने कहा, महामारी के बाद से यह श्रेणी बुरी तरह प्रभावित है और अब अमेरिकी शुल्क इससे लगी थोड़ी-बहुत उम्मीद भी खत्म कर देंगे। सरकारी अनुमान के अनुसार, एमएसएमई भारत के जीडीपी में 30 और निर्यात में 45% से अधिक योगदान करते हैं। अमेरिकी शुल्क से इनके कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इससे किफायती घरों के संवेदनशील खंड में मांग एवं आपूर्ति दोनों प्रभावित होंगी।

जमनालाल की पांचवीं पीढ़ी संभालेगी बजाज समूह

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार। बजाज समूह ने अपने संस्थापक जमनालाल बजाज की पांचवीं पीढ़ी की प्रतिनिधि आनंदमयी बजाज के समूह में शामिल होने की घोषणा की है। बजाज समूह की जिले में तीन चीनी मिलें क्रमशः गोला, पलिया और खमंभारखेड़ा में हैं।

चीनी, इथेनॉल, बिजली और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के उत्पादन से जुड़े देश के जाने माने समूह के अध्यक्ष कुशाग्र नयन बजाज की सुपुत्री आनंदमयी बजाज समूह की अब पहली महिला उत्तराधिकारी बन गई हैं। आनंदमयी ने कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क से वित्तीय अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री के साथ ही गणित में भी डिग्री प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों को समृद्ध किया है। वे बजाज एनर्जी, बजाज कंज्यूमर और बजाज हिंदुस्थान शुगर जैसी प्रमुख कंपनियों के नेतृत्व दल के साथ मिलकर मुंबई स्थित मुख्यालय से अपनी पूर्णकालिक भूमिका की शुरुआत करेंगी। उल्लेखनीय है कि बजाज समूह आज करीब 2.5 बिलियन का विविध समूह है, जिसकी उपस्थिति चीनी, इथेनॉल, बिजली और एफएमसीजी जैसे क्षेत्रों में है। समूह के पास 5 बिलियन डॉलर से अधिक का परिसंपत्ति आधार है और इसमें 12 हजार से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।

पिता कुशाग्र बजाज के साथ मौजूद आनंदमयी बजाज।

आनंदमयी विभिन्न कंपनियों का करेंगीं नेतृत्व

शाहजहांपुर। 22 वर्षीय युवा उद्यमी आनंदमयी बजाज मुंबई स्थित मुख्यालय से अपनी पूर्णकालिक भूमिका की शुरुआत कर रही हैं। शुरुआती चरण में विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में क्रॉस-फंक्शनल प्रशिक्षण लेंगी और 2025 के अंत तक प्रमुख संचालनात्मक जिम्मेदारियों के लिए पूरी तरह तैयार होंगी। समूह अध्यक्ष कुशाग्र नयन बजाज ने कहा कि आनंदमयी नई सोच, गहरी समझ और ज़मीन से जुड़ी जिम्मेदारी लेकर आ रही हैं। वह समूह को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी। अपनी नई भूमिका पर आनंदमयी ने कहा कि बजाज समूह से औपचारिक रूप से जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं सीखने, बढ़ने और परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हूं।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़

- केंद्रीय मंत्री चौहान बोले- नकली बीजों, उर्वरकों व कीटनाशकों पर रोक को लाएंगे नया कानून

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के कार्यक्रम में शामिल केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि सरकार नकली बीजों, उर्वरकों और कीटनाशकों की बिक्री पर रोक के लिए नया कानून लाएगी। सरकार 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' शुरू करेगी, जिसके तहत वैज्ञानिक किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीजों, उर्वरकों और फसल पोषक तत्वों की जानकारी देंगे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत बीमा दावों के वितरण पर झुंझुनू के कार्यक्रम में चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान राष्ट्र की आत्मा हैं। केंद्र और राज्य सरकारें निरंतर नीतिगत निर्णयों और योजनाओं के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, नकली बीजों, उर्वरकों और कीटनाशकों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए एक नया कानून भी बनाया जाएगा। वहीं 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' शुरू किया जाएगा, जिसके तहत वैज्ञानिक गांवों में जाकर बीज, उर्वरक और पोषक तत्वों के बारे में जानकारी देंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 7.04 करोड़ पॉलिसियां जारी की गई हैं और 1.48 करोड़ किसानों को हजारों करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया गया है। शर्मा ने कहा कि ब्याज मुक्त ऋण, दिन में बिजली आपूर्ति, पशुधन बीमा और किसान समृद्धि केंद्रों की स्थापना राज्य के किसान कल्याण प्रयासों का हिस्सा हैं।

संकट | प्रदेश के निर्यातक कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ का विरोध, जरी, मैंथाल समेत अन्य उत्पाद के निर्यातक परेशान

टैरिफ से भारतीय उत्पादों के प्रतिस्पर्धा में आएगी दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सालाना होने वाले हजारों करोड़ के कारोबार पर पड़ेगा असर

अमृत विचार। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 प्रतिशत लगाए गए टैरिफ ने प्रदेशभर के निर्यातकों में खलबली मचा रखी है। इस शुल्क से बरेली से हर साल होने वाले हजारों करोड़ का कारोबार प्रभावित होता दिखाई दे रहा है। अमेरिका के लगाए टैरिफ को लेकर व्यापारी वर्ग में काफी आक्रोश है, जिसका वह विरोध कर रहे हैं।

वहीं टैरिफ के कारण जिले से वैश्विक स्तर पर होने वाला निर्यात पर संकट छाया हुआ है। दरअसल, बरेली से हर साल एक हजार करोड़ से भी अधिक का मैंथाल अमेरिका निर्यात किया जाता है, लेकिन 50 फीसदी टैरिफ लगने के बाद से कारोबारियों के सामने मुनाफा और मार्जिन संबंधी दिक्कतें पैदा हो गई हैं। साथ ही जरी, बेंत का फर्नीचर, दवा समेत अन्य वस्तुएं यहां से बड़ी मात्रा में निर्यात की जाती हैं, जिस पर अब सीधा असर पड़ने वाला है। वहीं जरी कारोबार से जुड़े इरशाद ने बताया कि जिले से सालाना आधार पर निर्यात किए जाने वाले जरी के उत्पादों पर भी टैरिफ का असर दिखाई देने लगा है।

अगले आर्डर लेने में आएगी कठिनाई

निर्यातक विकास खंडेलवाल ने बताया कि बरेली के उत्पादों में अधिकांश सुरमा, जरी ज़रदोजी व बेंत के फर्नीचर निर्यात किए जाते हैं, लेकिन अमेरिकी बाजार में इनकी बिक्री बहुत कम है। कुछ हैंडीक्राफ्ट आइटम भी बरेली से निर्यात किए जाते हैं जिनके वर्तमान में दो-तीन माह के एडवांस आर्डर हैं, लेकिन टैरिफ में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी होने से अगले आर्डर लेने में काफी कठिनाई आएगी।

दूसरे देशों से आर्डर लेने का क्रम शुरू

मैंथाल कारोबारी गौरव मित्तल ने बताया कि बरेली परिक्षेत्र से सालाना करीब एक हजार करोड़ रुपये का निर्यात अमेरिका में होता है, लेकिन टैरिफ लागू होने से उत्पाद की कीमत में उछाल आएगा। उदाहरण के लिए जो वस्तु 100 रुपये में निर्यात की जा रही है अब उसकी कीमत 150 होगी, जिससे क्लाइंट फायदे को देखते हुए दूसरे देशों से उत्पाद खरीदेगा। इस बाबत ईमेल भी आना आरंभ हो गईं हैं।

30 फीसदी तक प्रभावित होगा कारोबार

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के महानगर महामंत्री राजेश जसोरिया ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इंपोर्ट ड्यूटी (टैरिफ) का प्रभाव होता है। अमेरिका छोटी वस्तुओं का बड़ा बाजार है, जहां कई देश वस्तुओं को बेचने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। समान टैरिफ में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा संभव है, जबकि विभिन्न देश के लिए अलग-अलग टैरिफ से माल बेचना कठिन होगा। अभी जिन मालों का निर्यात हो रहा है उसके ऑर्डर दो-तीन माह पूर्व आ चुके थे, लेकिन अब टैरिफ ज्यादा होने से अमेरिकी खरीदार भारत के बजाय दूसरे देशों की तरफ आकर्षित होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

एअर इंडिया: वाशिंगटन की उड़ानें स्थगित कीं

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक सितंबर से दिल्ली से वाशिंगटन डीसी के बीच की उड़ानें निलंबित करेगी, क्योंकि 'रेट्रोफिट' कार्यक्रम के चलते कई बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान परिचालन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। विमानन कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा, यह निलंबन मुख्य रूप से एअर इंडिया के बेड़े में आने वाली निर्धारित कमी के कारण है, क्योंकि एयरलाइन ने पिछले महीने अपने 26 बोइंग 787-8 विमानों का मरम्मत कार्य शुरू किया है। यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस व्यापक मरम्मत कार्य के चलते कम से कम 2026 के अंत तक किसी भी अवधि में कई विमानों की लंबे वक्त तक अनुपलब्धता बनी रह सकती है।

पुणे : खाई में गिरी वैन आठ लोगों की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में सोमवार को घाटी क्षेत्र में एक पिकअप वैन के खाई में गिर जाने से मंदिर जा रही आठ महिलाओं की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण पिकअप वैन 25 से 30 फुट नीचे जा गिरी। वाहन में 30 से 35 यात्री सवार थे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना दोपहर करीब एक बजे हुई जब पापलवाड़ी गांव के लोग श्रावण मास के शुभ दिन पर पश्चिमी महाराष्ट्र की खेड़ तहसील में श्री क्षेत्र महादेव कुंडेश्वर मंदिर जा रहे थे।

ओली 16-17 सितंबर को भारत के दौरे पर

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली 16-17 सितंबर को भारत की आधिकारिक यात्रा पर जा सकते हैं। काठमांडू में विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, इस यात्रा के दौरान व्यापार, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, संपर्क, पनबिजली और सीमा जैसे बड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। विदेश मंत्री के प्रेस सलाहकार एकराज पाठक ने बताया कि मंत्रालय दौरे के लिए कार्यक्रम को अंतिम रूप दे रहा है। विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने कहा, नेपालगंज और दिल्ली के बीच सीधी उड़ानें प्रधानमंत्री ओली की भारत यात्रा के दौरान एजेंडे में शीर्ष पर होंगी।

ब्रिटेन में कई भारतीयों समेत सैकड़ों गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन में आपूर्ति करने वाली कंपनियों के लिए अवैध रूप से काम करने के संदेह में दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ सप्ताहभर तक कार्रवाई के तहत कई भारतीयों समेत सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने खुलासा किया कि उसके आव्रजन प्रवर्तन दलों ने हाल ही में 'नेशनवाइड इंटेंसिफिकेशन वीक ऑफ एक्टिविटी' के तहत 'ऑपरेशन इक्वलाइज़' चलाया जिसका उद्देश्य अवैध रूप से काम करने वालों को चिह्नित करना था और आपूर्ति करने वाले चालक के रूप में काम करने वाले प्रवासियों पर ध्यान केंद्रित करना था।

चीन की भारत से सटी एलएसी तक रेल नेटवर्क बनाने की मंशा

बीजिंग, एजेंसी

- **इस साल शुरू हो सकता है विश्व के सबसे बड़े प्रोजेक्ट पर काम**

चीन शिनजियांग प्रांत को तिब्बत से जोड़ने के लिए सबसे महत्वाकांक्षी रेल परियोजना पर काम कर रहा है और इसका एक हिस्सा भारत के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा के नजदीक से गुजरेगा।

हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक इस साल विश्व की सबसे महत्वाकांक्षी रेल परियोजनाओं में से एक पर काम शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी की स्थापना की जाएगी जो शिनजियांग के होटन को तिब्बत के ल्हासा से जोड़ने वाली रेल परियोजना के निर्माण और संचालन की देखरेख करेगी।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने शंघाई सिक्योरिटीज न्यूज के हवाले से दी गई खबर में कहा कि शिंजियांग-तिब्बत रेलवे कंपनी को औपचारिक रूप से 95 अरब युआन (13.2 अरब अमेरिकी डॉलर) की पूंजी के साथ पंजीकृत किया गया है और परियोजना के निर्माण के लिए इसका पूर्ण स्वामित्व चाइना स्टेट रेलवे ग्रुप के पास है। हुबेई स्थित हुआयुआन सिक्योरिटीज ने एक शोध पत्र में कहा, इस परियोजना का लक्ष्य 2035 तक ल्हासा केंद्रित 5,000 किमी लंबा पठारी रेल ढांचा स्थापित करना है।

देश में 27,000 करोड़ से भी ज्यादा
मृतकों का बैंक बैलेंस

बैंकों में ऐसी धनराशि हजारों करोड़ रुपये में है जिनका कोई दावेदार नहीं है और इसमें से करीब 70 प्रतिशत हिस्सा उन लोगों के खातों में है, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। बैंकों के अलग-अलग और जटिल नियमों की वजह से मृतकों के उत्तराधिकारी इस धनराशि को हासिल नहीं कर पा रहे हैं, जिस वजह से उसमें लगातार वृद्धि होती जा रही है। ज्यादातर खातों में 10 से 30 साल तक से पैसा पड़ा हुआ है और उसका भुगतान नहीं किया गया है। हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों को इस तरह के लंबित मामलों को जल्द निपटाने के निर्देश दिए हैं, साथ ही यह भी घोषणा की है कि मृतकों के उत्तराधिकारियों के दावों को निपटाने के लिए नियमों को आसान बनाया जाएगा और उनमें एकरूपता भी लाई जाएगी।

जिन बैंकों में फंसा सबसे ज्यादा भुगतान

- संसद में मार्च 2024 में दिए गए वित्त मंत्रालय के उत्तर के मुताबिक सर्वाधिक 8,100 करोड़ रुपये का भुगतान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में फंसा है।
- पीएनबी में करीब 4,000 करोड़, केनरा बैंक में 3600 करोड़, बैंक ऑफ बड़ौदा में 3,500 करोड़ और यूनियन बैंक में 3,200 करोड़ का भुगतान लंबित है।

भुगतान कब से लंबित

- आरबीआई के अनुसार, 10 साल या उससे अधिक समय से निष्क्रिय खाते जिनमें कोई दावा नहीं हुआ है, उसे अनक्लेम्ड डिपॉजिट माना जाता है।
- कई मामलों में ये खाते 20 से 30 साल तक के लंबे समय से निष्क्रिय हैं और वर्ष 2023-24 में इनमें लगभग 5,500 करोड़ रुपये राशि और जुड़ी।

सरलीकरण की कोशिश

- वर्ष 2024 में एक मसौदा परामर्श पत्र जारी किया है। जिसमें केंद्रीकृत वेब पोर्टल से सभी बैंकों के अनक्लेम्ड खातों को एक पोर्टल पर खोजने की सुविधा।
- सरल केवाईसी प्रक्रिया, मृत खातों के दावे के लिए दस्तावेजों की न्यूनतम सूची और नया खाता खोलते समय नामांकन दर्ज करना जरूरी होगा।

बैंकों में अवितरित राशि

- आरबीआई की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट और संसद में दिए गए लिखित उत्तर के मुताबिक सभी अनुसूचित बैंकों में 42,270 करोड़ से अधिक की राशि अवितरित रूप में पड़ी है।
- इनमें बड़ी संख्या मृत खाताधारकों के हैं, आरबीआई के अनुसार अवितरित जमा धन की वजह खाताधारक की मृत्यु और उत्तराधिकारी का दावा न करना या दावा मंजूर न होना है।
- सरकारी अनुमान के मुताबिक अवितरित जमा धन में से मृत व्यक्तियों के खातों से जुड़ी राशि कुल अवितरित राशि का 65 से 70 % है, जो 27,000 करोड़ से भी ज्यादा हो सकती है।

बैंकों के जटिल नियम

- यदि खाते में कोई नामांकित व्यक्ति नहीं है तो कानूनी वारिस प्रमाणित करना पड़ता है। यह प्रक्रिया लंबी है।
- उत्तराधिकार प्रमाणपत्र अदालत या राजस्व विभाग से प्रमाण लेना पड़ता है, जिसमें काफी समय लगता है।
- कुछ बैंकों ने एक साथ सभी दावेदारों के पेश होने की बाध्यता लागू कर रखी है जो संभव नहीं हो पाता है।
- कई परिवार में दावेदारों के बीच विवाद होने पर बैंक भुगतान कोर्ट का आदेश आने तक के लिए रोक देता है।
- एक व्यक्ति के अलग-अलग बैंकों में खाते होने पर हर जगह दावा करना पड़ता है, केंद्रीकृत प्रणाली नहीं है।

अमेरिका से अलग राह पर ऑस्ट्रेलिया फलस्तीन को देगा राष्ट्र की मान्यता

फलस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता का विरोध कर रहे अमेरिका को झटका

कैनबरा, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान सितंबर में फलस्तीन को औपचारिक रूप से मान्यता देगा। उसका यह कदम अपने घनिष्ठ सहयोगी अमेरिका से अलग होगा क्योंकि अमेरिका के मित्र देश इजराइल के गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में बढ़ते सैन्य अभियान से दुनिया में चिंताएं बढ़ रही हैं। ब्रिटेन, कनाडा और फ्रांस समेत कई देश पहले ही फलस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की घोषणा कर चुके हैं। अमेरिका के लिए यह घोषणा झटके की तरह है क्योंकि वह अब तक इजराइल के साथ शांति समझौते के बाहर फलस्तीन को राष्ट्र के तौर पर मान्यता दिए जाने का विरोध करता रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उसका यह कदम द्विराष्ट्र समाधान, गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय गति को बढ़ावा देगा। मंत्रालय के अनुसार फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा सहित कई देशों ने फ़िलिस्तीन को राष्ट्र का दर्जा देने की योजना की घोषणा की है। ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि उसका यह निर्णय पश्चिम एशिया में हिंसा के चक्र को तोड़ने के लिए ऐतिहासिक वैश्विक गति बनाने में मदद करेगा। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक नेतन्याहू सरकार अवैध बस्तियों का तेजी से विस्तार करके, कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों में विलय की धमकी देकर और किसी भी फलस्तीनी राष्ट्र का स्पष्ट विरोध कर द्वि-राज्य समाधान की संभावना को खत्म कर रही है। उसने कहा अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वि-राज्य समाधान के अनुरूप एक फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना के लिए आगे बढ़ रहा है।

कैनबरा में कैबिनेट बैठक के बाद संसद भवन में पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा, पश्चिम एशिया में हिंसा के चक्र को तोड़ने और गाजा में संघर्ष, पीड़ा और भुखमरी को समाप्त करने के लिए द्वि-राज्य समाधान मानवता के लिये सबसे बेहतर उम्मीद है। गौरतलब है कि 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में दी जाने वाली मान्यता फलस्तीनी राष्ट्र के मुद्दे को वैधता प्रदान करेगी और ऑस्ट्रेलिया को फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के साथ शामिल करेगी।

गाजा में लगातार और तेज होते जा रहे हैं इजराइली हमले।

ऑस्ट्रेलिया 1947 से करता रहा है इजराइल का समर्थन

1947 से ऑस्ट्रेलिया इजराइल के अस्तित्व का समर्थन करता रहा है। उस वर्ष ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री एचवी इवाट ने संयुक्त राष्ट्र समिति की अध्यक्षता की थी जिसने दो राष्ट्रों के एक साथ निर्माण की सिफारिश की थी। ऑस्ट्रेलिया पहला देश था जिसने संयुक्त राष्ट्र में इजराइल राज्य और फलस्तीनी राष्ट्र बनाने के प्रस्ताव 181 के समर्थन में अपना हाथ उठाया था। मंत्रालय ने कहा, जैसा कि अब भी है अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने समझा था कि द्वि-राष्ट्र समाधान क्षेत्र के लोगों के लिए शांति और सुरक्षा का आधार है। आस्ट्रेलिया ने यह भी कहा कि 77 साल से भी ज्यादा समय बाद दुनिया अब उस प्रस्ताव के कार्यान्वयन के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत का इंतज़ार नहीं कर सकती।

फलस्तीनी राष्ट्र में हमास की कोई भूमिका नहीं

आस्ट्रेलिया ने कहा, हम फलस्तीनी प्राधिकरण को उसकी प्रतिबद्धताओं पर कायम रखने के साथ इजराइल और उसके बीच सामान्य संबंधों को प्रोत्साहित करने के लिए काम करना जारी रखेंगे। आस्ट्रेलियाई सरकार ने जोर देकर कहा कि हमास द्विराष्ट्र समाधान की संभावनाओं को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है। हमास को 7 अक्टूबर 2023 को क्रूरतापूर्वक बंधक बनाए गए लोगों को तुरंत, बिना शर्त और सम्मान के साथ रिहा करना चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने लगातार स्पष्ट किया है कि फलस्तीनी राष्ट्र में हमास की कोई भूमिका नहीं हो सकती। सरकार ने कहा कि नेतन्याहू सरकार अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के आह्वान की अवहेलना करने के साथ गाजा में कानूनी और नैतिक दायित्वों का पालन करने में विफल रही है।

इजराइल के हमले में अल जजीरा के पत्रकार की मौत

यरुशलम। इजराइल की सेना द्वारा रविवार देर रात गाजा में किए गए हवाई हमले में अल जजीरा के एक संवाददाता और अन्य लोग मारे गए। इजराइल और गाजा शहर के अस्पताल अधिकारियों, दोनों ने अल-शरीफ और उनके साथियों की मौत की पुष्टि की। वहीं 'कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट' और अन्य ने इसे गाजा में युद्ध का दस्तावेजीकरण करने वालों के खिलाफ प्रतिशोध बताया। इजराइली सेना ने दावा किया कि अल-शरीफ हमास के एक प्रकोष्ठ का नेतृत्व कर रहे थे।

यूक्रेन संघर्ष के शीघ्र समाधान को भारत हर योगदान के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत हरसंभव योगदान देने को प्रतिबद्ध है।

दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत अमेरिका के अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच रूस-यूक्रेन में शांति समझौते को लेकर होने वाली शिखर वार्ता से पहले हुई है। मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मुझे राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात करके और हालिया घटनाक्रमों पर उनके विचार जानकर खुशी हुई। मैंने उन्हें भारत के लगातार जारी इस रुख से अवगत कराया कि संघर्ष के शीघ्र और शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, भारत इस संबंध में हरसंभव योगदान देने तथा यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

- **प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर की यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात**

जेलेंस्की ने रूस से कच्चे तेल का निर्यात घटाने की मांग की

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मोदी के साथ बातचीत में सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की, जिनमें द्विपक्षीय सहयोग और समग्र कूटनीतिक स्थिति भी शामिल है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने हमारे लोगों के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए जो गर्मजोशी भरे शब्द कहे हैं, इसके लिए मैं उनका आभारी हूं। जेलेंस्की ने यह भी कहा, रूस से ऊर्जा के निर्यात, खास तौर पर कच्चे तेल के निर्यात को सीमित करना आवश्यक है।

युद्ध के लिए यूक्रेन को अब और पैसे नहीं देंगे : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के साथ जारी यूक्रेन को युद्ध के लिए दी जा रही धनराशि बंद करने के पक्ष में हैं। वेंस ने कहा कि अमेरिका अपने औसत करदाताओं की इतनी बड़ी राशि युद्ध पर खर्च करते-करते थक गया है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था खुद ही समस्याओं का सामना कर रही है।

वेंस ने फॉक्स न्यूज को बताया, राष्ट्रपति और मैं निश्चित रूप से मानते हैं कि हमने यूक्रेन युद्ध के लिए धनराशि देना बंद कर दिया है। हम इस मामले का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि अमेरिकी इस विशेष संघर्ष में अपनी धनराशि लगातार भेजते रहने से तंग आ गया है। यह बयान वेंस की लंदन यात्रा के दौरान यूरोपीय और यूक्रेनी नेताओं और ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मुलाकात के बाद आया है। ब्रिटेन की उनकी यात्रा का उद्देश्य रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच शुक्रवार को अलास्का में होने वाली बैठक की तैयारियां करना था।

रूसी तेल : चीन पर टैरिफ लगाने के बारे में अभी कोई निर्णय नहीं

न्यूयॉर्क। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि उनके देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने को लेकर चीन पर शुल्क लगाने के बारे में अभी तक कोई फैसला नहीं किया है क्योंकि चीन के साथ अमेरिका के संबंध ऐसी कई चीजों को प्रभावित करते हैं जिनका रूसी स्थिति से कोई लेना-देना नहीं है। वेंस ने 'फॉक्स न्यूज संडे' से कहा, राष्ट्रपति ने कहा है कि वह इस बारे में सोच रहे हैं लेकिन उन्होंने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है।

रूस से भारतीय तेल आयात पर अमेरिकी शुल्क मास्को के लिए बड़ा झटका: ट्रंप

वाशिंगटन/न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर लगाए अमेरिकी शुल्क से पहले से खराब चल रही मास्को की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा है।

ट्रंप ने भारत को रूस का सबसे बड़ा या दूसरा सबसे बड़ा तेल खरीदार बताया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि कई देशों पर अमेरिकी शुल्क से जारी वैश्विक दबावों से रूस की अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, मुझे

- **कहा- कई देशों पर टैरिफ लगाने से रूस की अर्थव्यवस्था प्रभावित**

लगता है कि रूस को अपने देश के निर्माण में फिर जुट जाना चाहिए। रूस में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। उनकी अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। ट्रंप ने भारत की ओर इशारा करते हुए कहा, जब अमेरिका के राष्ट्रपति उनके सबसे बड़े या दूसरे सबसे बड़े तेल खरीदार से कहते हैं कि अगर आप रूस से तेल खरीदते हैं तो हम आप पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे, तो यह एक बड़ा झटका है।

आईएनएस राणा का त्रिंकोमाली में स्वागत

कोलंबो। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) राणा चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सोमवार को 300 चालक दल के सदस्यों के साथ श्रीनंका के उत्तर-पूर्वी बंदरगाह शहर त्रिंकोमाली पहुंचा, जिसका पड़ोसी देश की नौसेना ने स्वागत किया। श्रीलंकाई नौसेना ने बताया कि आईएनएस राणा 147 मीटर लंबा विध्वंसक पोत है। इसकी कमान कैप्टन केपी श्रीसन के हाथों में है। बयान में कहा गया है कि पोत के श्रीलंका प्रवास के दौरान चालक दल श्रीलंकाई नौसेना द्वारा आयोजित कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों और खेल आयोजनों में भाग लेगा।

चेन्नई में विमान की आपात लैंडिंग, बाल-बाल बचे कई सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दो घंटे हवा चक्कर काटे, लैंड किया तो रनवे पर खड़ा था दूसरा विमान**
- **कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने कहा- त्रासदी के करीब पहुंच गए थे हम**

केरल के तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की एक उड़ान को तकनीकी खराबी के बाद आपातकालीन स्थिति में चेन्नई में आपात लैंडिंग कराई गई। इससे विमान में सवार कई सांसदों की जान बाल-बाल बच गई। विमान से यात्रा कर रहे कांग्रेस महासचिव कैसी वेणुगोपाल ने इस हवाई सफर को अत्यंत डरावना बताते हुए सोशल मीडिया एक्स पर अनुभव साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, इस यात्रा में वे त्रासदी के बेहद करीब पहुंच गए थे।

वेणुगोपाल ने उड़ान संख्या एआई 2455 की यात्रा को अत्यंत कष्टप्रद बताया। उन्होंने कहा, उड़ान पहले से ही लेट थी। एअर इंडिया के इस विमान में कई सांसद और सैकड़ों यात्री थे। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हमें अभूतपूर्व स्थिति का सामना करना पड़ा। लगभग एक घंटे बाद कैप्टन ने उड़ान सिग्नल में खराबी की घोषणा की और विमान को चेन्नई की ओर मोड़ दिया। लगभग दो घंटे तक हम उतरने की अनुमति का इंतज़ार करते हुए चक्कर लगाते रहे। विमान के लैंड करने का पहला प्रयास में दिल दहला देने वाली बात सामने आई कि उसी रनवे पर एक और विमान था। कैप्टन के तुरंत रुकने के फैसले ने विमान में सवार सभी लोगों की जान बचा ली। दूसरे प्रयास में विमान सुरक्षित उतर गया और सौभाग्य से हम सकुशल बच गए। वेणुगोपाल ने डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्रालय को भी टैग किया और उनसे घटना की जांच का आग्रह किया।

डीजीसीए ने मौसम रडार में समस्या को बताया कारण

नई दिल्ली। डीजीसीए ने सोमवार को कहा कि एअर इंडिया की तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही उड़ान को विमान के मौसम रडार में खराबी की आशंका के कारण रविवार शाम को चेन्नई में सुरक्षित उतारा गया था। उसका यह बयान तब आया है, जब विमान में सवार कुछ सांसदों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। रविवार को एअर इंडिया ने कहा था कि उड़ान संख्या एआई 2455 को तकनीकी खराबी की आशंका के चलते चेन्नई की ओर मोड़ा गया।

भाजपा ने वेणुगोपाल के दावे पर उठाए सवाल

विमान का मार्ग परिवर्तित किए जाने की घटना को लेकर राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया है। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि वेणुगोपाल ने दावा किया है कि एअर इंडिया की उड़ान को चेन्नई में लैंडिंग रोकनी पड़ी क्योंकि रनवे पर दूसरा विमान था, वहीं, एअरलाइन ने इसका खंडन किया है। यानी कोई एक तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर रहा है। मालवीय ने कहा, इस घटना की जांच होनी चाहिए और अगर वेणुगोपाल गलतबयानी कर रहे हैं तो उन्हें इसके परिणाम का भी सामना करना चाहिए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 12 अगस्त, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 08.40 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

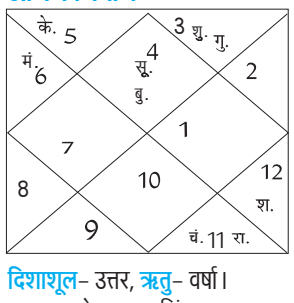

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-पूर्व भाद्रपद 11.52 तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज कार्यक्षेत्र का वातावरण काफी नकारात्मक हो सकता है। व्यापार में अपेक्षित लाभ नहीं मिलेगा। मन में अनहोनी होने का भय रहेगा। आज सिरदर्द की शिकायत हो सकती है। किसी भी काम को जल्दबाजी में न करें।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपको जबरदस्त अवसर मिल सकते हैं। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आपकी दिनचर्या में सुधार होगा। आप नया काम शुरू करने की योजना बनायेंगे। आपके व्यक्तित्व में ओज बढ़ेगा। रुका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन — आज का दिन आपके लिए काफी अनुकूल रहने वाला है। किसी दीर्घकालिक योजना पर निवेश कर सकते हैं। नए कार्यों को लेकर आप अत्यंत उत्सुक रहेंगे। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। विरोधियों की योजना विफल होगी।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपको उच्च पद सौंपा जा सकता है। निर्माण कार्यों में तीव्रता आयेगी। विवाहेतर संबंधों से दूरी बनाकर रखें। परिवार में किसी उत्सव के आयोजन को लेकर चर्चा हो सकती है। समाज में आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी।

सिंह — आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। गले में कफ और सिरदर्द की समस्या हो सकती है। धीरे-धीरे सभी रुके काम बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में आपकी स्वाभाविक रुचि बढ़ेगी। आज आप लोगों की मदद करना चाहेंगे।

कन्या — आज घर के बुजुर्ग लोगों का आशीर्वाद मिलेगा। मित्रों की मदद से आपके सभी काम आसानी से पूर्ण हो जायेंगे। मेहनत का सार्थक परिणाम आपको मिलेगा। विवाहित जोड़े यात्रा के लिए जा सकते हैं। शाम के समय आप किसी कारण परेशान हो सकते हैं।

तुला — आज नौकरी में आपकी आय बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में आपसी सामंजस्य बढ़ेगा। व्यापार में नए सहयोगी जुड़ सकते हैं। अपनी रचनात्मक क्षमता का अच्छा प्रयोग करेंगे। कोई महत्वपूर्ण कार्य शुरू होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। दोपहर के समय आपको सुखद समाचार मिल सकते हैं। अधिकारी आपको काफी सहयोग देंगे। जिसके कारण जटिल मामलों को आसानी से सुलझा लेंगे। प्रतिस्पर्धियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे।

धनु — आज दोस्तों और संबंधियों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। उच्च शिक्षण संस्थानों की प्रवेश परीक्षा में सफलता मिल सकती है। आज किसी से अधिक अपेक्षा न रखें। पर्यटन से जुड़े व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ होगा। पेटदर्द की शिकायत हो सकती है।

मकर — आज रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए फण्ड्स की कमी दूर होगी। ज्ञानवर्धक साहित्य में रुचि ले सकते हैं। युवा अपने करियर को लेकर अत्यधिक सतर्क रहेंगे। व्यवसाय के दृष्टिकोण से आप अत्यन्त भाग्यशाली रहने वाले हैं।

कुंभ — आज आप व्यवसाय को लेकर लोन ले सकते हैं। बच्चों और परिवार के साथ अच्छा समय बितायेंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। राजनीति से जुड़े लोगों की छवि बहुत अच्छी होगी।

मीन — आज किसी की सहायता करने से पीछे न हटें। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। दोस्तों के साथ समय बिताने का प्रयास करेंगे। बड़े व्यापारिक समझौते हो सकते हैं। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

सुडोकू-67

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		6		8			1	
5			1		6		4	
9					7			2
		8	3					6
		2				9		
4			6		5	7		
			9		2			5
	7							3
	6			1		2		

सुडोकू - 66 का हल

5	6	1	9	8	3	7	2	4
4	2	8	6	5	7	3	1	9
9	7	3	4	1	2	5	6	8
1	9	5	3	2	8	6	4	7
3	4	2	7	9	6	8	5	1
6	8	7	5	4	1	9	3	2
2	1	9	8	3	5	4	7	6
7	3	4	2	6	9	1	8	5
8	5	6	1	7	4	2	9	3

जूनियर टूर्नामेंट भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। युवा खिलाड़ी इस प्रारूप में खेलकर बहुत कुछ सीखेंगे क्योंकि हमें सभी डिवीजनों की टीमों के बीच एक अलग स्तर की प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।
-दिलीप टिर्की

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 12 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

करेन खाचानोव ने 200वीं जीत दर्ज की

ओहायो (अमेरिका) : रूस के करेन खाचानोव ने सोमवार को सिनसिनाटी ओपन के शुरुआती मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस के वैलेंटिन रॉयर को सीधे सेटों में हराया। यह उनके हार्ड कोर्ट करियर की 200वीं जीत है। आज यहां खाचानोव ने फ्रांसीसी क्वालीफायर वैलेंटिन रॉयर को रोमांचक मुकाबले में 6-4, 7-6 (6) से हराया। इसी जीत के साथ ही वह हार्ड कोर्ट पर 200 मैच जीतने की उपलब्धि हासिल करने वाले 10वें खिलाड़ी बन गये है। इस सूची में ग्रिगोर दिमित्रोव 318 जीत के साथ शीर्ष पर है।

एशियाई मुक्केबाजी में रीतिका ने जीता स्वर्ण

बैंकॉक : रीतिका ने महिलाओं के 80+ किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। जिससे भारत ने सोमवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप अंडर -22 वर्ग के पदक तालिका में अपना अभियान चौथे स्थान पर खत्म किया। भारतीय अंडर-22 टीम ने कुल 13 पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया, जबकि अंडर-19 मुक्केबाजों ने कुल 14 पदक (तीन स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य) के साथ तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के आखिरी दिन पांच भारतीय मुक्केबाजों में से सिर्फ रीतिका ही भारत को स्वर्ण पदक दिला सकी।

लंदन चैंपियनशिप में शीर्ष-20 में रहीं दीक्षा

लंदन : भारत की दीक्षा डागर रविवार को यहां सेंचुरियन क्लब में चल रही पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहीं। दीक्षा ने शुरुआती नौ होल में तीन बर्डी के साथ अच्छी शुरुआत की लेकिन इसके बाद वह 11वें से 14वें होल के बीच तीन बोगी कर गईं जिससे उन्होंने पार स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर तीन अंडर 216 रहा। दीक्षा लेडीज यूरोपीय टूर की ऑर्डर ऑफ मेरिट में 12वें स्थान पर हैं। अदिति अशोक (72) पार के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 34वें जबकि प्रणवी उर्स (75) दो ओवर के कुल स्कोर से 44वें स्थान पर रहीं। जर्मनी की लॉरा फन्फस्टक ने कुल 10 अंडर के स्कोर के साथ एक शॉट से खिताब जीता।

भारतीय सेना का डूरंड कप में सफर समाप्त

जमशेदपुर : भारतीय सेना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद 134वें डूरंड कप फुटबॉल के ग्रुप सी के अपने आखिरी मैच में शानदार वापसी करते हुए 1 लद्दाख एफसी को 4-2 से शिकस्त दी। टीम हालांकि इस जीत के बावजूद टूर्नामेंट में आगे बढ़ने में नाकाम रही। इस जीत के साथ उनके छह अंक हो गए। लेकिन उनका प्लस 2 गोल अंतर छह ग्रुप में प्रत्येक के दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों में शीर्ष दो में नहीं है।

मिथक तोड़ वर्ल्ड कप जीतने उतरेगी भारतीय महिला टीम

कप्तान हरमनप्रीत ने कहा- आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध

मुंबई, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना मुंबई में महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 से पहले एक कार्यक्रम को संबोधित करती हुईं।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे एकदिवसीय महिला विश्व कप में आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी तक कोई विश्व खिताब नहीं जीत पाई है हालांकि कुछ अवसरों पर वह इसके करीब पहुंची थी। इसमें 2017 में इंग्लैंड में खेला गया वनडे विश्व कप भी शामिल है जिसमें भारत उपविजेता रहा था।

हरमनप्रीत ने वनडे विश्व कप ट्रॉफी के अनावरण समारोह में कहा हम उस मिथक को तोड़ना चाहते हैं जिसका सभी भारतीय इंतजार कर रहे हैं। विश्व कप हमेशा खास होता है। मैं हमेशा अपने देश के लिए कुछ खास करना चाहती हूं। जब भी मैं युवी भैया (युवराज सिंह) को देखती हूं तो मुझे काफी प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह, पूर्व कप्तान मिताली राज और हरमनप्रीत की टीम की साथी स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स भी उपस्थित थे। भारतीय टीम का हाल में प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। उसने इंग्लैंड दौरे में टी20 और वनडे श्रृंखला जीती थी। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले 14 सितंबर से खिताब की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच की घरेलू श्रृंखला खेलेगी और हरमनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा।

हरमनप्रीत ने कहा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और हमें इससे अपनी स्थिति का पता चलता है। यह श्रृंखला (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे) हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं। हरमनप्रीत ने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 171 रन की जोरदार पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। उस पारी की यादें अब भी उनके जेहन में ताजा हैं।

उन्होंने कहा वह पारी मेरे और महिला क्रिकेट के लिए वाकई बहुत खास थी। उस पारी के बाद मेरे लिए बहुत कुछ बदल गया। हम भले ही फाइनल में हार गए थे लेकिन जब हम वापस लौटे तो बहुत सारे लोग हमारा इंतजार कर रहे थे और हमारा उत्साह बढ़ा रहे थे। मैं उसे याद करके आज भी रोमांचित हो जाती हूं।

> विश्व कप 2017 ने वास्तव में न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर महिला क्रिकेट को बदल दिया, क्योंकि सोशल मीडिया अपेक्षाकृत नया था (और) आईसीसी ने बड़े पैमाने पर प्रचार करने में अपनी भूमिका निभाई थी।
> **-मिताली राज**

> हमारी पूरी टीम उस दिशा में बढ़ रही है जहां हमें पता है कि हमें मैदान के बाहर बहुत मेहनत करनी होगी और जब हम मैदान पर उतरते हैं, तो हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।
> **-स्मृति मंधाना**

> मेरी तैयारी और मानसिकता में बहुत कुछ बदल गया है। अच्छी तैयारी से मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है।
> **-रोड्रिग्स**

महिला क्रिकेट नई ऊंचाइयों तक जाएगा

- आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा कि 30 सितंबर से शुरू होने वाला यह विश्व कप महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। गुप्ता ने कहा यहां एक बड़ी तस्वीर है जो इस बात से जुड़ी है कि देश के लिए इसका क्या मतलब है। महिला क्रिकेट का विकास कई मायनों में देश की प्रगति का प्रतिबिंब है।

जीत का रखना होगा विश्वास : युवराज

- वनडे विश्व कप 2011 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे युवराज ने कहा कि खिलाड़ियों को यह विश्वास रखना होगा कि वे देश के लिए मैच जीत सकते हैं। उन्होंने कहा मैं कहूंगा कि परिस्थिति के अनुसार खेलें, अपेक्षा के अनुसार नहीं और वर्तमान में बने रहें। यह इतिहास रचने का शानदार मौका है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप शुरू से ही चैंपियन बनने के बारे में सोचने लग जाओ। आपको इस पूरी प्रक्रिया को महसूस करना होगा कि हमने कड़ी मेहनत की है। आपको खुद पर भरोसा रखना होगा और यह विश्वास बनाए रखना होगा कि आप देश के लिए मैच जीत सकते हैं।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स और रोस्टन चेज जीत का जश्न मनाते हुए।

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को हराकर शृंखला बराबर की

- रोस्टन चेज और जस्टिन ग्रीव्स ने खेली शानदार पारी

टारूबा (त्रिनिदाद), एजेंसी

रोस्टन चेज और जस्टिन ग्रीव्स की उपयोगी पारियों की मदद से वेस्टइंडीज ने बारिश से प्रभावित दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 10 गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 37 ओवर में सात विकेट पर 171 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने सात ओवरों में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। बारिश के व्यवधान के कारण वेस्टइंडीज के सामने डकवर्थ लुईस पद्धति के तहत 35 ओवर में 181 रन बनाने का लक्ष्य रखा गया। चेज ने 47 गेंदों पर दो छक्कों और एक विजयी चौके की मदद से नाबाद 49 रन बनाए, जिससे वेस्टइंडीज 33.2 ओवर में पांच विकेट पर 184 रन बनाकर जीत हासिल करने में सफल रहा।

त्रिनिदाद और टोबैगो के टारूबा स्थित ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज का स्कोर 18 ओवर में तीन विकेट पर 101 रन था, जो 24 ओवर में पांच विकेट पर 111 रन हो गया। इसमें शेरफेन रदरफोर्ड का विकेट भी शामिल था, जिन्होंने 33 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 45 रन बनाए। चेज और ग्रीव्स (31 गेंदों पर 26 रन) ने छठे विकेट के लिए 77 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचा। इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हसन नवाज ने एक बार फिर पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 30 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए। उन्होंने पहले वनडे में नाबाद 63 रन बनाए थे। हसन की रविवार की पारी में तीन छक्के शामिल थे। इनमें से दो छक्के उस ओवर में लगे।

अक्षर-गिल के बीच उप कप्तानी की होड़

एशिया कप की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

शुभमन गिल।

अक्षर पटेल।

- तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खेलने की संभावना

संभावित दावेदार

- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा/ध्रुव जुरेल।

इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल इस सत्र के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं, लेकिन अगले महीने यूएई में होने वाले एशिया कप टी20 में भारतीय टीम की उप कप्तानी के लिए उन्हें अक्षर पटेल जैसे दावेदार का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी इस टूर्नामेंट में खेलना तय है और अक्टूबर की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए उन्हें आराम दिया जा सकता है।

अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति 19 या 20 अगस्त को एशिया कप के लिए टीम का चयन कर सकती है जो इस बात पर निर्भर करेगा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम सभी खिलाड़ियों का 'मेडिकल बुलेटिन' कब भेजती है जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव की जानकारी भी शामिल है जिन्होंने बेंगलुरु में नेट्स पर बल्लेबाजी शुरू कर दी है। चयन प्रक्रिया में कुछ पेचीदा फैसले होंगे, लेकिन भारतीय चयनकर्ता निश्चित रूप से निरंतरता बनाए रखना चाहेंगे जिसने सूर्यकुमार के टी20 कप्तान बनने के बाद से उन्हें काफी सफलता दिलाई है। अक्षर भारत की इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उप कप्तान थे जबकि पिछले साल श्रीलंका में जब सूर्यकुमार को पहली बार टी20 टीम का पूर्णकालिक कप्तान नियुक्त किया गया था तब गिल ने यह जिम्मेदारी निभाई थी। यह समझा जाता है कि चयन समिति इस टीम में अधिक बदलाव नहीं करना चाहेगी क्योंकि अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, सूर्यकुमार, तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या शीर्ष पांच में मजबूत खिलाड़ी हैं।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया अभिषेक शर्मा पिछली आईसीसी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज हैं। संजू सैमसन ने पिछले सत्र में बल्ले और विकेटकीपर दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। इसलिए यह फैसला लेना मुश्किल होगा लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए शुभमन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जूनियर पुरुष हॉकी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 30 टीमें भाग लेंगी

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 30 टीमें भाग लेंगी। जो मंगलवार से जालंधर में नए डिवीजन आधारित प्रारूप में खेली जाएगी। नया प्रारूप इस वर्ष के शुरू में सीनियर और सब जूनियर पुरुष, महिला तथा जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पहले ही लागू किया जा चुका है। भाग लेने वाली 30 टीमों को डिवीजन 'ए', डिवीजन 'बी' और डिवीजन 'सी' में विभाजित किया गया है। इसमें अपने से शीर्ष डिवीजन में जगह बनाने और निचले डिवीजन में खिसकने का प्रावधान है।

डिवीजन 'ए' में देश की 12 सर्वश्रेष्ठ जूनियर पुरुष टीमें शामिल हैं। इनमें गत विजेता पंजाब, उपविजेता उत्तर प्रदेश और तीसरे स्थान पर रहने वाली हरियाणा भी शामिल हैं। इस डिवीजन के पूल मैच 16 अगस्त से शुरू होंगे, जिसके बाद 20 से 23 अगस्त तक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे। डिवीजन 'बी' में केवल लीग मैच होंगे, जिसमें शीर्ष पर रहने वाली दो टीम अगले साल डिवीजन 'ए' में खेलेंगी।

क्रिस्टल पैलेस ने लिवरपूल को हराकर कम्युनिटी शील्ड जीती

कम्युनिटी शील्ड फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती क्रिस्टल पैलेस टीम। एजेंसी

लंदन, एजेंसी

क्रिस्टल पैलेस ने इस सत्र में अपना स्वप्निल अभियान जारी रखा और प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल को हराकर वेम्बली में एक और उलटफेर करते हुए कम्युनिटी शील्ड फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। मई में एफए कप फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उलटफेर का शिकार बनाने के बाद पैलेस ने एक बार फिर कुछ विषम परिस्थितियों से पार पाकर मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की। पैलेस की इस जीत के नायक गोलकीपर डीन हेंडरसन रहे। उन्होंने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाई। हेंडरसन ने मैच के बाद कहा यह अविश्वसनीय है। लिवरपूल जीत का प्रबल दावेदार था। उसके पास कुछ शानदार खिलाड़ी हैं और उनकी टीम मजबूत है। हमने तीन महीने के अंदर दो ट्रॉफी जीती हैं। यह अविश्वसनीय है। एफए कप में जीत के साथ पैलेस ने अपने इतिहास में पहली बड़ी ट्रॉफी जीती थी और अब कम्युनिटी शील्ड जीतकर उसने साबित कर दिया कि उसकी पिछली जीत महज संयोग नहीं थी।

बोधना बनीं ग्रैंडमास्टर को हराने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी

नई दिल्ली

भारतीय मूल की ब्रिटिश नागरिक बोधना शिवानंदन। एजेंसी

भारतीय मूल की ब्रिटिश नागरिक बोधना शिवानंदन पीटर वेल्स को हराने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बन गई है। इंग्लिश शतरंज महासंघ (ईसीएफ) की विज्ञप्ति के अनुसार हैरो की इस 10 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को लिवरपूल में 2025 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप के अंतिम दौर में 60 वर्षीय ग्रैंडमास्टर पीटर वेल्स को हराकर जीत हासिल की।

10 साल, पांच महीने और तीन दिन की उम्र में शिवानंदन की यह जीत अमेरिकी कैरिसा यिप के 2019 के रिकॉर्ड को तोड़ती है, जो आगे चलकर अंतर्राष्ट्रीय मास्टर बनीं। ईसीएफ ने कहा कि बोधना की जीत ने महिला अंतरराष्ट्रीय मास्टर खिताब हासिल करने के लिए आवश्यक अंतिम 'मानदंड' या परिणाम भी हासिल कर लिया है, जो शतरंज के सर्वोच्च खिताब, ग्रैंडमास्टर, की ओर एक कदम है। बोधना ने इस आयोजन के दौरान 24 रेटिंग अंक हासिल किए और 26वें स्थान पर रहीं एक 10 वर्षीय खिलाड़ी के लिए यह उल्लेखनीय उपलब्धि है। ईसीएफ के विशेषज्ञ कमेंटेटर डैनी गोरमली ने कहा, आखिरकार उन्होंने यह कैसे जीत लिया। वह जरूर कोई जादूगरनी होंगी। उन्हें सरल पोजिशनल मूव्स खेलना पसंद है, कुछ खास नहीं, वह बहुत मजबूत खिलाड़ी हैं और खेल के आखिर में अपने विरोधियों को मात देने का प्रयास करती हैं।

सीएसके बताए आईपीएल में क्या भूमिका होगी : अश्विन

चेन्नई : चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर आर अश्विन ने अपनी टीम से पूछा है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनकी भूमिका क्या होगी। उन्होंने फ्रैंचाइजी से कहा है कि अगर वह टीम की योजनाओं में फिट नहीं बैठते तो उन्हें टीम से अलग होने में कोई आपत्ति नहीं है।

खिलाड़ियों को रिलीज करने की अंतिम तारीख आमतौर पर इस बात पर निर्भर करती है कि उस साल की नीलामी कब है। यह आईपीएल 2026 के लिए अभी तय नहीं हुआ है। बड़ी नीलामी हर तीन साल में होती है, लेकिन छोटी नीलामी हर साल होती है। यह आमतौर पर नवंबर से फरवरी के बीच कभी भी हो सकती है। अगर किसी खिलाड़ी का ट्रेड होना हो तो यह नीलामी से एक हफ्ते पहले तक हो सकता है। अश्विन आईपीएल में पांचवें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

बड़ा सुधार | लोकसभा में राष्ट्रीय खेल शासन और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक पास

विधेयक से खेलों को मिलेगी नई ऊंचाई

नई दिल्ली, एजेंसी

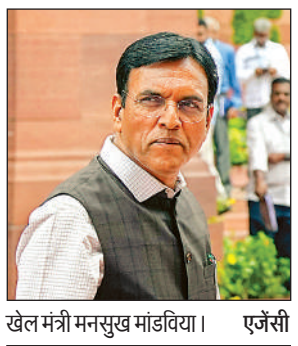

खेल मंत्री मनसुख मांडविया। एजेंसी

लोकसभा ने देश में वैश्विक स्तर का खेल ढांचा तैयार करने, खेल प्रशासन को अधिक जवाबदेह तथा पारदर्शी बनाने और प्रतिभाओं को आसानी से सामने लाने के मकसद से तैयार राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 को सोमवार को ध्वनि मत से पारित कर दिया। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने विधेयक को सदन में पारित कराने के लिए पेश करते हुए कहा कि सरकार ने देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए 'खेलो इंडिया' जैसे कार्यक्रम शुरू किए हैं जिसके कारण देश के कोने-कोने से खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अच्छा कोच मिले, खेलने के देश और विदेश में अवसर मिले और रोजगार सुलभ कराया जा सके, इस दिशा में यह विधेयक महत्वपूर्ण साबित होगा। उनका कहना था कि यह विधेयक 25 साल से इंतजार कर रहा है लेकिन किसी सरकार ने इसे संसद तक नहीं पहुंचने दिया। इसका पहला प्रस्ताव 1995 में बन गया था लेकिन विधेयक नहीं आया। उसके बाद की सरकारों ने विधेयक तैयार करवाया और इसे कैबिनेट तक लाने का रास्ता भी बनाया लेकिन कुछ स्वार्थी ताकतों के कारण विधेयक का प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, लेकिन मोदी सरकार ने किसी की परवाह किये बिना यह विधेयक बनाया और संसद में पेश कर इसे पारित करवा दिया है। उन्होंने कहा कि खेल फेडरेशन में महिला अधिकारी को खेल प्रतिभाओं को सामने लाने तथा महिला खिलाड़ियों को निडर होकर आगे बढने के लिए यह विधेयक महत्वपूर्ण है।

विधेयक तैयार करने में एक साल से ज्यादा का वक्त लगा और सार्वजनिक रूप से इसमें 1000 लोगों की सलाह आयी है जिस पर विधेयक को अंतिम रूप देने से पहले विचार किया गया। विधेयक को अत्यंत पारदर्शी बनाया गया है। यह विधेयक देश में पारदर्शी, जवाबदेह और विश्वस्तरीय खेल ढांचा बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। खेलमंत्री ने कहा कि इस विधेयक का मकसद राष्ट्रीय खेल संघों में बेहतर प्रशासन और गुटबाजी पर रोक लगाना है।

सभी खेल संघों के लिए स्पष्ट नियम

- विधेयक में बीसीसीआई जैसी मजबूत संस्था समेत सभी खेल संघों के लिए स्पष्ट नियम और एक शासन बोर्ड के गठन का प्रावधान है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के सुझावों के मुताबिक संशोधन किए गए हैं। श्री मांडविया ने कहा कि भारत जैसे बड़े देश का ओलंपिक और अन्य अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन अब तक संतोषजनक नहीं रहा है, जबकि तैयारी का स्तर उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये विधेयक भारतीय खेलों में संरचना, पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धात्मकता को नयी ऊंचाई देंगे।